वाङ्मय-चयनिका

[चयनित हस्तलिखित ग्रन्थों की वर्गीकृत सूची]



[A Classified catalogue of selected manuscripts]

श्री रामचरण प्राच्य विद्यापीठ एवं संग्रहालय प्रन्यास

सम्पादन : संस्थापक—अध्यक्ष—आचार्य रामचरण शर्मा 'व्याकुल'

वाङ्मय-चयनिका



श्री रामचरण प्राच्य विद्यापीठ एवं संग्रहालय प्रन्यास
जयपुर

हस्तलिखित ग्रन्थ-सूची



A Classified Catalogue of
Slected Manuscripts from
Universal Institute of Orientology
Managed by
THE S. R. C. P. V. P. S. TRUST
JAIPUR.

PUBLISHER : The Universal Institute of Orientology
and museum of Indology
'Prachya-Vidya-Path'
24, Gangwal Park, Jaipur. (Raj.)



EDITED BY : Acharya Ram Charan Sharma 'Vyakul'
(Founder-Chairman of S.R.C.P.V.P.S. Trust)

Silver Jubilee year, 1986



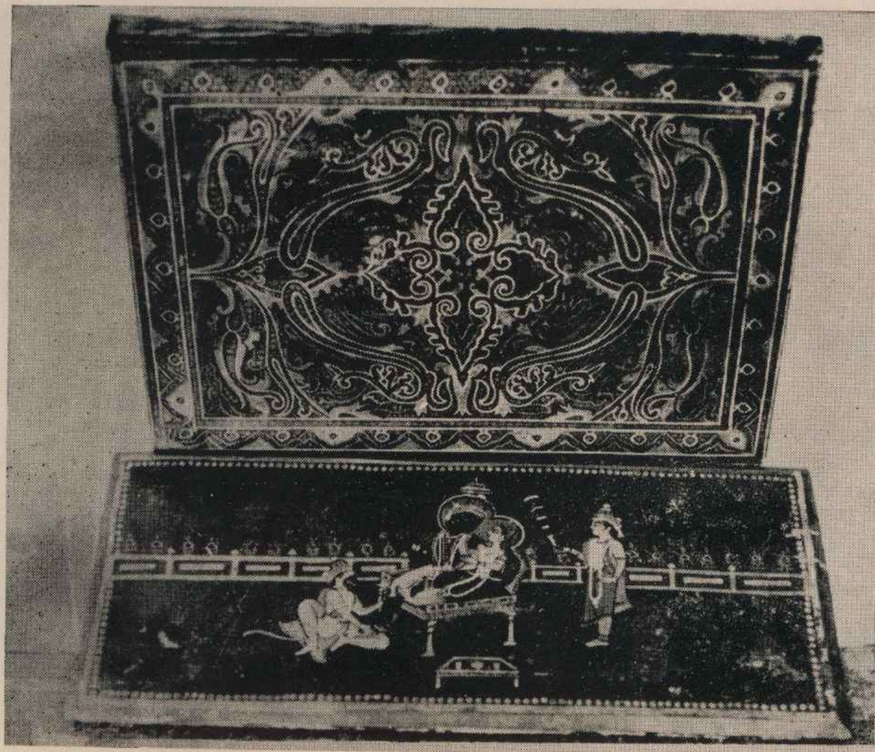
PRINTED BY : Mayur Printers, M. I. Road,
Jaipur-302001

वाङ्मय चयनिका (Vangmaya Chayanika)

A thememetic Catalogue of old rare manuscripts

Title : A page of 15th century manuscript.

Price : Rs. 120.00



चित्रित दो काष्ठ ग्रंथावरण
❀ आकल्पन
❀ रामदरबार



जरी के काम वाले दो
ग्रंथावरण
❀ एक जैन कथा पर
आधारित 14 स्वप्न
सम्बन्धी आकल्पन
❀ ग्रंथ रूपांकन

प्राक्कथन

पाण्डुलिपियां सर्वाधिक रूप से ज्ञान–विज्ञान और संस्कृति की संवाहिकायें रही हैं। जो कुछ भी आज शाश्वतिक व परम्परागत प्राप्त चिन्तन तथा बौद्धिक विरासत है, हमको, प्रकाशन युग के पूर्व से, निरन्तराल चले आते हुए सुविज्ञ प्रज्ञा-पथिकों की ही लेखनउपायन है।

शताधिक वर्षों से जल प्लावन, झंझावात, वात्या चक्र के अनिवारित प्राकृतिक-प्रकोपों और नहीं रुकने वाले राज्य लिप्सा जनित आक्रमणों की मार से बचते आते हुए हस्तलिखित ग्रंथों का सुरक्षित रह पाना क्या अपने आप में आश्चर्य नहीं है ?

चार दशक पूर्व मेरा बाल सुलभ मन पीड़ा से भर उठा था, जब मैंने 2–3 स्थानों पर पाण्डुलिपियों को गलाये जाते तथा उनकी लुग्दी बनाकर, अनाज रखने के पात्र (ठाँठे) बनाते हुए ग्राम्य महिलाओं को देखा था। मेरा ग्रंथ–संदर्भित–प्रतिवाद उस समय और स्थिति में तो बेमानी था, किन्तु वह कचोटन कालान्तर में ग्रंथ संग्रह करने की दिशा में सार्थक सिद्ध हुई।

उन्हीं दिनों में संचयन की यात्रा का समारम्भ हो गया। ग्रंथों के नष्ट होने के क्रम में एक पंसारी की दुकान में जीरा, धनिया, आदि की पुडियों में, नष्ट होती हुई कुछ अपूर्ण, खण्डित, त्रुटित एवं आंशिक कीट भक्षित ग्रंथों को बीच 3–4 सार्थक सुन्दर ग्रंथों को खोजने में सफल हो गया। न जाने कितने हस्तलिखित ग्रंथ उल्लेखित स्थितियों में काल कवलित हो गये। कल्पना मात्र से सिहरन होती है कि यदि देश में वेद, वालिमकीय रचित रामायण एवं वेदव्यास रचित महाभारत नहीं मिलती तो राम, कृष्ण एवं गीता को कौन जान पाते और क्या रह जाता भारत के परम्परागत वैदिक, सांस्कृतिक व ऐतिहासिक धरातल पर ?

आज श्री राम चरण प्राच्य विद्या पीठ एवं संग्रहालय के 18 विभागों में से एक हस्तलिखित ग्रंथ प्रभाग में शर शीर्षा लिपि वाले पंच पाठ प्रणाली युक्त, प्राचीन, दुर्लभ,

दुष्प्राप्य, मूल स्वाक्षरित शोभन लिपिमय सचित्र, विचित्र आदि अनेकों प्रकार के महत्व पूर्ण वर्गीकृत पाण्डुलिपियों का संग्रह है। जो राजस्थानी, गुजराती, मराठी, कन्नड, तमिल,तेलगू एवं बंगाली आदि भाषा से सम्बन्धित है।

लिपि बद्ध सामग्री के प्रारूप आधारों के अन्तर्गत यहां कागज के अतिरिक्त काष्ठ पट्ट, प्रस्तर लेख, ताम्र लेख, भोज व ताडपत्रीय लेख सामग्री भी संचित है।

महत्वपूर्ण चयनित ग्रंथों के अन्तर्गत यहां, सुरक्षा की दृष्टि से, मोम में डुबे हुए कपड़े में बन्द इलाइची से बने हुए कागज पर लिखित 5–7 संयुक्ताक्षरों से सम्पुटित, संवत 834 का उल्लेखित "कालो यंत्र" आचार्य श्री हेमचन्द सूरी द्वारा रचित "प्राकृत चिन्तामणि नाममाला" श्री हर्ष द्वारा कृत "नैषध' स. 1201 वाली कृति एवं महा कवि भारवि द्वारा रचित "किरातार्जुनीय" संख्या 1397 की प्रति के साथ 15वीं शताब्दी के अनेकों प्राचीन महत्वपूर्ण ग्रंथों का संकलन है।

15 वीं शती के प्रारम्भिक ग्रंथों में "न्याय मकरंद मूल" के साथ "षडावश्यक सूत्रटीका" मध्यकालीन हिन्दी साहित्य का सुन्दर नमूना है। हिन्दी गद्य में संस्कृत-प्राकृत शैली के ग्रंथ भी उल्लेखनीय है। बहुत छोटे अक्षरों में लिखा गया "व्याकरण लघु वृत्या व चूरी" व्याकरण शास्त्र की दृष्टि में अनोखा है। एक पत्र में 200 श्लोक आश्चर्यजनक है।

अप्रकाशित संस्कृत हिन्दी के ग्रंथों में "भवानी गीत" "व्यहवार सार" "सत्य मंगल" "भावना रहस्य", "यामुनाचार्य", "सूक्ति सुधा सिन्धु लहरी टीका", ऐन साहब रसूल शाही कृत "नर चरित्र" मुहणोत जोगी दास कृत "सालव समर' आदि इत्यादि ग्रंथ हैं।

सर्व विदित है कि माणक लिपि सुलेख कला और गणित दशमलव पद्धति का विकास भारत में हुआ। इसके अन्तर्गत आने वाले कतिपय ग्रंथों में कागज को काट कर तैयार की गई पुस्तक, सुनहरे एवं रूपहरी अक्षरों से युक्त ग्रंथ तथा अक्षरों के भीतर अक्षरों से लिखा हुआ, सुलेखन कलापूर्ण ग्रंथ भी आदि दृष्टव्य है।

तान्त्रिक वाङ्मय के "कुलार्णव" "कुल प्रदीप", "श्यामा रहस्य" "कौल-कुलूहल" "रूद्रयामल", "गौरी कांचलिका तन्त्र", ज्योतिष के प्रमुख ग्रंथों में भृगु संहिता, रघुवीर रण विजय, मीन राज आदि ग्रंथों के साथ—रस रसायन में नागार्जुन द्वारा रचित रसेन्द्र मंगल, कक्ष पुटि, रामचन्द्र रचित रसेन्द्रचिन्तामणि रस रत्नाकर, रस मंजरी आदि ग्रंथ-सामग्री यहां है।

ईस वर्गीकृत ग्रंथों के क्रम में :—कर्म काण्ड, ज्योतिष, गरोश, लक्ष्मी, सहस्रनाम, योग, परा अति प्राकृत, खगोल-भूगोल, शकुन, स्वरोदय, साहित्य, रमल, सामुद्रिक, काम, वैदिक, धार्मिक, पौराणिक, तन्त्र, मन्त्र, यन्त्र, जैन-दर्शन छन्द, पिंगल, अस्त्र-शस्त्र, रत्न, पाक शास्त्र, शिल्प, आयुर्वेदिक, रस रसायन, गणित, वनस्पति, व्याकरण, साहित्य इतिहास तथा लंकाधिपति रावण, शंकराचार्य आदि के प्रमुख वर्गीकृत ग्रंथ है ।

श्री राम चरण प्राच्य-विद्यापीठ एवं संग्रहालय प्रन्यास के हस्तलिखित ग्रंथ एवं शोध प्रभाग के सहयोगिक आधार पर, लगभग 60 छात्र-छात्राओं ने पी. एच. डी. एवं उच्च स्तरीय अध्ययन का कार्य सम्पन्न किया है, तथा देश विदेश के लेखकों ने यहां की संदर्भित सामग्री को लेकर अब तक 24 ग्रंथों का प्रकाशन कार्य किया है ।

यहां के संग्रहीत प्राचीन ग्रंथों के सूचीकरण कार्य श्रृंखला की, प्रस्तुत "वाङ्मय चयनिका" प्रथम कड़ी है । दो लघु खण्डों में विभक्त पाण्डुलिपियों की इस नामावली के प्रारम्भ में, उन सभी सम्बन्धित ग्रंथों की अनुक्रमित प्रविष्टियां है जो इस वाङ्मय चयनिका में प्रकाशित हुई है ।

प्रथम खण्ड में 13 वीं शताब्दी के पूर्व से लेकर 17 वीं शताब्दी के अन्त तक के कालांकित प्रमुख ग्रंथ है । तथा द्वितीय खण्ड में विभिन्न विषयों के वर्गीकृत ग्रंथ सूचियां है, जिनमें प्रत्येक वर्ग के 6–6 चयनित ग्रंथों का ग्रंथनाम, विषय भाषा कर्ता, लिपिकाल, पत्र संख्या, माप एवं विशेष ज्ञातव्य को लेकर सांगोपांग विवरण है ।

लगभग 1100 ग्रंथों की प्रकाशित नामावली को लेकर प्रस्तुत वाङ्मय चयनिका शोध-विषय-विवरणिका, काल विभाजनीय दृष्टि, एवं वर्ग विभेदीकरण की दृष्टि से ग्रंथ सूचीकरण की दिशा में एक प्रथम प्रयोग है,

सूचनांक में एक ही पंक्ति में चार सूचक अंक लिखे गये हैं । पहला अंक प्रभाग का क्रमांक बताता है । दूसरा अंक प्रमुख वर्ग संख्या दर्शाता है । तीसरा अंक उप वर्ग संख्या तथा चौथा अंक उक्त उप वर्ग में ग्रंथ का क्रमाक इंगित करता है । हस्तलिखित ग्रंथों का प्रभाग क्रमांक '1' है । प्रमुख वर्ग तथा उप वर्ग संख्या के निश्चित क्रम में:—

1. धार्मिक, पौराणिक एवं वैदिक (1) धार्मिक (i) पौराणिक (ii) वैदिक। 2. दर्शन व वेदान्त (i) दर्शन, (ii) वेदान्त। 3. देवी देवता उपासना। 4. योग व स्वरोदय (i) योग, (ii) स्वरोदय। 5. तन्त्र व पराप्राकृत (i) तन्त्र, (ii) पराप्राकृत 6. काम शास्त्र। 7. साहित्य (i) जैन, साहित्य, (ii) कथा साहित्य, (iii) नाटक, (iv) मुक्तक काव्य, (v) प्रबन्ध काव्य, (vi) संत साहित्य, (vii) छन्द, (viii) अलंकार, (ix) राजस्थानी, (x) प्रकीर्ण। 8. व्याकरण 9. कोष 10. राजनीतिशास्त्र एवं दर्शन 11. इतिहास 12. भूगोल 13. विज्ञान एवं गणित 14. आयुर्वेद एवं रस रसायन (i) आयुर्वेद, (ii) रस रसायन (iii) अन्य चिकित्सा पशु चिकित्सा। 15. पाक शास्त्र। 16. पशु पक्षी। 17. वनस्पति। 18. खनिज एवं जीवाष्म। 19. रत्न। 20. ज्योतिष एवं खगोल (i) ज्योतिष, (ii) रमल, (iii) खगोल, (iv) सामुद्रिक शकुन। 21. संगीत (i) गायन, (ii) राग रागनियां, (iii) वादन,। (iv) नृत्य। 22. चित्र। 23. प्रस्तर शिल्प एवं पक्वमृद। 24. वास्तु शिल्प। 25. धातु शिल्प। 26. काष्ठ शिल्प। 27. वस्त्र कला। 28. कांच व चीनी मिट्टी कला। 29. यात्रा व पर्यटन। 30. कलात्मक ग्रंथ। 31. अस्त्र-शस्त्र। 32. स्फुट (अन्य)।

संग्रहीत हस्तलिखित ग्रन्थों की प्राप्ति एवं प्रस्तुत वाङ्मय चयनिका के प्रकाशन कार्य हेतु; मैं भारत सरकार सहित सभी ज्ञात-अज्ञात, दूरवर्ती–समीपवर्ती, आत्मीय और भूले बिसरे सभी महानुभावों के लिये हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापन करता हूं।

नीलाम्बरा
जयपुर
दिनांक 6-2-86
(रजत जयन्ती वर्ष)

आचार्य राम चरण शर्मा
'व्याकुल'

अनुक्रम :

अध्यात्म-धर्म

गणेशविषयक कतिपय ग्रंथ

गणेश पुराण	I. 1 ii	03
हरिद्रागणेश कवच	I. 3 i	01
एकाक्षर गणपति पद्धति (चित्त चिन्तामणि)	I. 3 i	02
ऋणगणपति स्तोत्र	I. 3 i	03
गणपति स्तवराज	I. 3 i	04
एकाक्षर गणपति पटल	I. 3 i	05
गणेश पुराण उपासना	I. 1 ii	05
उच्छिष्ट गणपति पटल	I. 3 i	22
गणेश सूक्तयः	I 3 i	23
गणपति स्तोत्र	I. 3 i	24
एकाक्षरी गणपति स्तोत्र	I. 3 i	25
एकाक्षर गणपति पटल	I. 3 i	26
पार्थिव गणपति पूजन विधान	I. 3 i	27
गणपति स्तवराज	I. 3 i	28
गणेश स्तोत्र	I. 3 i	29
गणेश महिम्नस्तोत्र आदि	I. 3 i	30

लक्ष्मीविषयक कतिपय ग्रथ

महालक्ष्मी न्यास पद्धति	I. 3 i	06
महालक्ष्मी नित्यार्चन विधि	I. 3 i	07
लक्ष्मी कवच	I. 3 i	08
लक्ष्मी निन्दा स्तोत्र	I. 7 iv	107
सिद्ध लक्ष्मी गणपति स्तोत्रम्	I. 3 i	09
महालक्ष्मी व्रत कथा	I. 3 i	10
लक्ष्मी कवच	I. 3 i	31
महालक्ष्मी पूजन	I. 3 i	32
आद्या महालक्ष्मी हृदय स्तोत्र	I. 3 i	33
लक्ष्मी पंजर स्तोत्र	I. 3 i	34
महालक्ष्मी षोड़शोपचार पूजा	I. 3 i	35
महालक्ष्मी प्रयोग	I. 3 i	36
लक्ष्मी गायत्री	I. 3 i	37
दारिद्र्य विद्रावण स्तोत्र	I. 3 i	38
सिद्ध लक्ष्मी गणपति स्तोत्र	I. 3 i	39
महालक्ष्मी पद्य पुष्पांजलि	I. 3 i	40
लक्ष्मी कुबेर यंत्र	I. 3 i	41
गोप साधना महालक्ष्मी हृदयस्तोत्र	I. 3 i	42
लक्ष्मी सूक्त	I. 3 i	43

सहस्रनाम विषयक कतिपय ग्रंथ

गणपति सहस्रनाम, लक्ष्मी सहस्रनाम	I. 3 i	11
राधा सहस्रनाम	I. 3 i	12
ककारादि काली सहस्रनाम	I. 3 i	13
ललिता सहस्रनाम	I. 3 i	14
पिताम्बर देवता सहस्रनाम	I. 3 i	15
महात्रिपुर सुन्दरी सहस्रनाम	I. 3 i	16
विष्णु सहस्रनाम	I. 3 i	44
जिन सहस्रनाम	I. 3 i	45
गोपाल सहस्रनाम	I. 3 i	46
भवानी शत नाम	I 3 i	47
गायत्री सहस्रनाम	I. 3 i	48
भुवनेश्वरी सहस्रनाम	I. 3 i	49
लक्ष्मी सहस्रनाम	I. 3 i	50
ललिता सहस्रनाम	I. 3 i	51
विद्या सहस्रनाम	I. 3 i	52
भैरव सहस्रनाम	I. 3 i	53
महालक्ष्मी सहस्रनाम	I. 3 i	54
गंगा सहस्रनाम	I. 3 i	55
पीताम्बर सहस्रनाम	I. 3 i	56
राम सहस्रनाम	I. 3 i	57
षोड़शी मंत्र सहस्रनाम	I. 3 i	58
रकारादि राम सहस्रनाम	I. 3 i	59
शिव सहस्रनामावली	I. 3 i	60
पार्वती सहस्रनामावली	I. 3 i	61

भवानी सहस्रनामावली (मंत्रगर्भित)	I. 3 i 62
महात्रिपुर सुन्दरी सहस्रनाम	I. 3 i 63
भवानी सहस्रनाम (रुद्रयामलोक्त)	I. 3 i 64
काली सहस्रनाम	I. 3 i 65
विष्णु सहस्रनाम	I. 3 i 66
राममहिम्न स्तोत्र	I. 3 i 67

वैदिक ग्रंथ

अश्वमेध काण्ड	I. 1 iii 01
शुलू विवरण	I. 1 iii 02
सोत्रामणि उपहार	I. 1 iii 03
कात्यायन सूत्र पद्धति	I. 1 iii 04
वैदिक मंत्रादि संग्रह (श्री मधुसूदनजी कृत)	I. 1 iii 10
वेदांग समीक्षा (वाक् पदिका) ,,	I 1 iii 11
निगम बोध ,,	I. 1 iii 12
ब्रह्मविज्ञान विभाग (शिक्षा) ,,	I. 1 iii 13
निगम बोध (पंचाशिका शिक्षा),,	I. 1 iii 14
निगम बोध (पंच शिक्षा) ,,	I. 1 iii 15
वाजसनेय संहिता	I. 1 iii 05
वाजसनेय संहिता	I. 1 iii 06
ब्राह्म संस्कार पद्धति	I. 1 iii 07
संध्या भाषा	I. 1 iii 08
वृहस्पति तवं	I. 1 iii 09
पार्वण श्राद्ध विधि	I. 1 iii 10

कर्मकाण्ड

पूर्णाभिषेक पद्धति	I. 1 iv 01
कात्यायनी पद्धति	I. 1 iv 02
शूद्राणां पार्वण श्राद्ध	I. 1 iv 03
विवाह पद्धति	I. 1 iv 04
शतचन्डी प्रयोग	I. 1 iv 05
प्राणप्रतिष्ठा विधि	I. 1 iv 06

धार्मिक ग्रंथ

याज्ञवल्क्य स्मृति (मिताक्षरा टीका)	I. 1 i 01
श्री मद्भागवत (एकादश स्कन्ध)	I. 1 ii 01
विष्णुधर्मोत्तर पुराण (तृतीय खंड)	I. 1 ii 02
लक्षपूजा विधि	I. 1 ii 16
रामाष्टकम् (शंकराचार्य कृत)	I. 3 i 72
अध्यात्म रामायण भाषा टीका	I. 1 i 04
अवतार चरित्र (बारहट नरहर दासकृत)	I. 7 v 09
विष्णु धर्मोत्तर पुराण	I. 1 ii 06
आदित्य हृदय स्तोत्र	I. 3 i 08
भगवद् गीता	I. 2 i 08
वायु पुराण	I. 7 ii 07
अग्नि स्तोत्र	I. 3 i 69
गरुड़ पुराण	I. 1 ii 08
भागवत महापुराण	I. 1 ii 09
निर्णय सिन्धु	I. 1 i 05
भगवद् गुण दर्पण	I. 7 iv 106
पद्म पुराण	I. 1 ii 10
भक्तमाल सटीक	I. 7 vi 13
गीता भाष्य	I. 2 i 09
केदार कल्प	I. 5 i 125
राम गीतावली	I. 3 i 70
स्कन्द पुराण (महाभारत)	I. 1 ii 11
नृसिंह पुराण	I' 1 ii 12
सीता राम रामायण	I. 1 vi 14
विष्णु पुराण	I. 1 ii 13
सूर्य पुराण	I. 1 ii 14
लोमश संहिता	I. 1 i 09
मार्कण्डेय पुराण	I. 1 ii 15
विष्णु भक्ति कल्पलता	I. 3 ii 01
आशौच संग्रह	I. 1 i 06
प्रदोष ताण्डव स्तोत्र	I. 3 i 83
आत्म नाम विवेक (शंकराचार्य कृत)	I. 2 ii 07
गायत्री भाष्य ,,	I. 3 i 73
अर्धनारीश्वर स्तोत्र ,,	I. 3 i 74
आनन्द लहरी ,,	I. 3 i 75
महादेव स्तुति ,,	I. 3 i 76

गणेश स्तुति (शंकराचार्य कृत)	I. 3 i	77
निरंजनाष्टकम् ,,	I. 3 i	78
भजगोविन्दं स्तोत्र ,,	I. 3 i	79
शारदा मठ विषयक 2 पत्र	I. 7 x	02
श्री कृष्ण दिव्य स्तोत्र	I. 3 i	80
पंचदशी स्तोत्र	I. 3 i	81
सौन्दर्य लहरी	I. 3 i	82
राधाष्टक	I. 7 iv	65
वंशी-अष्टक	I. 7 iv	66
भक्ति रत्नावली टीका	I. 7 vi	30
श्री राधाजी का हिंडोल	I. 7 iv	68
सत्य प्रकाश ग्रन्थ	I. 2 ii	13
पंच प्रकाश	I. 2 ii	14
भ्रम वैराग्य	I. 2 ii	15
बरसाना महात्म्य	I. 7 vi	33
भावना रहस्य	I. 7 vi	08
शिवस्तुति विलास	I 7 iv	77
विचारमाल	I. 2 ii	16
गीतानुवाद	I. 2 ii	11
सहज प्रकाश	I. 2 ii	17
गोवर्द्धननाथजी के प्राकटय की वार्ता	I. 7 ii	19
कृष्ण रूकमणी विषयक पद्य	I. 7 iv	103

दर्शन

सप्त पदार्थी (न्यायदर्शन)	I. 2 i	01
विवेक त्रयरत्न	I. 2 i	02
अष्टावक्र टीका	I. 2 i	03
व्युत्पत्तिवाद विवेचन	I. 2 i	04
पदार्थतत्व निरूपण	I. 2 i	05
शक्तिवाद विवरण	I. 2 i	06
वेदान्त सार टीका	I. 2 i	07
योगवासिष्ठ	I. 2 i	01
प्रणव अध्यात्म विद्योपदेश विधि	I. 2 ii	03
गरुडोपनिषद्	I. 2 ii	04
अध्यात्म्य बोध टीका	I. 2 ii	05
अष्टादश रहस्य	I. 2 ii	07
अनुभव प्रकाश	I. 2 ii	08
सिद्धान्त बोध	I. 2 ii	09
ब्रह्मतरंग	I. 2 ii	10
विवेक सागर	I. 2 ii	11
सिद्धांत मत सर्ववचन	I. 2 ii	12
पत्रीकरण ग्रन्थ	I. 2 ii	13

जैन साहित्य

चिन्तामणि नाम माला	I. 7 i	01
पिण्ड विशुद्धि प्रकरण	I. 7 i	02
बालावबोध	I. 7 i	03
कुमारपाल चरितम्	I. 7 i	04
षडावश्यक सूत्रवृत्ति	I. 7 i	05
दमयन्ती विवरण विषम पद प्रकाश	I. 7 i	06
भक्ताम्बर लघुवृत्ति	I. 7 i	08
ओघ निर्युक्ति	I. 7 i	09
प्रशमरति प्रकरण सवृत्ति	I. 7 i	10
प्रत्याख्यान भाष्य, वंदनक भाष्य	I. 7 i	11
मणिपति चरित	I. 7 i	12
पंच परमेष्टि नमस्कार स्तवनम	I. 7 i	13
स्थविरावलि	I. 7 i	14
षड्दर्शन सूत्रम्	I. 7 i	15
जिनस्तवी श्राव चूणि	I. 7 i	16
पिपीलिका विचार प्रकरण	I. 7 i	17
प्राचीन जैन पटलम्	I. 7 i	18
सिंदूर प्रकरणम्	I. 7 i	19
पुष्पमाला प्रकरणम्	I. 7 i	20
पाक्षिक क्षामणक	I. 7 i	21
गौतम स्वामी रास	I. 7 i	22
वीतराग स्तोत्र विशंति प्रकाश	I. 7 i	23
आचार सूत्र निर्युक्ति	I. 7 i	24
वर्द्धमान विद्याकल्पंम्	I. 7 i	25
सूर्य प्रज्ञाप्ति सूत्र	I. 7 i	26
दशाश्रुत स्कन्ध (अष्टम अध्याय)	I. 7 i	27
लघुक्षेत्र समास विचार	I. 7 i	28
चौसरण बालावबोध	I. 7 i	29
समवाय सूत्र	I. 7 i	30
ज्ञानार्णव	I. 7 i	31

नव तत्व प्रकरण	I. 7 i	32
नंदी सूत्र	I. 7 i	33
कल्याण मन्दिर स्तोत्र	I. 7 i	34
बृहत् कल्प सूत्र (टवार्थ)	I. 7 i	35
आणंद संधि	I. 7 i	36
कल्याण स्तव	I. 7 i	37
ऋषभ देव धवल बन्ध	I. 7 i	38
आलोचना	I. 7 i	39
संस्कृत कथा	I. 7 i	45
प्राकृत सूत्रार्थ	I. 7 i	46
उपदेश पद्धति	I. 7 i	48
चतुः शरण सूत्र	I. 7 i	49
इन्द्रिय पराजय शतक	I. 7 i	50
अंतगड़ दशांग सूत्र	I. 7 i	51
मदौघ निर्युक्तावचूरि	I. 7 i	52
कालिकाचार्य कथा	I. 7 i	53
न्याय मकरन्द	I. 7 i	54
बहुजीवलयानाम अध्ययनम्	I. 7 i	55
उपदेश माला प्रकरण	I. 7 i	56
शब्द प्रकाश	I. 7 i	57
लघु संग्रहणी सूत्र	I. 7 i	58
शीतल जिनवरेन्द्रस्तुति	I. 7 i	59
पुरन्दर चउपई	I. 7 i	60
अभिधान चिन्तामणि नाममाला	I. 7 i	61
आचार प्रदीप	I. 7 i	62
संबोध सत्तरी	I. 7 i	63
अंतगड सूत्र	I. 7 i	64
दसठाणांगत बोल	I. 7 i	65
उपासक दसांग सूत्र	I. 7 i	66
भक्तामर स्तोत्र	I. 7 i	67
विक्रमादित्यस्य पंच दण्ड (छत्र प्रबन्ध)	I. 7 i	68
आवश्यक सूत्र स्कन्द अध्ययन	I. 7 i	69
संवाद सुन्दर (मृगमद चंदन संवाद)	I. 7 i	70
भावारिवारण सूत्र टीका सहित	I. 7 i	71
अभिधान चिन्तामणि नाममाला	I. 7 i	72
पारधी प्रतिक्रमण सूत्र	I. 7 i	73
मृगावती चरित्र चउपई	I. 7 i	74
उपदेश माला	I. 7 i	75
शीलोपरिदास	I. 7 i	76
विदग्ध मुखमंडन	I. 7 i	77
कल्प सूत्र	I. 7 i	78
संग्रहणी सूत्र बालाववोध	I. 7 i	79
पिण्ड विशुद्धि	I. 7 i	80
मृगावती चरित्र	I 7 i	81
सिन्दूर प्रकर	I. 7 i	82
दश वैकालिक सूत्र	I. 7 i	83
भुवन दीपक	I. 7 i	84
समय सार	I. 7 i	85
नव तत्व प्रकरण	I. 7 i	86
नंदी सूत्र	I. 7 i	87
षट् द्रव्य	I. 7 i	88
तात्कालिक पद्धति	I. 7 i	89
शान्तिनाथ चरित्र	I. 7 i	90
नेमिचरित्र	I. 7 i	91
लोभ बत्तीसी	I. 7 i	92
कल्याण मन्दिर स्तोत्र	I. 7 i	93
सुदर्शन रास	I. 7 i	94
सूक्ति मुक्तावली	I. 7 i	95
षड़ावश्यक सूत्र	I. 7 i	96
दण्डक प्रकरण	I. 7 i	97
गौतम रासो	I. 7 i	98
पद्मावती रास	I. 7 i	99
चैत्य वन्दन	I. 7 i	100
जीवाजीव सज्झाय	I. 7 i	101
सुखानन्द सूत्र	I. 7 i	102
प्रति क्रमण सूत्र	I. 7 i	103
जीव विचार (टवार्थ)	I. 7 i	104
सप्त व्यसन	I. 7 i	105
त्रिलोक सुन्दरी	I 7 i	106
शिखर माहात्म्य	I. 7 i	107

नारचन्द्र ज्यौतिष	I. 7 i	108
उत्तराध्ययन सूत्र	I. 7 i	109
माया स्वाध्याय	I. 7 i	110
मानतुंग मानवती रास	I. 7 i	111
जम्बू दीप पनन्ति	I. 7 i	112

योग

हठ रत्नावली	I. 4 i	01
नादानुसन्धान	I. 4 i	02
पातंजल योगदर्शन (भाष्य)	I. 4 i	03
अ्रष्टांग योग	I. 4 i	04
घेरंड संहिता	I. 4 i	05
छायापुरुष विचार	I. 4 i	06
योगमूल ग्रन्थ	I. 7 iv	32

स्वरोदय संबन्धी कतिपय ग्रंथ

शिवोक्त स्वरोदय	I. 4 ii	07
स्वरोदय शास्त्र	I. 4 ii	08
स्वप्न विचार	I. 4 ii	09
स्वरोदय शास्त्र सटीक अ्रादि	I. 4 ii	10
पवन विजय स्वरोदय शास्त्र	I. 4 ii	01
शिव स्वरोदय	I. 4 ii	02
ज्ञान स्वरोदय	I. 4 ii	03
स्वरोदय शास्त्र	I. 4 ii	04
सिद्ध शावर तंत्रगत (पवनविजय) स्वरोदय	I. 4 ii	05
कबीर साहब का स्वरोदय	I. 4 ii	06

तन्त्र मन्त्र विषयक कतिपय ग्रंथ

काली तंत्र	I. 5 i	01
उड्डीश तंत्र (रावण कृत)	I 5 i	02
वृहत्कालोत्तर महातंत्र	I. 5 i	23
रावण तंत्र	I. 5 i	03
कुल प्रदीप	I. 5 i	04
कुलार्णव	I. 5 i	05
कौल कुतूहल	I. 5 i	06
श्यामा रहस्य	I. 5 i	07
चक्र पूजा विधि	I. 5 i	08
भैरवी चक्र (रात्रि पूजा)	I. 5 i	09
पीयूष लहरी	I. 5 i	126
गौरी कौंचालिका तंत्र (रावण कृत)	I. 5 i	125
रावण यंत्र ,,	I. 5 i	126
एकाक्ष नारिकेल कल्प	I. 5 ii	01
श्वेतार्क, दक्षिणावर्ती शंख कल्प	I. 5 ii	02
बीसा यंत्र के प्रयोग	I. 5 ii	03
रूद्राक्ष कल्प	I. 6 ii	04
श्वेतजवारा (श्वेतांकुर) विधि	I. 5 ii	05
श्वेतार्क विधि	I. 6 ii	06
मंत्र तांत्रिक	I. 5 i	10
घंटा कर्ण कल्प	I. 5 i	11
अ्रगिया बेताल सिद्धि तंत्र	I. 5 i	12
कात्यायनी तंत्र	I. 5 i	13
नवार्ण पद्धति	I. 5 i	14
वटुक भैरव कवच	I. 5 i	15
भुवनेश्वरी स्तोत्र	I. 5 i	16
भैरवाष्टक	I. 5 i	17
समयाधार तंत्रम्	I. 5 i	18
चण्डिका स्तोत्र	I. 5 i	19
महामृत्युञ्जय मंत्र विधि	I. 5 i	20
मुस्लिम यंत्र	I. 5 i	21
साबर मंत्र	I. 5 i	22
बाला त्रिपुरसुन्दरी पटल	I. 5 i	23
मंत्र चिंतामणि	I. 5 i	24
काली कल्प (रूद्रयामले भैरव भैरवी संवाद)	I. 5 i	25
योगिनी हृदय दीपिका पूजा संकेत	I. 5 i	26
सौभाग्य तंत्र	I. 5 i	27
कर्ण पिशाचिनी स्तोत्र	I. 5 i	28
यंत्र चूडामणि	I. 5 i	29
श्वेतार्क कल्प (राजस्थानी मंत्र तंत्र गर्भित)	I. 5 i	30
यक्षिणी चेटक अ्रग्निसंधान प्रयोग	I. 5 i	31
त्रिकुटा रहस्य (पूर्वार्द्ध)	I. 5 i	32

दक्षिण कालिका	I. 5 i	33
पूजा रत्नम्	I. 5 i	34
यक्षिणी उपासना	I. 5 i	35
मंत्र विचार विधि	I. 5 i	36
चक्रेश्वरी व्योम कल्प मंत्र	I. 5 i	37
भुवनेश्वरी ब्रह्म विद्या को यंत्र	I. 5 i	38
वीर रात्र्यादि निर्णय	I. 5 i	39
कुल चूडामणि	I. 5 i	40
भैरवोक्त-महिषमर्दिनी स्तोत्र	I. 5 i	41
सिद्धौषध चेटी साधनादि प्रयोग	I. 5 i	42
दत्तात्रेय तंत्र	I. 5 i	43
राजेश्वरी कवच (कुलार्णवे)	I. 5 i	44
सौभाग्य तंत्र	I. 5 i	45
त्रैपुर महोपनिषद् भाष्य	I. 5 i	46
मत्र मुक्तावलि	I. 5 i	47
इन्द्रजाल	I. 5 i	48
गायत्री कवच (विश्वामित्र कृत)	I. 5 i	49
कल्प चिंतामणि	I. 5 i	50
शत्रु जय कवच	I. 5 i	51
ज्वाला मुखी स्तोत्र	I. 5 i	52
वसंत राज	I. 5 i	53
वैश्वानर विद्या	I. 5 i	54
शूद्र तर्पण विधि	I. 5 i	55
त्रिपुर सुन्दरी ब्रह्मविद्या	I. 5 i	56
उच्छिष्ट गणपति विधानम्	I. 5 i	57
त्रिपु॰ सुन्दरी विधानम्	I. 5 i	58
दक्षिण काली कवच	I. 5 i	59
अखिल मंत्र	I. 5 i	60
त्रिकूटा रहस्य	I. 5 i	61
भुवनेश्वरी महाविद्या कल्पलता	I. 5 i	62
गौरी तंत्र	I. 5 i	63
सुन्दरी स्तोत्र	I 5 i	64
आसुरी कल्प	I. 5 i	65
स्त्री वशीकरण यंत्र	I. 5 i	66
गायत्री स्तोत्र	I. 5 i	67
ललिता पद्धति	I. 5 i	68
योगिनी हृदय दीपिका	I. 5 i	69
तांत्रिक यंत्र	I. 5 i	70
सौभाग्य रत्नाकर	I. 5 i	71
दक्षिण कालिकायाः त्रैलोक्यमोहन	I. 5 i	72
प्रत्यंगिरा कल्प	I. 5 i	73
महिषमर्दिनी स्तोत्र (कुल चुडामणौ)	I. 5 i	74
तांत्रिक पूजा विधि	I. 5 i	75
पताका यंत्र विधि	I. 5 i	76
तंत्र चिकित्सा एवं कामण	I. 5 i	77
लघुजांगली (सर्प उतारण यंत्र)	I. 5 i	78
महाविद्या स्तोत्र	I. 5 i	79
महिष मर्दिनी कवच	I. 5 i	80
शाबर उच्छिष्ट चांडालिनी प्रयोग विधिः	I. 5 i	81
गुह्यातिगुह्य पंचमकार संस्कार क्रम	I. 5 i	82
श्मशान दिग्भैरव विधि	I. 5 i	83
उच्छिष्ट चांडालिनी प्रयोगः	I. 5 i	84
हनुमत्कवचम्	I. 5 i	85
चण्डी विधान	I. 5 i	86
सप्तशती शाप विमोचन	I. 5 i	87
पूतना प्रसारण यत्र	I. 5 i	88
भावनोपनिषद् भाष्य	I. 5 i	89
गौतमीय तंत्र	I. 5 i	90
समयाचार तंत्र (रुद्रयामलोक्त)	I. 5 i	91
ललिता पूजन पद्धति	I. 5 i	92
उत्तराम्नायः	I. 5 i	93
रजस्वला स्तोत्र	I. 5 i	94
श्मशान दिग्भैरवविधि	I. 5 i	95
नित्याकवच (तंत्रराजगत)	I. 5 i	96
भैरव मंत्र	I. 5 i	97
शतचण्डी अनुष्ठानम्	I. 5 i	98
भूत शुद्धिः	I. 5 i	99
शरभेश्वर कवच	I. 5 i	100
भैरवी चक्र पूजन विधि	I. 5 i	101
ललितार्चन चंद्रिका	I. 5 i	102

सन्त साहित्य

विज्ञान

गणित

लीलावती	I. 13 i	01
गणित तत्व चिंतामणी	I. 13 i	02
रेखागणित (फिरंगी मतानुसार)	I. 13 i	03
बीजगणित	I. 13 i	04
लीलावती विवृत्ति (बुद्धि विलासिनी)	I. 13 i	05
बीज गणित	I. 13 i	06

आयुर्वेद विषयक कतिपय ग्रंथ

वैद्य विनोद	I. 14 i	27
वैद्य रत्न	I. 14 i	28
वैद्य संजीवनी	I. 14 i	29
वैद्यक सार	I. 14 i	30
वैद्य जीवन	I. 14 i	31
वैद्य सर्वस्व	I. 14 i	32
वैद्य मनोत्सव	I. 14 i	33
वैद्य मनोरमा	I. 14 i	34
वैद्य वल्लभ	I. 14 i	35
राम विनोद	I. 14 i	36
अष्टांगहृदय संहिता	I. 14 i	37
आतङ्क दर्पण	I. 14 i	38
माधव निदान	I. 14 i	39
योग चिन्तामणि	I. 14 i	40
भिषक चक्रचित्तोत्सव	I. 14 i	41
अजीर्ण मंजरी	I. 14 i	42
शार्ङ्गधर संहिता	I. 14 i	43
भैषज्य रत्नावली	I. 14 i	44
भाव प्रकाश	I. 14 i	45
अमृत सागर	I. 14 i	46
अष्टांग हृदय	I. 14 i	47
वैद्यक सार संग्रह	I. 14 i	48
पथ्यापथ्य निर्णय	I. 14 i	49
नेत्र परीक्षा	I. 14 i	50
हिकमत वैदंगी के नुस्खे	I. 14 i	51
लंघन पथ्य निर्णय	I. 14 i	52
कूट मुद्गर	I. 14 i	53
आनन्दमाला	I. 14 i	54
वात चिकित्सा		
ज्वर चिकित्सा		
सर्वकीट विषचिकित्सा		
व्रण चिकित्सा		
नेत्र चिकित्सा		
घृतचिकित्सा		
योग सुधाधर	I. 14 i	55
अष्ट वर्ग	I. 14 i	56
लुकमान हकीमकी नसीहत	I. 14 i	57
रोग निदान	I. 14 i	58
सन्निपात कलिका	I. 14 i	59
चिकित्सा सार	I. 14 i	60
काल ज्ञान वैद्यक	I. 14 i	61
आतङ्क दर्पण	I. 14 i	62
स्फुट आयुर्वेदिक ग्रंथ	I. 14 i	63
वैद्यक सार	I. 14 i	64
आयुर्वेदिक प्रकाश	I. 14 i	65
वैद्यक निदान	I. 14 i	66
भैषज्य चिन्तातरु	I. 14 i	67
योग चिन्तामणि	I. 14 i	68
आयुर्वेदिक निदान ग्रंथ	I. 14 i	69
अनुपान मंजरी	I. 14 i	70
वैद्यक चन्द्रोदय	I. 14 i	71
अष्टादश कुष्ठ लक्षण	I. 14 i	72
लुकमान कृत सवासौ सीख	I. 14 i	73
योग शत (टबार्थ)	I 14 i	74
प्रताप सागर	I. 14 i	75
रुग्विनिश्चय	I. 14 i	76
काल चक्र	I. 14 i	77

बवासीर चिकित्सा विधि	I. 14 i 78
राम विनोद	I. 14 i 79
वैद्य कुतूहल सार	I. 14 i 80
शार्ङ्गधर संहिता	I. 14 i 81
भैषज्य रत्नावली	I. 14 i 82
चिकित्सामृत	I. 14 i 83
मागराजी पद्धति (मगराज कृता)	I. 14 i 84
शब्द रत्न प्रदीप (कल्याण दास कृत)	I. 14 i 85

रस–रसायन

आयुर्वेद महोदधि (सुषेण कृत)	I. 14 i 01
भिषक् चक्र चित्तोत्सव	I. 14 i 02
गोविन्द दासोत्सव	I. 14 i 03
चिकित्सा सागर	I. 14 i 04
वीरसिंहावलोक	I. 14 i 05
सज्जन रंजना	I. 14 i 06
नयन दीपक	I. 14 i 07
अर्क प्रकाश	I. 14 ii 01
रसेन्द्र मंगलम्	I. 14 ii 02
रस रत्नाकर	I. 14 ii 03
(रस) चिकित्सार्णव	I. 14 ii 04
रस मंजरी	I. 14 ii 05
कक्ष पुटी	I. 14 ii 06
रसेन्द्र चिन्तामणि	I. 14 ii 07
शिव कोष	I. 14 i 08
वैद्य चिन्तामणि	I. 14 i 09
फुटकर औषध गुटका	I. 14 i 10
इन्द्र कौतुक	I. 05 i 121
पारद सिद्धि विधान	I. 14 ii 08
धातु रस ग्रंथ (लघु) रसायन	I. 14 ii 09
भेदक रसायन	I. 14 ii 10
खादक रसायन	I. 14 ii 11
रस विधि	I. 14 ii 12
योगतरंगिणी	I. 14 ii 13
इन्द्रजाल	I. 05 ii 22

कपड मिट्टी विधि	I. 14 ii 13
स्वर्ण भस्म विधि	I. 14 ii 14
नुस्खा वैदगी का	I. 14 ii 12
शार्ङ्गधर नेत्रचिकित्सा	I. 14 ii 15
रस मंजरी	I. 14 ii 16
प्रताप लंकेश रस निर्माण विधि	I. 14 ii 17
मखजन उल हिकमत	I. 14 i 13
घोडा चोली	I. 14 ii 19
अद्भुत बिलास	I. 14 ii 14
धातु परिशोधन	I. 14 ii 19
रस संग्रह	I. 14 ii 20
मानसोल्लास (सुरेश्वराचार्य)	I. 14 i 15
रस धातु विषयक ग्रंथ	I. 14 i 16
कंकालाध्याय वार्त्तिक	I. 14 i 17
नागार्जुन औषध	I. 14 ii 21
गंधक तेल निर्माण विधि	I. 14 ii 22
जोगी का गुटका	I. 14 i 18
स्वर्ण निर्माण विधि	I. 14 ii 23
स्फुट वैद्यक ग्रंथ	I. 14 i 19
रसेन्द्र चिन्तामणि	I. 14 ii 24
रस शोधन चिकित्सा	I. 14 ii 25
स्वर्ण रजत निर्माण विधि	I 14 ii 26
पारद विधि	I. 14 ii 27
पारद संहिता	I. 14 ii 28
स्याल्या सींगी एवं स्वर्णशोधन	I. 14 ii 29
स्वर्ण निर्माण विधि के दस पत्र	I. 14 ii 30
यति के प्रयोग	I. 14 ii 31
क्वाथ प्रयोग	I. 14 i 02
कल्क विधि	I. 14 i 21
काल ज्ञान वैद्यक	I 14 i 22
पारा बंधन विधि	I. 14 ii 32
कंचन धात प्रयोग	I. 14 ii 33
बाल विवेकिनी	I. 41 iii 03
अचूक तंत्रौषध	I. 14 i 23
योग चिन्तामणि	I. 14 i 24
वैद्यक सार संग्रह	I. 14 i 25

आयुर्वेदिक सार संग्रह गुटका	I. 14 i 26
स्फुट स्वर्ण निर्माण प्रयोगादि	I, 14 ii 34
वैद्यक सार हितोपदेश	I. 14 iii 01
कुमार तन्त्रम्	I. 14 iii 02

वनस्पति (उद्यान) विज्ञान

दोलनी बाग-विलास	I. 17 i 01
उपवन विनोद	I. 17 i 02
वृक्षावली	I. 17 i 03
रुद्राक्ष त्रिपुण्ड विल्वमाला	I. 17 i 04
प्रसिद्ध वानस्पतिक पटल	I. 17 i 05
कृषि चन्द्रिका	I. 17 i 06

पशु-पक्षी विज्ञान

अश्व चिकित्सा	I. 16 i 01
हय दर्पण	I. 16 i 02
अश्व वर्णन	I. 16 i 03
घोड़ा री शालिहोत्र	I 16 i 04
शल्य तंत्र (पशुपक्षी चिकित्सा)	I. 16 i 05
राज चिकित्सा	I. 16 i 06

रत्नविषयक कतिपय ग्रंथ

रत्न संहिता	I. 19 i 01
रत्न माला	I. 19 i 02
रत्न सागर	I. 19 i 03
रत्न परीक्षा	I. 19 i 04
रतन बोध	I. 19 i 05
रत्न परीक्षा-जातकालंकार (कायस्थ वंशोद्भव माधव कृत)	I. 19 i 06
रत्नसागर	I. 19 i 07
धातु रत्न माला	I. 19 i 08
पोथी जवाहर बनाने की	I. 19 i 09
रत्न परीक्षा	I. 19 i 10
रत्न रत्नाकार	I. 19 i 11
रत्न संहिता	I. 19 i 12

ज्योतिष

ज्योतिष रत्न माला	I. 20 i 01
वृहत् भृगु संहिता	I. 20 i 02
रणवीर ज्योतिर्महानिबन्ध	I. 20 i 03
जातक सार	I. 20 i 04
मोनराज	I. 20 i 05
नारचन्द्र टिप्पण	I. 20 i 06
ब्रह्मतुल्य करण (करण कुतूहल)	I. 20 i 07
कर्ण कुतूहल	I. 20 i 08
मुहूर्त्त गणपति सार	I. 20 i 09
सिंहासन योग	I. 20 i 10
दत्तक विधान	I. 20 i 11
खेट लाघव	I. 20 i 12
ताजिक	I. 20 i 13
भड्डली पुराण (राजस्थानी)	I 20 i 14
काल निर्णयः	I. 20 i 15
शीघ्रबोध	I. 20 i 16
ज्योतिष रत्नमाला	I. 20 i 17
भुवन दीपक	I. 20 i 18
जैमिनी सूत्र	I. 20 i 19
चन्द्र ग्रहणाधिकार	I. 20 i 20
सप्तग्रह	I. 20 i 21
अष्ट मंगल विवरणिका	I. 20 i 22
विवाह पटल	I. 20 i 23
अमूल जोग	I. 20 i 24
संक्षेप मुहूर्त्त सिद्धि	I. 20 i 25
विवाह वृन्दावन	I. 20 i 26
बृहज्जातक	I. 20 i 27
संवत्सार (चारण साँईदासकृत)	I. 20 i 28
लोकमनोरमा (गर्गकृत)	I. 20 i 29
नष्ट जातकीय फलम्	I. 20 i 30
लघुजातक (वराह मिहिर कृत)	I. 20 i 31
विदग्ध मुखमंडन	I. 20 i 32
उत्पात लक्षण	I. 20 i 33
त्रिविका शतक	I. 20 i 34
मुहूर्त्त चिंतामणि	I. 20 i 35

योगार्णव	I. 20 i 36
कालचक्र जातक	I. 20 i 37
ताजिक भूषण	I. 20 i 38
बृहत्पाराशरी	I. 20 i 39
इष्टशोधन (नित्यानन्द कृत)	I. 20 i 40
मुग्ध दशा	I. 20 i 41
गौरीजातक	I. 20 i 42
खेटलाघव	I. 20 i 43
नारचन्द्र ज्यौतिष	I. 20 i 44
जातकाभरण	I. 20 i 45
सर्वचिन्तामणि पद्धत्युदाहरणम् (विश्वनाथ दैवज्ञ कृत)	I. 20 i 46

रमल शास्त्र

रमल रहस्यम्	I. 20 ii 01
ज्योतिष रमल शास्त्र प्रश्नतंत्रम्	I. 20 ii 02
रमलेन्दु प्रकाश	I. 20 ii 03
रमल चिन्तामणि	I. 20 ii 04
पासा केवली	I. 20 ii 05
रमल नवरत्न	I. 20 ii 06
नुक्ता चलाने की विधि	I. 20 ii 07
रमल प्रश्न (रायमल्ल रचित)	I. 20 ii 08
पासा केवली	I. 20 ii 09
रमल सार	I. 20 ii 10
रमल भाषा	I. 20 ii 11
रमल (हिंदी उर्दू भाषा)	I. 20 ii 12
रमल शास्त्र	I. 20 ii 13
रमल भास्कर	I. 20 ii 14
रमल विषयक अन्य प्रश्न	I. 20 ii 15
रमल विचार	I. 20 ii 16
ज्यौतिष रमल शास्त्र	I. 20 ii 17
रमल तंत्र	I. 20 ii 18
विचित्र रमल (सयंत्र)	I. 20 ii 19
रमल विचार आदि	I. 20 ii 20

सामुद्रिक शास्त्र

हस्तसंजीवनी सामुद्रिक	I. 20 iv 01
सामुद्रिक शास्त्र	I. 20 iv 02
सामुद्रिक हस्तलक्षण	I. 20 iv 03
सामुद्रिक महाशास्त्र	I. 20 iv 04
सामुद्रिक शास्त्र (नारद कृत)	I. 20 iv 05
सामुद्रिक शास्त्र (षोडश लक्षण)	I. 20 iv 06
सामुद्रिक शास्त्र	I. 20 iv 07
हस्तसंजीवनी शास्त्र	I. 20 iv 08
सामुद्रिक ग्रन्थ	I. 20 iv 09
स्वप्न विचार	I. 20 iv 10
सामुद्रिक ज्ञान आदि	I. 20 iv 11

शकुन शास्त्र

वसन्त राज शाकुन	I. 20 v 01
शकुनावली	I. 20 v 02
शकुन रत्नावली सटीक	I. 20 v 03
पंच पक्षी शकुन (स्वर बोध)	I. 20 v 04
प्रश्नोत्तरी	I. 20 v 05
पक्षी चेतावनी	I. 20 v 06
प्रश्नोत्तरी	I. 20 v 07
वसन्तराज शाकुन	I. 20 v 08
प्रश्न विद्या	I. 20 v 09
प्रश्न ज्ञान विधि	I. 20 v 10
शकुनोद्धार टीका (माणिक्य सूरी कृत)	I. 20 v 11
गार्गी शकुनावली	I. 20 v 12
सुगनौती	I. 20 v 13
हमल सुगनावली	I. 20 v 14
शकुनावली (मलूक राज कृत)	I. 20 v 15
प्रश्नोत्तर मणिमाला	I. 20 v 16
पक्षी शकुनावली	I. 20 v 17
पक्षी चेताउणी	I. 20 v 18
पक्षी अंग विचार	I. 20 v 19
पंचपक्षी शास्त्र	I. 20 v 20
जानवरों की शकुनावली	I. 20 v 21

कामशास्त्र

मन्मथ संहिता	I. 6 i 01
मदन विनोद (जान कवि कृत)	I. 6 i 02
कोक शास्त्र (जैन मुनि 'नरवद' कृत)	I. 6 i 03
अनंग रंग (भाषा टीका सहित)	I. 6 i 04
कोक कलाधर (भाषा वचनिका)	I. 6 i 05
कोक सार मंजरी	I. 6 i 06
कोक मंजरी	I. 6 i 07
काम सूत्र	I. 6 i 07
काम रत्न	I. 6 i 09
कोक भेद	I. 6 i 10
कोक कलाधर	I. 6 i 11
काम तंत्र	I. 6 i 12
काम विवेचन	I. 6 i 13
चौरासी आसन भेद (भाषा)	I. 6 i 14
भैरव सेन कालीन कोक शास्त्र	I. 6 i 15
कामरत्न तंत्र	I. 6 i 16
कामरत्न (श्रीनाथ भट्ट कृत)	I. 6 i 71
मन्मथ संहिता	I. 6 i 18
अनंग रंग (कल्याण मल्ल कृत)	I. 6 i 19
दूती कर्म प्रकरणम्	I. 6 i 20
भग संकोचन विधि	I. 6 i 21
शृंगार विनोद	I. 6 i 22
आसन भेद	I. 6 i 23
कामपाक्षिक पटल युक्त औषधियाँ	I. 6 i 24
कामस्य पंच बाण बीजानि	I. 6 i 25
कोक शास्त्र (राजस्थानी गद्य)	I. 6 i 26
कोक शास्त्र (राजस्थानी पद्यात्मक)	I. 6 i 27
कोक शास्त्र (जुगल सुजान कृत)	I. 6 i 28
कोक बोध	I. 6 i 29
कामकेलि-अनेकानेक कोक शास्त्र	I. 6 i 30
अनंग रंग (भाषा टीका युक्त)	I. 6 i 31
स्त्री पुरुष अंग सामुद्रिक	I. 6 i 32
राड़ रासौ	I. 6 ii 01
छिनाल पच्चीसी	I. 6 ii 02
गाली बाजी (फागुन मास में गाये जाने वाले लोकगीत)	I. 6 ii 03
ख्याल-रस कमला रानी	
कुँवर रसाल	I. 6 ii 04
सुरति रसावन्त	I. 6 ii 05
भाभी का दोहा	I. 6 ii 06
डम डूमडी री वार्ता आदि	I. 6 ii 07

भूगोल–खगोल

गोल दर्पण (भूगोल-खगोल विरोध परिहार)	I. 12 i 01
भूगोल सारण	I. 12 i 02
भूगोल पुराण	I. 12 i 03
ध्रुवान्वेषण	I. 12 i 04
अमेरिकियों द्वारा ध्रुव द्वीपादि की खोज	I. 12 i 05
भूगोल-खगोल परिचय	I. 12 i 06



शिल्प-शास्त्र

वास्तु शास्त्र

प्रासाद मंडन	I. 24 i	01
वास्तु प्रकरण	I. 24 i	02
कुण्ड विधि	I. 24 i	03
नग्दोष वास्तु (भूमि शोधन)	I. 24 i	04
राज बल्लभ (सटीक)	I. 24 i	05
वास्तु शास्त्र	I. 24 i	06
वास्तु शास्त्र (सूत्र धार राजसिंह कृत)	I. 24 i	07
राज वल्लभ	I. 24 i	08
वास्तु प्रकाश	I. 24 i	09
विश्वकर्मा प्रकाश	I. 24 i	10
प्रासाद मंडन	I. 24 i	11
शिल्प शास्त्र	I. 24 i	12
प्रतिष्ठा महोत्सव वास्तु की रीति	I. 24 i	13
स्थापन कल्प	I. 24 i	14
वास्तु शास्त्र (शेषनाग रचित)	I. 24 i	15
वास्तु शांति	I. 24 i	16
घर बनावण री विधि	I. 24 i	17
जलाशयोत्सर्ग	I. 24 i	18
कीत्तिस्तम्भ रोपण की विधि	I. 24 i	19
मंडप भूमि परीक्षा	I. 24 i	20
वास्तु सार	I. 24 i	21
कुंड विधि (मल्ल शिल्पी कृत)	I. 24 i	22

अस्त्र-शस्त्र

कोदण्ड मण्डन	I. 31 i	01
धनुर्धारण विधि	I. 31 i	02
ब्रह्मास्त्र विद्या (कल्प)	I. 31 i	03
श्यैनिक शास्त्र	I. 31 i	04
शब्द वेधी बाण	I. 31 i	05
अस्त्र विधि	I. 31 i	06
परब्रह्मास्त्र विद्या	I. 31 i	07
खड्‌ग सिद्धि	I. 31 i	08
युद्ध विधि	I. 31 i	09
प्रमुख अस्त्र विधि	I. 31 i	10
बगलामुखी ब्रह्मास्त्र	I. 31 i	11
सुदर्शन चक्र कवच	I. 31 i	12
गुरू कवच	I. 31 i	13

पाक शास्त्र

भोजन विधि (गृहस्थ रत्नाकरान्तर्गत)	I. 15 i	01
रसोई विधि (पातशाही)	I. 15 i	02
स्थाली पाक	I. 15 i	03
रसोई की विधि	I. 15 i	04
पाकावली	I. 15 i	05
भोजन विधि	I. 15 i	06
पाक विधि	I. 15 i	07
पाक शास्त्र	I. 15 i	08
रसोई की विधि	I. 15 i	09
पाकावलि	I. 15 i	10

ललित-साहित्य

संस्कृत साहित्य के कतिपय अप्रकाशित ग्रंथ

पाखण्ड दलन (वीरभद्रकृत)	I. 7 i	
शिव ताण्डव टीका	I. 7 i	
विश्वगुणादर्श	I. 7 iv	

प्रबन्ध काव्य

नैषध	I. 7 v	01
किरतार्जुनीयम्	I. 7 v	02
राघव पांडवीय महाकाव्य	I. 7 v	03
वाल्मीकि रामायण (उत्तरकाण्ड)	I. 7 v	04
रघुवंश महाकाव्य (सिद्धान्त विलास व्याख्या)	I. 7 v	10
कुमार संभव	I. 7 v	12
रावणवध महाकाव्य	I. 7 v	11

मुक्तक काव्य

वैराग्य शतक	I. 7 iv	01
विदग्ध मुख मंडन	I. 7 iv	02
हरिलीला	I. 7 iv	03
इन्द्रिय पराजय शतक	I. 7 iv	04
ढोला मारू चौपई	I. 7 iv	05
संव प्रद्युम्न चउपई	I. 7 iv	06
श्रृंगार रस मंडल	I. 7 iv	12
भामिनी विलास	I. 7 iv	13
कृष्ण कर्णामृत	I. 7 iv	14
रावणवध महाकाव्य	I. 7 iv	06
गीत गोविन्द सटीक	I. 7 iv	15
पद्यावली	I. 7 iv	16
हरिलोचन चन्द्रिका	I. 7 iv	29
चौर पंचाशिका	I. 7 iv	30
घट खर्पर काव्य	I. 7 iv	31
भामिनी विलास	I. 7 iv	32
ऋतु परिचर्चा	I. 7 iv	33
मेघदूत	I. 7 iv	34
प्रबोध मंजरी	I. 7 iv	35
विहार विलास मंजरी	I. 7 iv	36
भोज प्रबन्ध	I. 7 iv	37
नृसिंह चम्पू काव्य	I. 7 iv	38
नखशिख वर्णन	I. 7 iv	39
श्रृंगार मालिका	I. 7 iv	40
सूक्ति सुधा सिंधु लहरी (यामुनाचार्य)	I. 7 iv	41
उषा चरित्र	I. 7 iv	42
आनन्द विलास	I. 7 iv	43
महावाणी उत्साह सुख	I 7 iv	44
महावाणी सिद्धात सुख	I. 7 iv	45
आदिवाणी जुगल संत	I. 7 iv	46
वीर विलास	I. 7 iv	47
सुराभेद (हिन्दी पद)	I. 7 iv	48
शिक्षा सार	I. 7 iv	49
गजनाम दोहा	I. 7 iv	50
द्रोपदी चीर हरण	I. 7 iv	51
रसिक गोविन्द दास की पदावली	I. 7 iv	52
बाहु विलास	I. 7 iv	53
रस शिरामणि	I. 7 iv	54
दोहा सार संग्रह	I. 7 iv	55
कृष्ण विषयक कवित्त संग्रह	I. 7 iv	56
विद्या विलास	I. 7 iv	57
प्रमोद लहरी	I. 7 iv	58
मयूख माला	I. 7 iv	59
राधा षोडश श्रृंगार वर्णन	I. 7 iv	60
श्रृंगार सागर	I. 7 iv	61
भाषा भूषण	I. 7 iv	62
विदग्ध माधव	I. 7 iv	63
जगद् विनोद	I. 7 iv	64
व्रज विनोद	I. 7 iv	67
फुटकर कवित्त	I. 7 iv	69

फाग विनोद	I. 7 iv 70
सुख विनोद	I. 7 iv 71
प्रेम विनोद	I. 7 iv 72
सुमन प्रकाश	I. 7 iv 73
प्रेम रत्नाकर	I. 7 iv 74
आनन्द विलास	I. 7 iv 75
उषाहरण	I. 7 iv 76
सत्य मंगल	I. 7 iv 17
व्यवहार सार	I. 7 iv 18
सालव समर	I. 7 iv 19
नर चरित्र	I. 7 iv 20
रसराज	I. 7 iv 22
भाषा भूषण	I. 7 iv 78
राजस्थानो स्फुट संग्रह	I. 7 ix 08
कामण	I. 7 ix 10
राधिका जी की उपमा	I. 7 iv 79
भ्रमर गीत	I. 7 vi 35
ज्ञान मंजरी भाषा	I. 7 iv 80
रस राज (मतिराम कृत)	I. 7 iv 81
बाल विनोद (जीवन दास कृत)	I. 7 iv 82
नाम मंजरी	I. 7 iv 83
अश्वमेघ प्रबंध (केवल दास कृत)	I. 7 iv 84
विरह मजरी	I. 7 ii 85
भावपंचाशिका	I. 7 iv 86
रास पंचाध्यायी	I. 7 iv 87
भ्रमर गीत	I. 7 iv 89
कवि प्रिया	I. 7 iv 90
रसिक प्रिया	I. 7 iv 91
रामचंद्रिका	I. 7 iv 92
हरिरस (बारहठ ईसरदास)	I. 7 iv 93
वेणुगीत	I. 7 iv 94
गोविन्द गीत	I. 7 iv 95
दान लीला	I. 7 iv 96
उषाहरण	I. 7 iv 97
रस हीरावलि	I. 7 iv 98
युगलध्यान	I. 7 iv 99
वृन्दावन सत	I. 7 iv 100
बीबी बांदी का झगड़ा	I. 7 ix 07
बृज विहार	I. 7 iv 101
अन्त्याक्षरी कल्पद्रुम	I. 7 ix 10
गीतानुवाद	I. 7 i 11
पीयूष प्रवाह	I. 7 iv 102

कथा साहित्य

शुक सत्तरी	I. 7 ii 01
नलदमयन्त्याख्यानम्	I. 7 ii 02
राजदुहिताख्यानम्	I. 7 ii 03
श्री रणसिंह कथा	I. 7 ii 04
काव्य प्रकाशस्य प्राकृतगाथा विवरणम्	I. 7 ii 05
कालकाचार्य कथा	I. 7 ii 08
वेताल पंचविंश कथा	I. 7 ii 09
हितोपदेश	I. 7 ii 10
चन्द्रायन चरित्र	I. 7 ii 11
किस्सा राजकुमार बेनजीर का	I. 7 ii 12
वेताल पचीसी	I. 7 ii 13
किशोरी बाई की वार्ता	I. 7 ii 15
भवानी जू की उत्तमचरित्र कथा	I. 7 ii 16
मोहमरद राजा की कथा	I. 7 ii 17
जुजमल राजारी कथा	I. 7 ii 18
चत्र मुकट की बात	I. 7 ii 20
सावलिगारी वार्ता	I. 7 ii 21
पुन्ना री वार्ता	I. 7 ii 22
पूगल देशरी पद्मणी री वार्ता	I. 7 ii 23
रिसालू री बात	I. 7 ii 24
चन्द्रायण री बात	I. 7 ii 25
अभैसिंह जी रा कवित्त	I. 7 ix 09
नल राजा री बात	I. 7 ii 26
नौ शेरवां बादशाह री बात	I. 7 ii 27
जगदेव पँवार री बात	I. 7 ii 28
पाँच सहेल्याँ री बात	I. 7 ii 29
रिसालू जी री वार्ता	I. 7 ii 30

चन्द्र कंवर री बात	I. 7 ii 31
भल्यारी वार्ता	I. 7 ii 32
अंजना री वार्ता	I. 7 ii 33
चौरासी बोल	I. 7 ix 11
छत्तीस बाजै री तान	I. 7 ix 12
डोकरी की कथा	I. 7 ii 34
काजी की लावणी	I. 7 ix 13
पन्ना वीरमदेरी वार्ता	I. 7 ix 01
सूरज प्रकाश	I. 7 ix 02
जगदेव पंवार री वार्ता	I. 7 ix 03
ढोला मरवण	I. 7 ix 04
भरथरी विलास	I. 7 ix 05
चंद कंवर री बात : काकाबत्तीसी	I. 7 ix 06

नाटक

हनुमान नाटक	I. 7 iii 01
आनन्द वृन्दावन चम्पू	I. 7 iii 03
मिथ्या ज्ञान खण्ड नाटक	I. 7 iii 04
माधवानल नाटक	I. 7 iii 05
कर्णामृत नाटक	I. 7 iii 06
अभिज्ञान शाकुन्तलम्	I. 7 iii 07
रामविजय नाटकम्	I. 7 iii 08
सभासार नाटक	I. 7 iii 09

छन्द शास्त्र

वृत्त रत्नाकर (तृतीय अध्याय)	I. 7 vii 01
छन्दोलक्षण	I. 7 vii 02
प्राकृत छन्द प्रकाश	I. 7 vii 03
छन्द निधि पिंगल	I. 7 vii 04
वाणी भूषणे वर्ण वृत्त	I. 7 vii 05
वृत्त रत्नावली	I. 7 vii 06
छन्द परिचय	I. 7 vii 07
छन्द रत्नावली	I. 7 vii 08
गुण प्रकार पिंगल प्रकार	I. 7 vii 09
वृत्त रत्नावली	I. 7 vii 10
वत्त रत्नाकर	I. 7 vii 11
पिंगल प्रकार	I. 7 vii 12
छन्द मंजरी	I. 7 vii 14

रस-अलंकार

वाग्भटालंकार (टीका सहीत)	I. 7 viii 01
अलंकार चन्द्रिका	I. 7 viii 02
रस तरंगिणी	I. 7 viii 03
रस मंजरी	I. 7 viii 04
काव्यादर्श	I. 7 viii 05
गुण प्रकार	I. 7 viii 06
उत्तम व्यंग काव्यप्रकाश	I. 7 viii 07
अलंकार परिचय	I. 7 viii 08

व्याकरण विषयक कतिपय ग्रंथ

व्याकरण लघु वृत्यवचूरि	I. 8 i 01
स्वोपज्ञ लिंगानुशासन सविवरणम्	I. 8 i 02
प्रकिया कौमुदी	I. 8 i 03
शब्द कौस्तुभ	I. 8 i 04
सारस्वत चन्द्रिका	I. 8 i 05
शब्देन्दुशेखर	I. 8 i 06
तत्व बोधिनी	I. 8 i 07
सिद्धान्त कौमुदो	I. 8 i 08
सारस्वत प्रकिया	I. 8 i 09
परिभाषेन्दु शेखर	I. 8 i 10
पंच सन्धि	I. 8 i 11
समास वाद	I. 8 i 12
धातु रूपावलि	I. 8 i 13
नाम संज्ञा	I. 8 i 14
धात्वर्थ प्रयोगिका	I. 8 i 15
सिद्धांत चन्द्रिका	I. 8 i 16
कारिका	I. 8 i 17
तद्धित प्रक्रिया	I. 8 i 18
उणादि सूत्र	I. 8 i 19
वेदांग समीक्षा (व्याकरण विनोद) (श्री मधुसूदन जी कृत)	I. 8 i 20
वृत्ति व्याकरण "	I. 8 i 21
तद्धित प्रकरणम् "	I. 8 i 22

कोष

ग्रमर कोष	I. 9 i 01
शारदा नाममाला कोष	I. 9 i 02
नानार्थेश्वर माला कोष	I. 9 i 03
नाममाला विधि	I. 9 i 04
ग्रनेकार्थ मंजरी	I. 9 i 05
बीज कोष	I. 9 i 06

इतिहास

पृथ्वी राज रासो	I. 11 i 01
हमीर रासो	I. 11 i 02
युधिष्ठिर युग से मुगल पर्यन्त राजा	I. 11 i 03
वीर बाण	I. 11 i 04
जयपुर का इतिहास	I. 11 i 05
राजसिंह वृत्त मयूख माला	I. 11 i 06
भरतपुर राज्य के कवियों का इतिहास	I. 11 i 07
भरतपुर राज्य का प्रामाणिक इतिहास	I. 11 i 08
फुटकर कवित्त (जयपुराधीश प्रतापसिंह प्रशस्ति)	I. 7 iv 38

●

ललितकला

संगीत

संगीत माधव	I. 21 ii 01
रागमाला	I. 21 ii 02
राग रत्नाकर	I. 21 ii 03
राग मालिका	I. 21 ii 04
राग प्रकरण	I. 21 ii 05
राग प्रकाश	I. 21 ii 06

विभिन्न चित्रित व लिपिचित्रात्मक ग्रंथ

नरपतिजय चर्या	I. 20 i 08
लग्न चन्द्रिका	I. 20 i 09
जयवंश महाकाव्य (रामाभिधा)	I. 7 v 07
मधुमालती	I. 7 iv 29
वैशाली वर्णन (उडिया)	I. 7 iv 30
गुटका	I. 5 i 126
विष्णु सहस्रनाम	I. 3 i 17
शिव महिम्न स्तोत्र	I. 3 i 18
श्रावकनी करणी	I. 7 i 115
शिव सहस्रनाम	I. 3 i 19
शालिग्राम सुधासार	I. 3 i 20
शावर मंत्र	I. 5 i 125
जयसिंह कल्पद्रुम	I. 7 i 08
त्रिलोक सार	I. 7 i 113
संग्रहणी सूत्र	I. 7 i 114
शीघ्रबोध	I. 20 i 47
श्रीमद् भगवद् गीता पंचरत्न	I. 2 i 12
गीता महात्म्य	I. 2 i 13
कवित्त बंध	I. 7 iv 107
शालिहोत्र	I. 16 i 07
गजहोत्री	I. 16 i 08
कामरत्न	I. 6 i 33
यंत्र चिन्तामणि	I. 5 i 123
हितोपदेश	I. 7 ii 35
सुदान चौबीसी	I. 7 iv 104
श्री देवता ग्रादि	I. 5 i 124

विभिन्न ग्रालंकारिक वर्णन शैली के ग्रंथ

राम सवारी	I. 7 iv 25
मथुरा वर्णन	I. 7 iv 25
मोहिनी परिचय	I. 7 iv 26
राधाविनोद काव्यम्	I. 7 iv 27
मृगांक शतकम्	I. 7 iv 28
सांकेतिक बात	I. 7 x 01

●

प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थ

15 वीं शती से पूर्व के कतिपय ग्रन्थ

काली तंत्र	I. 5 i	01
चिन्तामणिनाममाला	I. 6 i	01
पिण्डविशुद्धि प्रकरण	I. 7 i	01
वृत्त रत्नाकर (तृतीय अध्याय)	I. 7 vii	01
नैषध	I. 0 v	01
कुमारपाल चरितम्	I. 7 i	03
बालावबोध	I. 7 i	03
किरातार्जुनीयम्	I. 7 v	02

15 वीं शती के कतिपय ग्रन्थ

षडावश्यक सूत्रवृत्ति	I. 7 i	05
दमयन्ती विवरण विषम पद प्रकाश	I. 7 i	06
व्याकरण लघुवृत्यवचूरी	I. 8 i	01
याज्ञवल्क्य स्मृति (मितक्षारा टीका)	I. 1 i	01
भक्ताम्वर लघुवृत्ति पार्श्वनाथ नमस्कार		
वृत्ति, नवांगी वृत्ति	I. 7 i	08
ओघ निर्युक्ति	I. 7 i	09
प्रशमरति प्रकरण सवृत्ति	I. 7 i	10
प्रत्याख्यान भाष्य, वंदनकभाष्य	I. 7 i	11
वृहत्कालोत्तर महातंत्र	I. 5 i	02(A)
मणिपति चरित्र	I. 7 ii	01
शुक सत्तरि	I. 7 ii	01
सप्त पदार्थी	I. 2 i	01
संस्कृत कथा	I. 7 i	45
प्राकृत सूत्रार्थ	I. 7 i	46
कुमुद चन्द्र नाटक	I. 7 iii	02
उपदेश पद्धति	I. 7 i	48
चतुः शरण सूत्र	I. 7 i	49
इन्द्रिय पराजय शतक	I. 7 i	50
अंतगड दशांग सूत्र	I. 7 i	51
मदौघनिर्युक्तावचूरी	I. 7 i	52
कालिकाचार्य कथा	I. 7 i	53
न्याय मकरंद	I. 7 i	54
बहुजीवलयानाम अध्ययनम्	I. 7 i	55
उपदेशमाला प्रकरण	I. 7 i	56
शब्द प्रकाश	I. 7 i	57

16 वीं शती के कतिपय प्रमुख ग्रन्थ

पंचपरमेष्टि नमस्कार स्तवनम् (समंत्र)	I. 7 i	13
स्थविरावलि	I. 7 i	14
नलदमयन्त्याख्यानम्	I. 7 ii	02
अश्वमेघ काण्ड	I. 7 iii	01
षट्दर्शन सूत्र	I. 7 i	15
छन्दोलक्षण	I. 7 vii	02
जिनस्तवी श्रावचूर्णि	I. 7 i	16
राजदुहिताख्यानम् (द्वादशीभावनापर्यन्त)	I. 7 ii	03
पिपीलिका विचार प्रकरण	I. 7 i	17
स्वोपज्ञ लिंगानुशासन सविवरणम्	I. 8 i	02
शुल् विवरण	I. 1 iii	02
प्राचीन जैन पटल	I. 7 i	18
सिंदूर प्रकरणम्	I. 7 i	19
वैराग्य शतक	I. 7 iv	01
पुष्पमाला प्रकरणम्	I. 7 i	20
पाक्षिक क्षामणक	I. 7 i	21
वैद्यक सार हितोपदेश	I. 14 iii	01
गौतम स्वामी रास	I. 7 i	22
प्रक्रिया कौमुदी	I. 8 i	03
वीतराग स्तोत्र विंशति प्रकाश	I. 7 i	23
आचार सूत्र निर्युक्ति	I. 7 i	24
वर्द्धमान विद्याकल्प	I. 7 i	25
सोत्रामणि उपहार	I. 7 iii	03
कात्यायन सूत्र पद्धति	I. 1 iii	04
सूर्य प्रज्ञप्ति सूत्र	I. 7 i	26

श्रीमद्भागवत एकादश स्कंध	I. 1 ii	01
राघव पांडवीय महाकाव्य	I. 7 v	03
विदग्ध मुख मण्डन	I. 7 iv	02
योग वासिष्ठ	I. 2 ii	01
दशाश्रुत स्कन्ध (अष्ठम अध्याय)	I. 7 i	27
श्री रणसिंह कथा	I. 7 ii	04
वाल्मीकि रामायण (उत्तर काण्ड)	I. 7 v	04
लघुक्षेत्र समास विचार	I. 7 i	28
चौसरण बालावबोध	I. 7 i	29
समवाय सूत्र	I. 7 i	30
ज्ञानार्णव	I. 7 i	31
हनुमान नाटक	I. 7 iii	01
लघुसंग्रहणी सूत्र	I. 7 i	58
शीतल जिनवरेन्द्र स्तुति	I. 7 i	59
पुरन्दर चउपई	I. 7 i	60
अभिधान चिंतामणि नाममाला	I. 7 i	61
आचार प्रदीप	I. 7 i	62
संबोध सत्तरी	I. 7 i	63
अंतगड़ सूत्र	I. 7 i	64
दसठांणांगत बोल	I. 7 i	65
उपासक दशांगसूत्र	I. 7 i	66
भक्तामर स्तोत्र	I. 7 i	67
बिक्रमादित्यस्यपंचदण्ड–छत्र प्रबंध	I. 7 i	68
आवश्यक सूत्र स्कन्ध अध्ययन	I. 7 i	69
संवाद सुन्दर (मृगमदचंदन संवाद)	I. 7 i	70
भावारिवारणसूत्र टीकासहित	I. 7 i	71

17 वीं शती के कतिपय प्रमुख ग्रन्थ

नव तत्व प्रकरण	I. 7 i	32
हरि लीला	I. 7 iv	03
नंदी सूत्र	I. 7 i	33
इन्द्रिय पराजय शतक	I. 7 iv	04
प्राकृत छन्द प्रकाश	I. 7 vii	03
कल्याण मन्दिर स्तोत्र	I. 7 i	34
वृहत् कल्प सूत्र (टवार्थ)	I. 7 i	35
वाग्भटालंकार टीका सहित	I. 7 viii	01
काव्य प्रकाशस्य प्राकृत गाथा विवरणम्	I. 7 ii	05
विष्णु धर्मोत्तर पुराण (तृतीय खण्ड)	I. 1 ii	02
लक्षपूजा विधि	I. 1 ii	16
ढोलामारू चौपई	I. 7 iv	05
संव प्रद्युम्न चौपई	I. 7 iv	06
आणन्द सधि (आनंद संधि)	I. 7 i	36
कल्याण स्तव	I. 7 i	37
ऋषभदेव धवल बध	I. 7 i	38
आलोचना	I. 7 i	39
ज्योतिष रत्न माला	I. 20 i	01
अभिधान चिंतामणि नाममाला	I. 7 i	72
किरातार्जुनीयम्	I. 7 v	08
पाखी प्रतिक्रमण सूत्र	I. 7 i	73
मृगावती चरित्र चउपई	I. 7 i	74
दुर्गा सप्तशती	I. 3 i	21
उपदेशमाला	I. 7 i	75
शीलो परिरास	I. 7 i	76
विदग्ध मुखमण्डन	I. 7 i	77

विवरणिका खण्ड

[विवरणिका में संक्षिप्त ग्रन्थ परिचय दिया गया है, जिसमें ग्रन्थ का विषय, भाषा, रचनाकार या लिपिकर्ता का नाम, रचना या लिपि-काल, उपलब्ध पृष्ठ संख्या व उनकी माप अंकित है।]

- पंद्रहवीं शताब्दी से पूर्व के 8 ग्रन्थ
- पंद्रहवीं शती के प्रमुख 12 ग्रन्थ
- सोलहवीं शती के प्रमुख 37 ग्रन्थ
- सत्तरहवीं शती के प्रमुख 18 ग्रन्थ

पन

नैषध समारोह सूचक पृष्ठ संवत 1201

किरातार्जुनीय का समापन सूचक-पृष्ठ, संवत् 1397

हस्तीदंत आवरणयुक्त चित्रित ताड़पत्रीय ग्रन्थ

क्रमांक 1: I. 5 i 1
ग्रंथ नाम **काली तंत्र**
विषय तंत्र (अघोर)
भाषा प्राकृत व संस्कृत
कर्ता वीरदेव
लिपिकाल सं. 834
पत्र संख्या 20
माप 22X8 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य–मोम में डूबे हुए कपड़ों से आवेष्टित प्राचीन दुर्लभ ग्रंथ. एलादि उपकरणों से बने हुए कागज पर लिखित ऊपर से नीचे दस-दस संयुक्ताक्षरों से युक्त। काल की दृष्टि से यह बंगाब्द भी हो सकता है क्योंकि एक ही सम्पूर्ण पृष्ठ चालीस पृष्ठों में विभाजित है। इस ग्रंथ की लिपि में बंगला लिपि-मिश्रित है।



क्रमांक 2: I. 7 i 1
ग्रंथ नाम **चिन्तामणि नाम माला**
विषय जैन अध्यात्म
भाषा प्राकृत
कर्ता आचार्य हेमचन्द
लिपिकाल सं 1112
पत्र सं. 57
माप 25X11 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य–प्राकृत भाषा का व्याख्या युक्त अत्यन्त सुन्दर लिपि में लिखा हुआ महत्वपूर्ण ग्रंथ. सुलेखन एवं लघु चित्रण विशेष दर्शनीय।



क्रमांक 3: I. 7 i 2
ग्रंथ नाम **पिण्ड-विशुद्धि-प्रकरण**
विषय जैन साहित्य
भाषा प्राकृत
कर्ता श्रीचन्द्र सूरि एवं यशोदेव सूरि
लिपिकाल सं. 1176
पत्र सं. 45
माप 25X11 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य–सुन्दर लिपियुक्त प्रशस्ति कालांकन. काल संकेत–'अंकानाम् वामतो गति' के आधार पर 'षटवाजि इन्दु हिमांशु ति' से 1176 का निर्धारण।



क्रमांक 4: I. 7 vii 1
ग्रंथ नाम **वृत्त रत्नाकर** (तृतीय अध्याय)
विषय छन्द लक्षण
भाषा प्राकृत संस्कृत
कर्ता भट्ट केदार
लिपिकाल सं. 1196 (षट खण्ड क्षोणि नाथ)
पत्र सं. 6
माप 28X12 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य–छन्दशास्त्र का पंचपाठयुक्त विशिष्ट ग्रंथ



क्रमांक 5: I. 7 v 1
ग्रंथ नाम **नैषध**
विषय काव्य
भाषा संस्कृत
कर्ता श्री हर्ष
लिपिकाल सं. 1201
पत्र सं. 14
माप 27X8 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य–ताल पत्रीय पद्धति पर हाथ के बनाये संभवत: सबसे पतले कागज को जोड़कर लिखा गया प्राचीन ग्रंथ। प्रत्येक पृष्ठ पांच सुलेख-पूर्ण पंक्तियों से युक्त। काल के थपेड़ों से बचे हुए कागज वाले इस ग्रंथ का अस्तित्व अपने आप में महत्व पूर्ण है. नैषध की मिलने वाली यह निस्संदेह प्राचीनतम प्रति है, यत्र-तत्र सूक्ष्माक्षरों के साथ अप्रकाशित व्याख्या सहित।

क्रमांक 6: I. 7 i 3
ग्रंथ नाम **कुमार पाल चरितम**
विषय चरित्र आख्यान
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1230
पत्र सं. 20
माप 26X11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–रचनाकाल सं. 1166 तथा लिपिकर्ता सोमध्वज गणी है।



क्रमांक 7: I. 7 i 4
ग्रंथ नाम **बालावबोध**
विषय जैन
भाषा प्राकृत
कर्ता सोमतिलक सूरि
लिपिकाल सं. 1387
पत्र सं. 53
माप 25.2X11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–लिपिकर्ता-सोम विजय गणी टवार्थ।



क्रमांक 8: I. 7 v 2
ग्रंथ नाम **किरातार्जुनीयम्**
विषय काव्य
भाषा संस्कृत
कर्ता भारवि
लिपिकाल सं. 1397
पत्र सं. 82 से 93 (85-86 अप्राप्य)
माप 22X9 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–किरातार्जुनीय की अब तक प्राप्त प्राचीनतम प्रति.



क्रमांक 9: I. 7 i 5
ग्रंथ नाम **षडावश्यक सूत्र वृत्ति**
विषय जैन सूत्र
भाषा संस्कृत प्राकृत
कर्ता तरुणप्रभ सूरि
लिपिकाल सं. 1411
पत्र सं. 83
माप 26X10.5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–तरुणप्रभ सूरि, जिनचन्द्र सूरि के शिष्य थे। ग्रंथ के साथ वृत्ति भी है वृत्तिकार हैं–अभयदेव सूरि तथा वृत्ति का नाम–नवांग वृत्ति है। अनहिल वाड़ा पाटन के राजा शाह विजयसिंह के राज्यकाल में रचित.



क्रमांक 10: I. 7 i 6
ग्रंथ नाम **दमयन्ती विवरण विषम पद प्रकाश**
विषय काव्य टीका
भाषा संस्कृत
कर्ता चन्द्रपाल
लिपिकाल सं. 1441
पत्र सं. 19
माप 26.5X10.5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–सुन्दर लघु काव्य की व्याख्या। मूल काव्य के श्लोक इसमें नहीं हैं, किंचित् त्रुटियुक्त एवं अपूर्ण।



क्रमांक 11: I. 8 i 1
ग्रंथ नाम **व्याकरण लघुवृत्यवचूरि**
विषय व्याकरण शास्त्र
भाषा संस्कृत
कर्ता पं. मेघनाद
लिपिकाल सं. 1473
पत्र सं. 12
माप 26.5X11.5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–देवलवाड़ा राज्य के राजा श्री लखपतिदेव के समय लिखित ग्रंथ। बहुत सूक्ष्म अक्षरों में एक पत्र में 200 श्लोक निबद्ध।

क्रमांक 12: I. 1 i 12
ग्रंथनाम **याज्ञवल्क्य स्मृति (टीका मिताक्षरा)**
विषय धर्मशास्त्र
भाषा संस्कृत
कर्ता विज्ञानेश्वर
लिपिकाल 1476
पत्र सं. 182
माप 26.8X15.4 से. मी.



क्रमांक 13: I. 7 i 8
ग्रंथनाम (i) भक्ताम्बर लघु वृत्ति (ii) श्री पार्श्वनाथ नमस्कार वृत्ति नवांगी वृत्ति
विषय जैन
भाषा संस्कृत
कर्ता अभयदेव सूरि
लिपिकाल 1481
पत्र सं. 14
माप 26X11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–प्राचीनतम प्रति 1 से 9 पत्र तक भक्ताम्बर लघु वृत्ति तथा 10 से 14 पत्र तक श्री पार्श्वनाथ नमस्कार वृत्ति । लिपिकाल पत्र सं. 9 पर–भूनग भुवन मिताब्दे, लिपि शोभन ।



क्रमांक **14: I. 7 i 9**
ग्रंथनाम **अोघ निर्युक्ति**
विषय जैन
भाषा प्राकृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 1483
पत्र सं. 18
माप 26.5X11.2 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– शोभन लिपि युक्त प्रति । हर्ष सार गणी के शिष्य–शिव निधान उपाध्याय के वाचन की प्रति है।



क्रमांक 15: I. 7 i 10
ग्रंथ नाम **प्रशमरति प्रकरण सवृत्ति**
विषय जैन
भाषा संस्कृत
कर्ता उमा स्वाति वाचक
लिपिकाल 1485
पत्र सं. 8
माप 26X11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–पंचपाठ युक्त, वृत्तिकार-हरिभद्राचार्य । रचनाकाल सं. 1185.



क्रमांक 16: I. 7 i 11
ग्रंथ नाम **प्रत्याख्यान भाष्य, वंदनक भाष्य अवचूर्ण आवश्यक वृत्ति**
विषय जैन
भाषा प्राकृत संस्कृत
कर्ता सोम सुन्दर सूरि
लिपिकाल 1486
पत्र सं. 5
माप 26X11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–मूलप्रति



क्रमांक 17: I. 5 i 2 (A)
ग्रंथ नाम **वृहत्कालोत्तर महातंत्र**
विषय तंत्र शास्त्र
भाषा संस्कृत
कर्ता शिव प्रोक्त
लिपिकाल सं. 1487
पत्र सं. 11
माप 20.5X10 से. मी.

क्रमांक	18: I. 7 i 12
ग्रंथ नाम	**मणिपति चरित्र**
विषय	जैनशास्त्र
भाषा	प्राकृत
कर्ता	हरिभद्र सूरि
लिपिकाल	सं. 1490
पत्र सं.	22
माप	23X10 से. मी.



क्रमांक	19: I. 7 ii 1
ग्रंथ नाम	**शुक सत्तरि**
विषय	कथा साहित्य (गाथा)
भाषा	संस्कृत (पद्य)
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	सं. 1491
पत्र सं.	10
माप	28.5X10.5 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य–इस ग्रंथ में लघु कथाएं हैं। कथा के मध्य खड्गादि शस्त्रों के प्रकार, उनके नाम, रत्नपाषाण निर्मित मूठों तथा रत्नों के लक्षण भी बताये गये हैं । भाषा प्रौढ़ और प्रांजल । पूर्वांश अप्राप्त ।



क्रमांक	20 I. 2 i 1
ग्रंथ नाम:	**सप्त पदार्थी**
विषय	न्याय दर्शन
भाषा	संस्कृत
कर्ता	शिवादित्य मिश्र
लिपिकाल	सं· 1493
पत्र सं.	1
माप	22.5X9.5 से. मी.

क्रमांक	21: I. 7 i 13
ग्रंथ नाम	**पंचपरमेष्टि नमस्कार स्तवनम् (सयंत्र)**
विषय	जैन स्तोत्र
भाषा	प्राकृत
कर्ता	जिनकीर्ति सूरी
लिपिकाल	सं. 1503
पत्र सं.	1
माप	25.5x11. से. मी.



क्रमांक	22: I. 7 i 14
ग्रंथ नाम	**स्थविरावलि**
विषय	जैन दर्शन
भाषा	प्राकृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	सं. 1505
पत्र सं.	2
माप	25X11 से. मी.



क्रमांक	23: I. 7 ii 2
ग्रंथ नाम	**नलदमयन्त्याख्यानम्**
विषय	जैन कथा
भाषा	संस्कृत (पद्य)
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	सं. 1505
पत्र सं.	21
माप	26.5X11 से० मी०

विशेष ज्ञातव्य —सुन्दर ब्राह्मण हस्तलेख में प्राप्त

क्रमांक 24: I. 1 iii 14
ग्रंथ नाम **अश्वमेध काण्ड**
विषय वेद
भाषा संस्कृत
कर्ता —
लिपिकाल सं. 1506
पत्र सं. 46
माप 25X9 से० मी०



क्रमांक 25: I. 7 i 15
ग्रंथ नाम **षट्दर्शन सूत्र**
विषय जैन दर्शन
भाषा संकृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1512
पत्र सं. 10
माप 26.5X9.5 से० मी०



क्रमांक 26: I 7 vii 2
ग्रंथ नाम **छन्दोलक्षण**
विषय लक्षण काव्य
भाषा संस्कृत
कर्ता केदार भट्ट
लिपिकाल सं. 1518
पत्र सं. 5
माप 24·5x10·5 से० मी०
विशेष ज्ञातव्य – ग्रंथ का लिपिकर्ता आगममाणिक्य तथा लिपिस्थान वट पल्ली नगर

क्रमांक 27: I. 7 i 16
ग्रंथ नाम **जिनस्तवी सावचूर्णि**
विषय जैन स्तोत्र
भाषा संस्कृत
कर्ता सोम सुन्दर सूरि, टीकाकार-सोम देव गणी.
लिपिकाल सं. 1520
पत्र सं. 6
माप 26x11 से० मी०
विशेष ज्ञातव्य – पंच पाठ युक्त, त्रुटित पत्र । रचना काल 1497



क्रमांक 28: I. 7 ii 3
ग्रंथ नाम **राजदुहिताख्यानम**
विषय जैन आख्यान
भाषा प्राकृत संस्कृत
कर्ता राव चन्द्रजनाथ
लिपिकाल सं. 1522
पत्र सं. 12
माप 26.5X11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–कई कथाओं का संकलन । लिपिकर्ता भी राव चन्द्रजनाथ



क्रमांक 29: I. 7 i 17
ग्रंथ नाम **पिपीलिका विचार प्रकरण**
विषय सामुद्रिक
भाषा प्राकृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1522
पत्र सं. 2
माप 26X10,8 से. मी.
विशेश ज्ञातव्य-ग्रंथ में पुरुष सामुद्रिक शास्त्र लक्षण तथा अंग विद्या प्रकरण भी । लिपिस्थान अहमदाबाद, लिपिकर्ता–विजयगणि ।

क्रमांक 30: I. 8 i 2
ग्रंथ नाम **स्वोपज्ञ लिंगानुशासन सविवरणम्**
विषय व्याकरण
भाषा संस्कृत
कर्ता आचार्य हेमचन्द्र सूरि
लिपिकाल सं. 1523
पत्र सं. 32
माप 26X11 से. मी.



क्रमांक 31: I. 1 iii 21
ग्रंथ नाम **शुलू विवरण**
विषय वेद
भाषा संस्कृत
कर्ता कर्कोपाध्याय
लिपिकाल सं. 1532
पत्र सं. 9
माप 26.5X11.5
विशेष ज्ञातव्य—लिपिकर्ता-जगन्नाथ दुबे



क्रमांक 32: I. 7 i 18
ग्रंथ नाम **प्राचीन जैन पटल**
विषय जैन
भाषा प्राकृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 1532
पत्र सं. 9
माप 25.5x6.4 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य—पत्र त्रुटित तथा लिपिकर्ता–नाग सुन्दर (नैन सुन्दर)

क्रमांक 33: I. 7 i 19
ग्रंथ नाम **सिंदूर प्रकरणम्**
विषय जैन पूजा पद्धति
भाषा संस्कृत
कर्ता कुन्दकुन्दाचार्य
लिपिकाल सं. 1534
पत्र सं. 9
माप 26x11.5 से. मी.



क्रमांक 34: I. 7 iv 1
ग्रंथ नाम **वैराग्य शतक**
विषय नीति काव्य
भाषा संस्कृत
कर्ता भर्तृहरि
लिपिकाल सं. 1536
पत्र सं. 11
माप 26x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य—लिपिकर्ता-मंत्री धन्ना



क्रमांक 35: I. 7 i 20
ग्रंथ नाम **पुष्पमाला प्रकरणम्**
विषय जैन दर्शन
भाषा प्राकृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1529
पत्र सं. 19
माप 26.6x10.6 से. मी.

क्रमांक	36: I. 7 i 21
ग्रंथ नाम	**पाक्षिक क्षामणक**
विषय	जैन शास्त्र
भाषा	प्राकृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	सं. 1540
पत्र सं.	8
माप	25.5x11.5 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य–ग्रंथ के लिपिकर्ता भूषणगणि



क्रमांक	37: I. 14 iii 1
ग्रंथनाम	**वैद्यकसार हितोपदेश**
विषय	आयुर्वेद
भाषा	संस्कृत
कर्ता	पंडित श्री कण्ठ
लिपिकाल	सं. 1540
पत्र सं.	15 (खण्डित एवं अपूर्ण)
माप	11x19 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य–स्त्री एवं बाल रोग विषयक प्राचीन ग्रंथ । 65 में से 15 पत्र उपलब्ध ।



क्रमांक	38: I. 7 i 22
ग्रंथनाम	**गोतम स्वामी रास**
विषय	जैन
भाषा	प्राकृत
कर्ता	मुनि विजयभद्र
लिपिकाल	सं. 1542
पत्र सं.	5
माप	25.6x9.4 से. मी.

क्रमांक	39: I. 8 i 3
ग्रंथनाम	**प्रक्रिया कौमुदी**
विषय	व्याकरण
भाषा	सस्कृत
कर्ता	रामचन्द्राचार्य
लिपिकाल	1545
पत्र सं.	95
माप	25.8x10.6

विशेष ज्ञातव्य–लिपिस्थान-काशी



क्रमांक	40: I. 7 i 23
ग्रंथनाम	**वीतराग स्तोत्र विंशति प्रकाश**
विषय	जैन स्तोत्र
भाषा	सस्कृत
कर्ता	हेमचन्द्राचार्य
लिपिकाल	सं. 1548
पत्र सं.	7
माप	26.5X11 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य–स्वर्णालंकृत तथा शोभन अलंकरण-युक्त । मध्य भाग लिपिकर्ता–अनन्तकीर्ति गणी ।



क्रमांक	41: I. 7 i 24
ग्रंथनाम	**आचार सूत्र निर्युक्ति**
विषय	जैन सूत्र
भाषा	प्राकृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	सं. 1549
पत्र सं.	11X26 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य–पंचाइण जी के वाचनार्थ सुलेखन पूर्ण प्रति ।

क्रमांक 42: I. 7 i 25
ग्रंथनाम **वर्द्धमान विद्याकल्प**
विषय जैन स्तोत्र
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1553
पत्र सं. 4
माप 11x26 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–लिपिकाल का उल्लेख तीसरे पृष्ठ पर। स्तोत्र–संग्रह, लिपिकर्ता–पं. दयासुन्दर।



क्रमांक 43: I. 1 iii 3
ग्रंथ नाम **सोत्रामणि उपहार**
विषय वेद
भाषा संस्कृत
कर्ता —
लिपिकाल सं. 1554
पत्र सं. 15
माप 11 25 से॰ मी॰
विशेष ज्ञातव्य – लिपिस्थान-वृद्धनगर तथा लिपि-कर्ता-महाराणक



क्रमांक 44: I. 1 iii 4
ग्रंथ नाम **कात्यायन सूत्र पद्धति**
विषय यज्ञ वेद
भाषा संस्कृत
कर्ता श्री याज्ञिक देव
लिपिकाल सं. 1561
पत्र सं. 18 से 30 (13)
माप 11·5x27 से॰ मी॰
विशेष ज्ञातव्य – 15 वें अध्याय से आरंभ होकर सम्पूर्ण।

क्रमांक 45: I. i 26
ग्रंथ नाम **सूर्य प्रज्ञप्ति सूत्र**
विषय जैन
भाषा प्राकृत
कर्ता —
लिपिकाल सं. 1573
पत्र सं. 7 (43 से 49 तक)
माप 25·5x11 से॰ मी॰
विशेष ज्ञातव्य – एक पत्र त्रुटित एवं अपूर्ण, शाह दुलिचन्द के ज्ञानकोष-वार्द्धक्य हेतु लिखी गयी प्रति। सूत्र संख्या सम्पूर्ण 2221, सुप्रसिद्ध प्राच्य वेत्ता हरमन जी. द्वारा लिखे गये 'मार्ग 1959' के लेख के अनुसार 'सूर्य प्रज्ञप्ति सूत्र' की विश्व में मात्र दो प्रतियाँ पूर्ण मिलती हैं – एक अमेरिका में तथा दूसरी बीकानेर अनूप संस्कृत पुस्तकालय में। ग्रन्थ की महत्ता को देखते हुए अपूर्ण प्रतियाँ भी अमूल्य हैं।



क्रमांक 46: I. 1 ii 1
ग्रंथ नाम **श्रीमद् भागवत एकादश स्कंध**
विषय धर्मशास्त्र
भाषा संस्कृत
कर्ता —
लिपिकाल सं. 1579
पत्र सं. 40
माप 34·4x14·3 से॰ मी॰
विशेष ज्ञातव्य – लिपिस्थान - दिल्लीनगर तथा लिपिकर्ता-विष्णु



क्रमांक 47: I. 7 v 3
ग्रंथ नाम **राधव पांडवीय महाकाव्य**
विषय काव्य
भाषा संस्कृत
कर्ता पंडित कविराज
लिपिकाल सं. 1581

पत्र सं. 23
माप 10x27·5 से० मी०
विशेष ज्ञातव्य – कुल पृष्ठ सं. 38, उपलब्ध 23, पत्र स. 3-4-5, 8 से 14, 19, 30-31, 34, 37 अप्राप्य। हरधरणी प्रसूत कादम्ब कुल तिलक चक्रवर्ती वीर कामदेव प्रोत्साहित कबिराज पडित विरचिते राघव पांडवीये महाकाव्ये रावण-दुर्योधन वधौ नाम त्रयोदश सर्गः ।



क्रमांक 48: I. 7 iv 2
ग्रंथनाम **विदग्ध मुख मण्डन**
विषय काव्य
भाषा संस्कृत
कर्ता धर्म दास
लिपिकाल सं. 1581
पत्र सं. 28
माप 28·7x12·3 से० मी०
विशेष ज्ञातव्य – प्रथम दो पत्र तथा पत्र सं. 24 अप्राप्य । सचित्र पंचपाठयुक्त । लिपिस्थान मौराना, लिपिकर्ता मुनि श्री श्रुतवीर ।



क्रमांक 49: I. 2 ii 1
ग्रंथ नाम **योग वासिष्ठ**
विषय वेदांतदर्शन
भाषा संस्कृत
कर्ता वाल्मीकि
लिपिकाल सं. 1584
पत्र सं. 36
माप 13x30 से० मी०
विशेष ज्ञातव्य – आत्मसुख की वासिष्ठ चंद्रिका टीका सहित



क्रमांक 50: I. 7 i 27
ग्रंथ नाम **दशाश्रुत स्कंध** (अष्टम् अध्याय) प्रज्ञा श्रवणक

विषय जैन
भाषा प्राकृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल स. 1591
पत्र सं. 40
माम 26·5x11·8 से० मी०
विशष ज्ञातव्य – प्रारम्भ के 4 पत्र अप्राप्य । लिपि-कर्ता दामोदर जोशी ।



क्रमांक 51: I. 7 ii 4
ग्रंथ नाम **श्री रणसिंह कथा**
विषय कथा
भाषा प्राकृत-संस्कृत
कर्ता श्री रत्नसिंह सूरि
लिपिकाल सं. 1592
त्रप सं. 6
माप 11x28·5 से० मी०
विशेष ज्ञातव्य – गद्य तथा पद्य दोनों में। लिपिकर्ता चरित्रोदय मुनि, लिपिस्थान तिमरीनगर।



क्रमांक 52: I. 7 v 4
ग्रंथ नाम **वाल्मीकि रामायण** (उत्तरकाण्ड)
विषय राम कथा काव्य
भाषा संस्कृत
कर्ता वाल्मीकि
लिपिकाल सं. 1592
पत्र सं. 133
माप 11x29·5 से० मी०
विशेष ज्ञातव्य – 'मुगल राज्ये बादशाह हुमायु राज्य भुज्यमाने, खारिका ग्रामे श्री गृहमल्ल लखी सूर्यद्विज राज्य भुज्यमाने' उल्लेख अन्तिम पृष्ठ पर । लिपिकर्ता-कृष्णदास सूर्यद्विजान्वज ।

क्रमांक 53: I. 7 i 28
ग्रंथ नाम **लघुक्षेत्र समास विचार**
विषय जैन
भाषा प्राकृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1592
पत्र सं. 8
माप 26·2x11० से०
विशेष ज्ञातव्य – पंच पाठ युक्त, टीका नाम– 'जम्बू द्वीप विवरण' लिपिकर्ता–विवेकचरित्र गणी



क्रमांक 54: I. 7 i 29
ग्रंथ नाम **चौसरण बालावबोध**
विषय जैन
भाषा प्राकृत संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकर्ता 1593
पत्र स. 10
माप 27·2x11·5 से० मी०
विशेष ज्ञातव्य – असिपुर मध्ये (खड्गपुर) लिपिकर्ता हेमसुन्दर



क्रमांक 55: I. 7 i 30
ग्रंथ नाम **समवाय सूत्र**
विषय जैन
भाषा प्राकृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1595
पत्र सं. 37
माप 12x27·5 से. मी.

क्रमांक 56: I. 7 i 31
ग्रंथ नाम **ज्ञानार्णव**
विषय मोक्ष प्रकरण
भाषा संस्कृत
कर्ता आचार्य शुभचन्द्र
लिपिकाल सं. 1596
पत्र सं. 78
माप 13x30 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकाल का उल्लेख पृष्ठ सं. 11 पर।



क्रमांक 57: I. 7 iii 1
ग्रंथ नाम **हनुमान नाटक**
विषय काव्य
भाषा संस्कृत
कर्ता हनुमत् कवि
लिपिकाल सं. 1600
पत्र सं. 28
माप 18X10 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – पद्यबद्ध रामचरित्र



क्रमांक 58: I. 7 i 32
ग्रंथ नाम **नव तत्व प्रकरण**
विषय जैन
भाषा प्राकृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1613
पत्र सं. 2
माप 25.5x11 से. मी.

क्रमांक 59: I. 7 iv 3
ग्रंथ नाम **हरिलीला**
विषय —
भाषा संस्कृत
कर्ता पं. वोपदेव
लिपिकाल सं.1618
पत्र सं. 5
माप 27X13 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– लिपिकर्ता लक्ष्मीदास



क्रमांक 60: I. 7 i 33
ग्रंथ नाम **नंदी सूत्र**
विषय जैन
भाषा प्राकृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1619
पत्र सं. 39
माप 25x11 से.मी.
विशेष ज्ञातव्य–पत्र सं. 2, 3, 4, 5 अप्राप्य । लिपि॰ स्थान मंगलपुर मध्ये, ऋषि जूठाणी प्रति.



क्रमांक 61: I. 7 iv 4
ग्रंथ नाम **इन्द्रिय पराजय शतक**
विषय जैन
भाषा प्राकृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल स. 1629
पत्र सं. 5
माप 24.8x9.5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–लिपिकर्ता–करमचन्द्र, हेमावती नगर मध्ये । त्रुटित प्रति.

क्रमांक 62: I. 7 vii 3
ग्रंथ नाम **प्राकृत छन्द प्रकाश**
विषय छन्द शास्त्र
भाषा प्राकृत
कर्ता सोमकुशल गणी
लिपिकाल 1652
पत्र सं. 7
माप 25.5x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–लिपिस्थान–सन्मानपुर ।



क्रमांक 63: I. 7 i 34
ग्रंथ नाम **कल्याण मन्दिर स्तोत्र**
विषय जैन स्तोत्र
भाषा संस्कृत
कर्ता कल्याण सागर
लिपिकाल सं. 1655
पत्र सं. 6
माप 25.2x10.2 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–अवचूरि सहित शोभन अलंकृत प्रति.



क्रमांक 64: I. 7 i 35
ग्रंथ नाम **बृहत् कल्प सूत्र** (टवार्थ)
विषय जैन
भाषा प्राकृत राजस्थानी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1661
पत्र स. 23
माप 25x12 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–लिपिकार-महात्मा मुनिलाल, पोषाल ऋणी नगर मध्ये ।

क्रमांक 65: I. 7 viii 1
ग्रंथ नाम **वग्भटालंकार टीका सहित**
विषय काव्य लक्षण ग्रंथ (रसालंकार)
भाषा संस्कृत
कर्ता सिंहदेव
लिपिकाल सं 1662
पत्र सं. 31
माप 26x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– त्रिपाठ युक्त, लिपिकर्ता–कीर्ति-सागर गणी ।



क्रमांक 66: I. 7 ii 5
ग्रंथ नाम **काव्य प्रकाशस्य प्राकृत गाथा विवरणम्**
विषय गाथा
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1663
पत्र सं. 7
माप 23.5 x9.5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–काव्य प्रकाश में आई प्राकृत गाथाओं का संकलन. लिपिकर्ता–रघुनाथ मित्र



क्रमांक 67: I. 1 ii 2
ग्रंथ नाम **विष्णु धर्मोत्तर पुराण (तृतीय खण्ड)**
विषय पुराण
भाषा संस्कृत
कर्ता पुराणोक्त
लिपिकाल 1666
पत्र स. 50
माप 26 x14.3 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–मधुसूदन स्तोत्र

क्रमांक 68: I. 1 ii 16
ग्रंथ नाम **लक्षपूजा विधि**
विषय ब्रह्माण्ड पुराण
भाषा संस्कृत
कर्ता पुराणोक्त
लिपिकाल सं. 1673 शक
पत्र सं. 8
माप 28x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–लिपिकार-विश्वनाथ



क्रमांक 69: I. 7 iv 5
ग्रंथ नाम **ढोला मारू चौपई**
विषय कथा काव्य
भाषा राजस्थानी
कर्ता —
लिपिकाल सं. 1677
पत्र सं. 47
माप 25·5 x 11·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – जैसलमेर मध्ये, कुशललाभ की चौपाईयां भी ।



क्रमांक 70: I. 7 iv 6
ग्रंथ नाम **संब प्रद्युम्न चौपई**
विषय कथा काव्य
भाषा मध्य कालीन हिन्दी
कर्ता समय सुन्दर गणी
लिपिकाल सं. 1677
पत्र सं. 27
माप 26 x 11 से. मी.

क्रमांक 71: I. 7 i 36
ग्रंथ नाम **आणन्द सन्धि**
विषय जैन
भाषा अपभ्रंश
कर्ता मुनि श्री सार
लिपिकाल सं. 1684
पत्र सं. 15
माप 25 x 11 से. मी.



क्रमांक 72: I. 7 i 37
ग्रंथ नाम **कल्याण स्तव**
विषय जैन
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1691
पत्र स. 3
माप 25 x 10·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकर्ता–विनीत सागर



क्रमांक 73: I. 7 i 38
ग्रंथ नाम **ऋषभदेव धवल बंध**
विषय जैन
भाषा अपभ्रंश राजस्थानी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1691
पत्र सं. 8
माप 25 x 11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – बीकानेर मध्ये, लिपिकर्ता–लखो बाई, ढाल संग्रह, ऋषभदेव के विवाह का चरित्र वीवाहलउत्र ब्यावलौ चरित्र



क्रमांक 74: I. 7 i 39
ग्रंथ नाम **आलोचना**
विषय जैन
भाषा प्राकृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1692
पत्र स. 4
माप 26 x 22 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – जैन व्रतादि, जैन धर्मान्तर्गत श्रावक प्रायश्चित्त विधि, अतिचार शुद्धि आदि. लिपिकर्ता–मुनि धन जी ।



क्रमांक 75: I. 20 i 1
ग्रंथ नाम **ज्योतिष रत्न माला**
विषय ज्योतिष
भाषा संस्कृत
कर्ता श्री पति भट्ट
लिपिकाल सं. 1692
पत्र सं. 30
माप 26 x 12 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य लिपिस्थान–सिरोही
लिपिकर्ता–मुनी भीमा

विवरणिका खण्ड II



चित्रित मधुमालती

॥श्रीगणेशायनमः॥अ०
थशिवसहस्रनामलिख्य
ते॥ऋषयऊचुः॥कथंदे
वेनवैसूतदेवदेवान्महे
१

शि॰

गतिं॥ईत्यादिमहापुराणे
लैंगेशिवनामसहस्रेण
संपूर्णं॥शुभंभवतु॥
७९

शिव सहस्त्रनाम सुलेखन युक्त



स्वर्णाक्षरों से युक्त ग्रन्थ

गणेश विषयक कतिपय ग्रन्थ

क्रमांक 76: I. 1 ii 3
ग्रंथ नाम **गणेश पुराण**
विषय पुराण
भाषा संस्कृत
कर्ता वेद व्यास
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 121
माप 37·5 x 16·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – पत्र सं. 2 से 11 तक अप्राप्य ।



क्रमांक 77: I. 3 i 1
ग्रंथ नाम **हरिद्रा गणेश कवच**
विषय देवी देवता उपासना
भाषा संस्कृत
कर्ता विश्व सार तंत्र
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 9
माप 19 x 10·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – स्थूलाक्षर, शोभन लिपि



क्रमांक 78: I. 3 i 2
ग्रंथ नाम **एकाक्षर गणपति पद्धति (चित्त चिन्तामणि)**
विषय तंत्र
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 10
माप 17·5 x 9·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – तंत्र शास्त्र का गणेश विषयक लघु ग्रंथ ।

क्रमांक 79: I. 3 i 3
ग्रंथ नाम **ऋण गणपति स्तोत्र**
विषय स्तोत्र
भाषा संस्कृत
कर्ता स्कन्द पुराणोक्त
लिपिकाल सं. 1832
पत्र सं. 32
माप 27 x 10 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – कुल पत्र सं. 32, उपलब्ध 28 (2,26, 27, 28 अप्राप्य) ऋण हर्ता के रूप में गणपति का स्तोत्र ।



क्रमांक 80: I. 3 i 4
ग्रंथ नाम **1. गणपति स्तवराज 2. गणेश हृदय कवच**
विषय तंत्र
भाषा संस्कृत
कर्ता रूद्रयामलोक्त
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 13 (6+7)
माप 18·7 x 10·5 से. मी.



क्रमांक 81: I. 3 i 5
ग्रंथ नाम **एकाक्षर गणपति पटल**
विषय तंत्र
भाषा संस्कृत
कर्ता –
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 6
माप 23·2 x 11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – गणपति प्रतिमा के निर्माण विषयक द्रव्य धातु, काष्ठ आदि तथा गणपति यत्रांदि का भोज 'रजत' ताम्र, सुवर्ण पत्र पर लेखन एवं अष्टगंधादि का विवरण ।

लक्ष्मी विषयक कतिपय ग्रन्थ

क्रमांक 82: I. 3 i 6
ग्रंथ नाम **महालक्ष्मी न्यास पद्धति**
विषय उपासना
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श. 1837
पत्र सं. 18
माप 21 x 10 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–लिपिकर्ता–देवकी नन्दन शर्मन्



क्रमांक 83: I. 3 i 7
ग्रंथ नाम **महालक्ष्मी नित्यार्चन विधि**
विषय तंत्र उपासना
भाषा संस्कृत
कर्ता आनन्दानन्द नाथ
लिपिकाल सं. 1961
पत्र सं. 28
माप 17.5 x 10.5 से. मी.



क्रमांक 84: I. 3 i 8
ग्रंथ नाम **लक्ष्मी कवच**
विषय उपासना
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 38
माप 21 x 11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – अर्गला रहस्य, देवीकवच, देवी रहस्य, नवार्ण आदि

क्रमांक 85: I. 7 iv 107
ग्रंथ नाम **लक्ष्मी निन्दा स्तोत्र**
विषय स्तोत्र
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 4
माप 20.5 x 8.5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – धन प्राप्ति के अन्य सार्थक उपायों के साथ लक्ष्मीनिन्दा ।



क्रमांक 86: I. 3 i 9
ग्रंथ नाम **सिद्ध लक्ष्मी गणपति स्तोत्रम्**
विषय स्तोत्र
भाषा संस्कृत
कर्ता शंकराचार्य
लिपिकाल सं. 1962
पत्र सं. 4
माप 18 x 11.5 से. मी.



क्रमांक 87: I. 3 i 10
ग्रंथ नाम **महालक्ष्मी व्रतकथा**
विषय व्रतकथा
भाषा हिन्दी
कर्ता भविष्योत्तर पुराणगत
लिपिकाल सं. 1743
पत्र सं. 8
माप 24 x 10 से. मी.

सहस्रनाम ग्रन्थ

क्रमांक	88: I. 3 i 11
ग्रंथ नाम	**1. गणपति सहस्रनाम 2. लक्ष्मी सहस्रनाम**
विषय	उपासना
भाषा	संस्कृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	सं. 1853
पत्र सं.	38
माप	14.5 x 13.8 से. मी.



क्रमांक	89: I. 3 i 11
ग्रंथ नाम	**राधा सहस्रनाम**
विषय	उपासना
भाषा	संस्कृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	19 वीं श०
पत्र सं.	90
माप	20 x 15.5 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – स्थूलाक्षर-शोभन लिपि, अलंकार युक्त ।



क्रमांक	90: I. 3 i 13
ग्रंथ नाम	**ककारादि काली सहस्रनाम**
विषय	उपासना
भाषा	संस्कृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	22
माप	24 x 11 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – काली के सहस्र नाम जो 'क' कार से प्रारंभ होते हैं ।

क्रमांक	91: I. 3 i 14
ग्रंथ नाम	**ललिता सहस्रनाम**
विषय	उपासना
भाषा	संस्कृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	सं. 1948
पत्र सं.	35
माप	21 x 11 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य–लिपिकर्ता-माँगी गौड़, यह सहस्रनाम अन्य सहस्रनामों की तुलना में कम लिखा गया है ।



क्रमांक	92 I. 3 i 15
ग्रंथ नाम:	**पीताम्बर देवता सहस्रनाम**
विषय	उपासना
भाषा	संस्कृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	18. वीं श.
पत्र सं.	22
माप	22 x 10 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – शत्रु विजय प्राप्त करने में परम सिद्ध सहस्रनाम ।



क्रमांक	93: I. 3 i 16
ग्रंथ नाम	**महात्रिपुर सुन्दरी सहस्रनाम**
विषय	उपासना
भाषा	संस्कृत
कर्ता	हरकुमार संवाद
लिपिकाल	18 वीं श.
पत्र सं.	15
माप	25 x 11 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य–'वामकेश्वर तंत्रे हरकुमार संवादे श्री महात्रिपुर सुन्दरी सहस्रनाम' ।

धार्मिक

क्रमांक	94: I. 1 ii 4
ग्रंथ नाम	**श्रीमद्भगवत महापुराण टीका सहित**
विषय	पुराण
भाषा	संस्कृत
कर्ता	श्री वेदव्यास, टीका-श्रीधर स्वामी
लिपिकाल	18 वीं श. उतरार्द्ध
पत्र सं.	963
माप	30 x 15.5 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य–लिपिकर्ता-छाजूराम अमर दासोत, बीकानेर नागौर मध्ये,



क्रमांक	95: I. 7 v 5
ग्रंथ नाम	**रामायण**
विषय	धार्मिक (रामकथा)
भाषा	संस्कृत
कर्ता	वाल्मीकि
लिपिकाल	सं. 1890
पत्र सं.	546
माप	39 x 18 से. मी.



क्रमांक	96: I. 2 ii 2
ग्रंथ नाम	**अध्यात्म रामायण**
विषय	वेदांत
भाषा	हिन्दी
कर्ता	माधवदास
लिपिकाल	सं. 1780
पत्र स.	261
माप	24.5x14 से. मो.

विशेष ज्ञातव्य–लिपिकर्ता-फतेहचन्द्र, लिपिस्थान-फतेहपुर रचनाकाल-1680 वि.

क्रमांक	97: I. 7 ii 6
ग्रंथ नाम	**भक्तमाल-टीका-शक्तिरस बोधिनी**
विषय	कथा साहित्य
भाषा	हिन्दी
कर्ता	नाभादास, टीकाकार - प्रियादास
लिपिकाल	सं. 1853
पत्र सं.	125
माप	36 x 18 से. मी.



क्रमांक	98: I. 7 vi 1
ग्रंथ नाम	**संतवाणी का बृहद् ग्रंथ**
विषय	संत साहित्य
भाषा	हिन्दी राजस्थानी
कर्ता	तारणदास
लिपिकाल	सं. 1953
पत्र सं.	404
माप	35 x 18 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – स्वामी तारणदास निरंजनी की विभिन्न रचनाओं का संकलन, लिपिस्थान–फतेहपुर, लिपिकर्ता–साधू जयमलदास



क्रमांक	99: I. 1 i 2
ग्रंथ नाम	**निर्णयसिंधु**
विषय	धार्मिक
भाषा	संस्कृत
कर्ता	कमलाकर भट्ट
लिपिकाल	सं. 1668
पत्र सं.	263 (41-96 अप्राप्य)
माप	29 x 23.2 से. मी.

वैदिक-पौराणिक

क्रमांक	100: I. 1 iii 5
ग्रंथ नाम	**वाजसनेय संहिता**
विषय	वेद
भाषा	संस्कृत
कर्ता	यजुर्वेद
लिपिकाल	सं. 1899
पत्र सं.	150
माप	26.5 x 11 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य–लिपिकर्ता-शिवाजीराम व्यास



क्रमांक	101: I. 1 iii 6
ग्रंथ नाम	**वाजसनेय संहिता**
विषय	वेद
भाषा	संस्कृत
कर्ता	यजुर्वेद
लिपिकाल	सं. 1649
पत्र सं.	155
माप	26.3 x 10.5 से. मी.



क्रमांक	102: I 1 iii 7
ग्रंथ नाम	**ब्राह्म संस्कार पद्धति (गंगाधरी पद्धति)**
विषय	वेद
भाषा	संस्कृत
कर्ता	गंगाधर
लिपिकाल	सं. 1734
पत्र सं.	60
माप	16 x 9 से. मी.

क्रमांक	103: I. 1 iii 8
ग्रंथ नाम	**संध्या भाषा**
विषय	वैदिक
भाषा	संस्कृत
कर्ता	वेद
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	13
माप	30 x 14 से. मी.



क्रमांक	104: I. 7 iii 9
ग्रंथ नाम	**बृहस्पति स्तव**
विषय	वैदिक
भाषा	संस्कृत
कर्ता	वेद
लिपिकाल	सं. 1669
पत्र सं.	14
माप	23 x 12 से. मी.



क्रमांक	105: I. 1 iii 10
ग्रंथ नाम	**पार्वण श्राद्ध विधि**
विषय	वैदिक
भाषा	संस्कृत
कर्ता	वेद
लिपिकाल	18 वीं श.
पत्र सं.	10
माप	28.5 x 15 से. मी.

समीक्षा चक्रवर्ती पंडित मधुसूदन जी ओझा के स्वाक्षरित अप्रकाशित ग्रन्थों की नामावली

वैदिक मंत्रादि संग्रह

वेदाङ्ग समीक्षा–परिशिष्टानुग्रह I. 1 iii 10
क्रोड़ पत्र 208

राघव ख्याती I. 1ii 5
क्रोड़ पत्र 151
1 पुराण समीक्षा
2 देव युगाभास

वेदाङ्ग समीक्षा (वाक्पदिका) I. 1 iii 11
वेद रक्षा सारणी

1. शब्दार्थ सारणी
2. वैदिक शब्द तालिका
3. देवतानुक्रमणी
4. वेदर्षि अनुक्रमणी
5. सप्तर्षि वंशानुक्रमणी
6. ब्राह्मण वंशानुक्रमणी
7. ब्राह्मणग्रन्थानुक्रमणी
8. उणादि सूत्र
9. शाकटायन व्याकरण
10. निरुक्त शब्दार्थ निर्वचन
11. निघण्टु भाषा
12. म्लेच्छभाषा व्याकरण
13. प्रकीर्णक पत्र

वेदाङ्ग समीक्षा I. 8 i 20

1. वाक् पदिका (व्याकरण विनोद)
2. नामतौ धातु सिद्धिः

वेदाङ्ग समीक्षा I. 1 i 9
1 आत्म संस्कार कल्प
2. वृत्त पंजिका
3. प्रायश्चित्त पंजिका
4. आत्म संस्कार पंजिका
5. न्याय सिद्धांत पंजिका
6. शुद्धि सिद्धान्त पंजिका
7. धर्मविधान पंजिका
8. पितृ निरूपण
9 श्राद्ध विद्या

निगम बोध I. 1 iii 12

1. निगद्वती शिक्षा
2. निविद्वती शिक्षा
3. गाथावती शिक्षा
4. आख्यानवती शिक्षा
5. निरुक्तिमती शिक्षा

वृत्ति व्याकरणे
कृदन्त परिच्छेदः I. 8 i 21
मूल पृष्ठ 34
1. समास परिच्छेदः (प्रथमः) नामज नाम सिद्धि-
2. तद्धित परिच्छेदः (द्वितीयः) ,, ,, ,,
3. नामधातु परिच्छेदः (तृतीयः) नामजधातु सिद्धिः
4. प्रक्रिया परिच्छेदः (चतुर्थः) धातुज धातु सिद्धि,
5. कृदन्त परिच्छेदः (पंचमः) धातुज नाम सिद्धिः

वेदाङ्ग समीक्षा विभागेः

परिशिष्टानुग्रहग्रंथे प्रथम तालिकाः
कलाप ग्रंथस्य चतुंषु ग्रंथेषु शास्त्र तालिका ग्रंथः
(प्रथमं) संस्करणीयः (क्रोड़ पत्र) 90

ब्राह्मण जाति विचार I. 1 i 10
जाति तालिका
जाति सम्प्रदाय
उपासक सम्प्रदाय भेद
परिशिष्टानुग्रहे तालिका कलाप

वेदाङ्ग समीक्षा
परिषिष्टानुग्रह ग्रंथस्य चतुर्णां ग्रन्थानां
प्रथमे तालिका कलाप ग्रंथे
तृतीयः संप्रदाय तालिका ग्रंथः
क्रोड पत्र 93

मुक्तक पद्य संग्रहः I. 7 iv 107

वेदाङ्ग समीक्षा
(वाक्पदिका ग्रंथ)
व्याकरण-विनोद
पुराण समीक्षा

तद्धित प्रकरणम् I. 8 i 22
अष्टसिद्धि व्याकरणस्य वृत्ति सिद्धि खण्डे
नामतो नाम सिद्धिः

विभक्ति प्रत्यय
परिच्छिन्न प्रत्यय
भावकर्म प्रत्यय

ब्रह्म विज्ञान विभागे I. 1 iii 13
निगम बोध ग्रंथे
(निगद्वती शिक्षा)
प्राथमिक प्रति संग्रहः

निविद्वती निगम बोध शतोपदेशः

(श्री मधु सूदन विद्या वाचस्पति प्रणीतः)
तत्र शिक्षामिधानाश्चत्वारः परिच्छेदाः

1. निविद्वती शिक्षा
2. गाथावती शिक्षा
3. आख्यान वती शिक्षा
4. विज्ञान वती शिक्षा

क्रोड़ पत्र 52

□

गतार्थ प्रति I. 1 iii 14
निगम बोध तत्रेयम्
निविद्वती शिक्षा

(ख)

देश काल धर्म पंचाशिका शिक्षा

निगम बोध
प्रथमो भागः

निविद्वती-शिक्षा

1. निविद्वती 2. गाथावती
3. आख्यानवती 4. विज्ञानवती

क्रोड़ पत्र 133

निगम बोध I. 1 iii 15

दैवत वर्ग पंचाशिका शिक्षा
निगम बोधे पंच शिक्षा

1. निविद्वती शिक्षा
2. निगद्वती शिक्षा
3. गाथावती शिक्षा
4. आख्यानवती शिक्षा
5. निरुक्तिमति शिक्षा

प्रेस कापी पृष्ठ 197

निगम बोध

1. प्रकरण सूची पत्र 58
2. निगद्वती पत्र 121
3. निगद्वती शिक्षा पत्र 83
4. निविद्वती पत्र 61
5. गाथावती पत्र 19
6. आख्यानवती
7. निरुक्ति

शंकराचार्य विरचित ग्रन्थ

क्रमांक	106: I. 2 ii 3
ग्रंथ नाम	**प्रणव अध्यात्म विद्योपदेश विधि**
विषय	वेदान्त दर्शन
भाषा	संस्कृत
कर्ता	शंकराचार्य
लिपिकाल	18 वीं श.
पत्र सं.	12
माप	29X16 से. मी.



क्रमांक	107: I. 2 ii 4
ग्रंथ नाम	**1. गरुड़ोपनिषद् 2. बालचरित**
विषय	वेदांत
भाषा	संस्कृत
कर्ता	शंकराचार्य
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	8
माप	19x9 से. मी.



क्रमांक	108: I. 3 i 80
ग्रंथ नाम	**श्री कृष्ण दिव्य स्तोत्र**
विषय	स्तोत्र
भाषा	संस्कृत
कर्ता	शंकराचार्य
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	2
माप	28.1X12 से. मी.

क्रमांक	109: I. 3 i 81
ग्रंथ नाम	**पंचदशी स्तोत्र**
विषय	स्तोत्र
भाषा	संस्कृत
कर्ता	शंकराचार्य
लिपिकाल	20 वीं श.
पत्र सं.	3
माप	23x10 से. मी.



क्रमांक	110: I. 2 ii 5
ग्रंथ नाम	**आत्म बोध टीका सहित**
विषय	वेदान्त
भाषा	संस्कृत
कर्ता	शंकराचार्य
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	22
माप	24.3x11. 5 से. मी.



क्रमांक	111: I. 3 i 82
ग्रंथ नाम	**सौंदर्य लहरी**
विषय	स्तोत्र
भाषा	संस्कृत
कर्ता	शंकराचार्य
लिपिकाल	सं. 1878
पत्र सं.	11
माप	26x11 से. मी.

कर्म काण्ड

क्रमांक 112: I. 1 iv 1
ग्रंथ नाम **पूर्णाभिषेक पद्धति**
विषय कर्मकाण्ड
भाषा सस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 20 वीं श. पूर्वार्द्ध
पत्र सं. 31
माप 20x11.5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–त्रिपुर सुन्दरी पूजा पटलान्तर्गत, विशुद्ध संशोधित शुद्ध प्रति



क्रमांक 113: I. 1 iv 2
ग्रंथ नाम **काव्यायनी पद्धति**
विषय कर्मकाण्ड
भाषा संस्कृत
कर्ता काव्यायन
लिपिकाल सं. 1898
पत्र सं. 29 (2, 3, 17 से 21, 24-28 अप्राप्त)
माप 19.5x10 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–लिपिकर्ता-अमरचन्द्र, नवलगढ़



क्रमांक 114: I. 1 iv 3
ग्रंथ नाम **1. शूद्रानां पार्वण श्राद्ध**
2. वसोर्द्धारा
विषय कर्मकाण्ड
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 18. वीं श.
पत्र सं. 3
माप 24X10 से. मी.

क्रमांक 115: I. 1 iv 4
ग्रन्थ नाम **विवाह पद्धति**
विषय कर्म काण्ड
भाषा संस्कृत हिन्दी
कता अज्ञात
लिपिकाल 17 वीं श.
पत्र सं. 21x13 से. मी.



क्रमांक 116: I. 7 iv 5
ग्रंथ नाम **शतचण्डी प्रयोग**
विषय कर्मकाण्ड
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 33
माप 20.5x15.3 से. मी.



क्रमांक 117: I. 7 iv 6
ग्रंथ नाम **प्राण प्रतिष्ठा विधि**
विषय कर्मकाण्ड
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 55
माप 23.5x14 से. मी.

क्रमांक	118: I. 4 i 1
ग्रंथ नाम	**हठ रत्नावली**
विषय	योग
भाषा	संस्कृत
कर्ता	श्री निवास योगीश्वर
लिपिकाल	सं. 1913
पत्र सं.	12
माप	35 x 11.5 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – मत्स्येन्द्रनाथ गोरखनाथ आदि के सिद्धान्तों पर आधारित।



क्रमांक	119: I. 4 i 2
ग्रंथ नाम	**नादानुसंधान**
विषय	योग
भाषा	संस्कृत
कर्ता	शिवोक्त
लिपिकाल	सं. 1915
पत्र सं.	5
माप	34X12.5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य	– नाद के दस प्रकारों का विस्तृत विवरण.



क्रमांक	120: I. 4 i 3
ग्रंथ नाम	**पातञ्जल योग दर्शन भाष्य**
विषय	योग
भाषा	संस्कृत
कर्ता	विज्ञान भिक्षु
लिपिकाल	सं. 1628
पत्र सं.	422
माप	26 x 10.5 से. मी.

क्रमांक	121: I. 4 i 4
ग्रंथनाम	**अष्टांग योग**
विषय	योग
भाषा	संस्कृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	20–(209–228)
माप	18·5x11 से. मी.



क्रमांक	122: I. 4. i 5
ग्रंथनाम	**घेरंड संहिता**
विषय	योग
भाषा	संस्कृत
कर्ता	अज्ञात महर्षि घेरंड
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	14
माप	32x12 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – प्रस्तुत पुस्तक में महर्षि घेरंड ने अपने शिष्य चण्डकापालि को योग का जो उपदेश दिया है वह संक्षिप्त होने पर भी सार रूप से अत्यन्त महत्वपूर्ण है।



क्रमांक	123: I. 4 i 6
ग्रंथनाम	**1. छाया पुरुष विचार 2. विराट् स्वरूप 3. विचित्र नामावलि 4. योग एवं प्राणायाम**
विषय	योग
भाषा	संस्कृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	16
माप	20x18 जे. मी.

क्रमांक 124: I. 5 ii 1
ग्रंथनाम **1. एकाक्ष नारिकेल कल्प**
2. गोरोचन कल्प
विषय परा प्राकृत
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 3
माप 22x10.5 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – एकाक्ष नारियल दो जटा वाला हो और एक नेत्र वाला हो तो चिंतामणि तुल्य अभीष्ट फल होता है, मंगल मूहूर्त में पूजा कर रखने से सर्व सिद्धि प्रद.



क्रमांक 125: I. 5 ii 2
ग्रंथनाम **1. श्वेतार्क 2. दक्षिणावर्ती शंख कल्प**
विषय परा प्राकृत
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 1
माप 23.7x10.8 से. मी.



क्रमांक 126: I. 5 ii 3
ग्रंथनाम **बीसा यंत्र के विभिन्न लाभदायक प्रयोग**
विषय परा प्राकृत
भाषा हिन्दी राजस्थानी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 2
माप 15x12.3 से. मी.

क्रमांक 127: I. 5 ii 4
ग्रंथनाम **रुद्राक्ष कल्प**
विषय परा प्राकृत
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 2
माप 23.5X10 से. मी.



क्रमांक 128: I. 5 ii 5
ग्रंथनाम **श्वेत जवारा विधि (श्वेतांकुर विधि)**
विषय परा प्राकृत
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 1
माप 19x11 से. मी



कमांक 129: I. 5 ii 6
ग्रंथनाम **श्वेतार्क विधि (साधन विधि)**
विषय परा प्राकृत
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 1
माप 23.3x10.7 से. मी.

ज्योतिष

क्रमांक 130: I. 20 i 2
ग्रंथनाम **बृहद् भृगु संहिता**
विषय ज्योतिष
भाषा संस्कृत
कर्ता महर्षि भृगु
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 3600 (सभी खण्डों की)
माप 34x20 एवं 26x13 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लग्न एवं चन्द्र के आधार पर विगत, वर्तमान भविष्य का फलादेश एक अतिरिक्त खण्ड में यम, रावण कुबेर आदि की जन्म कुन्डलियाँ भी.



क्रमांक 131: I. 20 i 3
ग्रंथनाम **रणवीर ज्योतिर्महानिबन्ध**
विषय ज्योतिष
भाषा संस्कृत
कर्ता महेश दैवज्ञ
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 700
माप 30x24 से. मी.



क्रमांक 132: I. 20 i 4
ग्रंथनाम **जातक सार**
विषय ज्योतिष
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1929
पत्र सं. 189
माप 34X15 से. मी.

क्रमांक 133: I. 20 i 5
ग्रंथ नाम **मीनराज**
विषय ज्योतिष
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1929
पत्र सं. 153
माप 32x16 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकर्ता-सखाराम चिन्तामणि



क्रमांक 134: I. 20 i 6
ग्रंथ नाम **नारचन्द्र टिप्पण**
विषय ज्योतिष
भाषा संस्कृत
कर्ता सागरचन्द्र सूरि
लिपिकाल सं. 1786
पत्र सं. 29
माप 25.5x11 से. मी.



क्रमांक 135: I. 20 v 7
ग्रंथ नाम **ब्रह्मतुल्य करण (करण कुतूहल सटीक नार्मदी टीका युक्त)**
विषय ज्योतिष
भाषा संस्कृत
कर्ता मूल-भास्कराचार्य, टीका-"पद्मनाभ"
लिपिकाल 1928 वि.
पत्र सं. 131
माप 24x12 5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकर्ता–अर्जुन शर्मा भास्कराचार्य के पिता महेश्वर सर्वशास्त्रों के प्रकाण्ड विद्वान थे एवं "बिजौलिया" बूँदी के निकट के निवासी थे ।

वास्तुशास्त्र विषयक सचित्र ग्रन्थ

भृगुसंहिता के दो हस्तलिखित पृष्ठ

बाबर कालीन (उल्लेखित) नरपतिजयचर्या नामक सचित्र ग्रन्थ

शकुन शास्त्र

क्रमांक 136: I. 20 v 1
ग्रंथनाम **वसन्तराज शाकुन**
विषय शकुन
भाषा संस्कृत
कर्ता वसन्तराज
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 144
माप 22.8 x 12.5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – कुल पृष्ठ 145, अन्तिम एक पृष्ठ अप्राप्य ।



क्रमांक 137: I. 20 v 2
ग्रंथनाम **शकुनावली**
विषय शकुन
भाषा हिन्दी (पद्य बद्ध]
कर्ता भडली
लिपिकाल सं. 1986,
पत्र सं. 29
माप 23 x 18 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकर्ता बालचन्द्र



क्रमांक 138: I. 20 v 3
ग्रंथनाम **शकुनरत्नावली सटीक [वसन्त-राजशाकुनान्तर्गत]**
विषय शकुन
भाषा संस्कृत-हिन्दी-राजस्थानी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1800
पत्र सं. 47
माप 28 x 12 से. मी.

क्रमांक 139: I. 20 v 4
ग्रंथनाम **पंच पक्षी शकुन (स्वरबोध)**
विषय शकुन
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 7
माप 23·5x10·2 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – पंच पक्षी—श्येन, पिंडाली, वायस ताम्रचूड, नीलकंठ । (बाज, सोन चिडी, कौवा, मुर्गा, मोर)



क्रमांक 140: I. 20 v 5
ग्रंथनाम **प्रश्नोत्तरी**
विषय शकुन
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1880
पत्र सं. 20
माप 24x12 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकर्ता विजयदान सूरी, शोभन लिपि मकसूदाबाद मध्ये [भागीरथी तटे]



क्रमांक 141: I. 20 v 6
ग्रंथनाम **पक्षी चेतावनी**
विषय शकुन
भाषा हिन्दी (पद्य)
कर्ता कवि मिश्रीलाल
लिपिकाल सं. 1879
पत्र सं. 9
माप 21·2x14·7 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – रंगीन तालिका युक्त

स्वरोदय

क्रमांक 142: I. 4 ii 1
ग्रंथनाम **पवन विजय स्वैरोदय शास्त्र**
विषय स्वरोदय
भाषा संस्कृत–हिन्दी
कर्ता शिव-पार्वती संवाद
लिपिकाल सं. 1903
पत्र सं. 25
माप 25x11 से. मी.



क्रमांक 143: I 5 ii 2
ग्रन्थनाम **शिव स्वरोदय**
विषय स्वरोदय
भाषा हिन्दी
कर्त्ता शिवोक्त
लिपिकाल 19 वीं. श.
पत्र सं. 8
माप 21x15 से.मी.
विशेष ज्ञातव्य – स्वरोदय सम्बन्धी आदि ग्रन्थ ।



क्रमांक 144: I. 4 ii 3
ग्रंथनाम **ज्ञान स्वरोदय**
विषय स्वरोदय
भाषा हिन्दी सधुक्कड़ी
कर्त्ता चरण दास
लिपिकाल 20 वी. श.
पत्र सं. 8
माप 27·7x19.5 से. मी.

क्रमांक 145: I. 4 ii 4
ग्रंथनाम **स्वरोदय शास्त्र**
विषय स्वरोदय
भाषा हिन्दी
कर्त्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वी. श.
पत्र सं. 26
माप 23x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – सम्भवतः पवन विजय स्वरोदय पर आधारित ।



क्रमांक 146: I. 4 ii 5
ग्रन्थनाम **सिद्ध शाबरतंत्रगत (पवन विजय स्वरोदय)**
विषय स्वरोदय
भाषा संस्कृत–हिन्दी
कर्त्ता शिव संवाद
लिपिकाल सं. 1865
पत्र सं. 11
माप 23x10.5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – दत्तात्रेय नारायण की पुस्तक



क्रमांक 147: I 4 ii 6
ग्रंथनाम **कबीर साहब का स्वरोदय**
विषय स्वरोदय
भाषा हिन्दी सधुक्कड़ी
कर्त्ता कबीर
लिपिकाल 19 वीं. श.
पत्र सं. 13
माप 23x10·8 से.मी.

रमल शास्त्र

क्रमांक 148: I. 20 ii 1
ग्रंथनाम **रमल रहस्यम्**
विषय रमल
भाषा संस्कृत
कर्त्ता अज्ञात
लिपिकाल 18 वीं. श.
पत्र सं. 25
माप 26X13·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – चित्र सं. 7



क्रमांक 149: I. 20 ii 2
ग्रंथनाम **ज्योतिष रमलशास्त्र प्रश्न तंत्रम्**
विषय रमल प्रश्न तंत्र
भाषा संस्कृत
कर्त्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1813
पत्र सं. 13
माप 24·2x13 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपकर्त्ता—जोशी भीमसेन
लिपिस्थान–जयपुर



क्रमांक 150: I. 20 ii 3
ग्रंथनाम **रमलेन्दु प्रकाश**
विषय रमल
भाषा संस्कृत
कर्त्ता गौड़ विप्र वाल्मीकि
लिपिकाल 15 वीं. श.
पत्र सं. 13
माप 25x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकार रुद्रमणि

क्रमांक 151: I. 20 ii 4
ग्रंथ नाम **रमल चिंतामणि**
विषय रमल
भाषा संस्कृत
कर्त्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1856
पत्र सं. 16
माप 26·5x11 से. मी.



क्रमांक 152: I. 20 ii 5
ग्रंथनाम **पासा केवली**
विषय रमल
भाषा संस्कृत
कर्त्ता गर्गाचार्य
लिपिकाल सं. 1926
पत्र सं. 8
माप 24·5x12·2 से. मी.



क्रमांक 153: I. 20 ii 6
ग्रंथनाम **रमल नवरत्न**
विषय रमल-ज्योतिष
भाषा संस्कृत
कर्त्ता परमसुखोपाध्याय
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 30
माप 31·5x14·5 से. मी.

सामुद्रिक

क्रमांक 154: I 20 iv 1
ग्रंथनाम **हस्त संजीवनी सामुद्रिक**
विषय सामुद्रिक
भाषा संस्कृत
कर्त्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1905
पत्र सं. 17
माप 19x33 से. मी.

—

क्रमांक 155: I. 20 iv 2
ग्रंथनाम **सामुद्रिक शास्त्र**
विषय स्त्री पुरुष लक्षण वर्णन
भाषा हिन्दी
कर्त्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श. पूर्वार्द्ध
पत्र सं. 31
माप 13x17 से. मी.

—

क्रमांक 156: I. 20 iv 3
ग्रंथनाम **सामुद्रिक हस्त लक्षण**
विषय सामुद्रिक
भाषा संस्कृत
कर्त्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1925
पत्र सं. 17
माप 22x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकर्त्ता—मथुरा लाल, कष्ण-गढ़ मध्ये.

क्रमांक 157: I. 20 iv 4
ग्रंथनाम **सामुद्रिक महाशास्त्र**
विषय सामुद्रिक
भाषा संस्कृत
कर्त्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 21
माप 32·5x13·5 से. मी.

—

क्रमांक 158: I. 20 iv 5
ग्रंथनाम **सामुद्रिक शास्त्र**
विषय सामुद्रिक
भाषा संस्कृत
कर्त्ता नारद महर्षि
लिपिकाल सं. 1945
पत्र सं. 32
माप 25x11·5 से. मी.

—

क्रमांक 159: I. 20 iv 6
ग्रंथनाम **सामुद्रिक शास्त्र** (षोडश लक्षण)
विषय सामुद्रिक
भाषा संस्कृत
कर्त्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 15
माप 26x13·5 से. मी.

क्रमांक 160: I. 19 i 1
ग्रंथनाम रत्न संहिता
विषय रत्न
भाषा संस्कृत
कर्ता अगस्त्य मुनि
लिपिकाल 20 वीं श.
पत्र सं. 71
माप 21x34 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – मूल प्रति से की गयी प्रतिलिपि विशिष्ट ग्रंथ



क्रमांक 161: I. 19 i 2
ग्रंथनाम **रत्नमाला**
विषय रत्न
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 11
माप 24·5x11·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – अशंत: अपूर्ण



क्रमांक 162: I. 19 i 3
ग्रंथनाम **रत्न सागर**
विषय रत्न शास्त्र
भाषा संस्कृत [पद्य]
कर्ता अगस्त्य मुनि
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 70
माप 18x14 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – विशिष्ट ग्रंथ नवरत्नों [माणिक्य-मुक्ता, प्रवाल, पन्ना, पुखराज, हीरक, नीलम, लहसुनिया गोमेदक] के शुभाशुभ, उपयोगिता एवं धारण सम्बन्धी विवेचन.

क्रमांक 163: I. 19 i 4
ग्रंथनाम **रत्नपरीक्षा [रत्न वल्लभ] सटीक**
विषय रत्न
भाषा सस्कृत राजस्थानी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 17 वीं श.
पत्र सं. 37
माप 25x11.3 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – संभवत: यह ग्रंथ अगस्त्य मुनि प्रणीत रत्नसागर से प्रेरित होकर लिखा गया है।



क्रमांक 164: I. 19 i 5
ग्रंथनाम **रत्न बोध**
विषय रत्न
भाषा हिन्दी (पद्य)
कर्ता राम कवि
लिपिकाल सं. 1995
पत्र सं. 20
माप 22·5x14·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – दुर्लभ्य ग्रंथ, लिपिकर्ता 'जोधा' सुजाण सिंघोत लिपिस्थान सीतामऊ



क्रमांक 165: I 19 i 6
ग्रंथनाम **1. रत्न परिक्षा 2. जातकालंकार**
विषय रत्न
भाषा हिन्दी [पद्य]
कर्ता माधव कायस्थ कुलोत्पन्न
लिपिकाल सं 1764
पत्र सं. 28
माप 16·5x11·2 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – ग्रंथ में मुक्ता, विद्रुम, माणिक, सपमणि, अकीक लाजवर्द फिरोजा आदि रत्नों के गुण दोषादि का वर्णन है.

रावण विरचित ग्रन्थ

क्रमांक 166: I. 14 ii 1
ग्रंथनाम **अर्क प्रकाश**
विषय रसायन
भाषा संस्कृत
कर्ता रावण लंकेश्वर
लिपिकाल सं. 1859
पत्र सं. 78
माप 24·5x11·7 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – धातु शुद्धि विषयक



क्रमांक 167: I. 14 iii 2
ग्रंथनाम **कुमार तन्त्रम्**
विषय बाल चिकित्सा
भाषा संस्कृत
कर्ता लंकाधिपति रावण
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 4
माप 26·5x11·3 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – शिशु [बाल] चिकित्सा विषयक महत्वपूर्ण ग्रंथ ।



क्रमांक 168: I. 5 i 2
ग्रंथनाम **उड्डीश तन्त्र**
विषय तंत्र
भाषा संस्कृत
कर्ता लंकाधिपति रावण
लिपिकाल सं. 1932
पत्र सं. 30
माप 29x14 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – मारण मोहन वशीकरण उच्चाटन तथा असाध्य रोगों आदि को चिकित्सा, लिपिकर्ता वज्राचार्य ।

क्रमांक 169: I. 3 i 83
ग्रंथनाम **प्रदोष ताण्डव स्तोत्र [शिव ताण्डव स्तोत्र]**
विषय स्तोत्र
भाषा संस्कृत
कर्ता लंकेश्वर रावण
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 1
माप 20·5x11 से. मी.



क्रमांक 170: I. 14 i 1
ग्रंथनाम **आयुर्वेद महोदधिः**
विषय आयुर्वेद
भाषा संस्कृत
कर्ता सुषेण
लिपिकाल सं. 1819
पत्र सं. 11
माप 30·2x13·8 से. गी.
विशेष ज्ञातव्य – 'सुषेण रावण के आश्रय में लंका में निवास करता था । लक्ष्मण को शक्ति लगने पर हनुमान द्वारा लंका से ले जाया गया और 'संजीवनी द्वारा चिकित्सा की ।



क्रमांक 171: I. 5 i 3
ग्रंथनाम **रावण तंत्र**
विषय तंत्र
भाषा राजस्थानी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 1
माप 23x11·3 से. मी.

तन्त्र शास्त्र

क्रमांक	172: I. 5 i 4
ग्रंथनाम	**कुल प्रदीप**
विषय	तंत्र
भाषा	संस्कृत
कर्ता	शिवानन्दाचार्य
लिपिकाल	स. 1863
पत्र सं.	53
माप	26x11 से. मी.



क्रमांक	173: I. 5. i 5
ग्रंथनाम	**कुलार्णव [सम्पूर्ण]**
विषय	तंत्र
भाषा	सस्कृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	186
माप	20x10 से. मी.



क्रमांक	174: I. 5 i 6
ग्रंथनाम	**कौल कुतूहल**
विषय	तंत्र
भाषा	संस्कृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	163
माप	23x17 से. मी.

क्रमांक	175: I. 5 i 7
ग्रंथनाम	**श्यामा-रहस्य**
विषय	तंत्र
भाषा	संस्कृत
कर्ता	परम हंस पूर्णानन्द
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	63
माप	30x15 से. मी.



क्रमांक	176: I. 5 i 8
ग्रंथनाम	**चक्र पूजा विधि**
विषय	तत्र
भाषा	संस्कृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	सं. 1809
पत्र सं.	30
माप	25x11 से. मी.



क्रमांक	177: I. 5 i 9
ग्रंथनाम	**भैरवी चक्र [रात्रि पूजा]**
विषय	तंत्र
भाषा	संस्कृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	10
माप	15x10 से. मी.

काम शास्त्र

क्रमांक 178: I. 6 i 1
ग्रन्थनाम **मन्मथ संहिता**
विषय काम शास्त्र
भाषा संस्कृत
कर्त्ता रति-काम संवादे
लिपिकाल 1905
पत्र संख्या 7
माप $28\frac{1}{2}$x$12\frac{1}{2}$ से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – सूत्रात्मक शैली में रति-भाव-परक ग्रंथ । धर्म, अर्थ, काम, मोक्षादि का साधन भी इसी काम भाव को बताया गया है । यह ग्रंथ "फाल्गुन महात्म्य" नाम से भी विख्यात है ।

□

क्रमांक 179: I. 6 i 2
ग्रंथनाम **मदन विनोद**
विषय काम शास्त्र
भाषा हिन्दी
कर्त्ता जान कवि
लिपिकाल सं. 1690
पत्र सं. 34
माप 24x16 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – प्रस्तुत ग्रंथ शाहजहां के समय में लिखा गया है । इसमें नायिका लक्षण-सुरत आसन-बाजीकरणयोगादि का वर्णन है ।

□

क्रमांक 180: I. 6 i 3
ग्रन्थ नाम **कोक शास्त्र**
विषय काम शास्त्र
भाषा हिन्दी
कर्त्ता जैन मुनि "नरबद"
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 48
माप 26x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – जैन मुनि "नरबद" द्वारा परमात्मा हेतु लिखा जाने वाला काम-शास्त्रीय विवेचनात्मक एक दुष्प्राप्य ग्रंथ ।

क्रमांक 181: I, 6 i 4
ग्रंथनाम **अनंग रंग** (भाषा टीका सहित)
विषय काम शास्त्र
भाषा संस्कृत-हिन्दी
कर्त्ता कल्याण मल्ल
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 51
माप $19\frac{1}{2}$x18 से मी
विशेष ज्ञातव्य – अनंग रंग की उल्लेखित भाषा टीका जो अप्रकाशित है और सारगर्भित है ।



क्रमांक 182: I. 6 i 5
ग्रंथनाम **कोक कलाधर** (भाषा वचनिका)
विषय काम शास्त्र
भाषा ब्रजभाषा
कर्त्ता अज्ञात
लिपिकाल 20वीं श.
पत्र सं. 59 (अंतिम पत्र अप्राप्त)
माप 19x16 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – प्रस्तुत ग्रंथ में रतिभेद वर्णन है ।



क्रमांक 183: I. 6 i 6
ग्रंथनाम **कोक सार मंजरी भाषा टीका सहित**
विषय काम शास्त्र
भाषा हिन्दी
कर्त्ता आनन्द कवि
लिपिकाल 1905
पत्र सं. 37
माप 19x15 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – पुरुष-स्त्री लक्षण, रति-भेद-आसनादि का विवेचन है ।

क्रमांक 184: I. 14 ii 2
ग्रंथनाम **रसेन्द्र मंगलम्**
विषय रस रसायन
भाषा संस्कृत
कर्त्ता नागार्जुन
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 51
माप 30x10 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – भूधर, डमरू, दाहिका, अग्निप्लोमाय, हडिका, गजदन्त, पीठ आदि यन्त्रों के रेखांकनों से युक्त रस शास्त्र के प्रसिद्ध ग्रंथ 'रसेन्द्र मंगल' की प्राचीन प्रति'।



क्रमांक 185: I. 14 ii 3
ग्रंथनाम **रस रत्नाकर**
विषय रस रसायन
भाषा संस्कृत
कर्त्ता पार्वती पुत्र नित्याथ सिद्ध
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 114
माप 30x19 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – धातु जारण-मारण, रंजन एवं रस चिकित्सा विषयक।



क्रमांक 186: I. 14 ii 4
ग्रंथनाम (रस) **चिकित्सार्णव**
विषय रसायन
भाषा संस्कृत
कर्त्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1846
पत्र सं. 59
माप 30x14 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – जयपुर नगर में लिखा रस चिकित्सा, विष लक्षण, गुण, धातुभेद एवं पदार्थ गुण व्याख्या विषयक।

क्रमांक 187: I. 14 ii 5
ग्रंथनाम **रस मंजरी**
विषय रस रसायन
भाषा संस्कृत
कर्त्ता पं. श्री वैद्यनाथ तनय श्री शालिनाथ
लिपिकाल सं. 1841
पत्र सं. 41
माप 33x14 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – मृत संजीवनी रस, मृत संजीवनी गुटिका, मदन कामदेव रस, आदि से सम्बद्ध कायाकल्प एवं कायासिद्धि परक।



क्रमांक 188: I. 14 ii 6
ग्रंथनाम **कक्षपुटि**
विषय रसायन
भाषा संस्कृत
कर्त्ता सिद्ध नागार्जुन
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र स. 27
माप 26X12 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – जल संतरण, देह सिद्धि, अदृश्यीकरण, धातु भेद, दिव्योषधि एवं गुटिका युक्त दुष्प्राप्य ग्रंथ।



क्रमांक 189: I 14 ii 7
ग्रंथनाम **रसेन्द्र चिन्तामणि**
विषय रसायन
भाषा संस्कृत
कर्त्ता राम चन्द्र गुह
लिपिकाल 18वीं श.
पत्र सं. 61
माप 29x14 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – जारण-रंजन-मारण-क्रामण-भेदन भक्षण और रोग लक्षण-रक्षण युक्त चर्चित रस ग्रंथ।

क्रमांक 190: I. 14 i 2
ग्रंथनाम **भिषक् चक्र चित्तोत्सव**
विषय रोग लक्षण
भाषा संस्कृत
कर्त्ता हंसराज
लिपिकाल सं. 1920
पत्र सं. 16
माप 24X15 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – दुर्लभ लक्षण ग्रंथ है, इसमें अनेक रोगों के लक्षण स्पर्श-दर्शन-प्रश्न आदि आधारों पर निश्चित किये गये हैं ग्रंथ का लिपिकार बलदेव ब्राह्मण है। लिपिस्थान सवाई माधोपुर भाषा सरल और लिपि सुपाठ्य है।

—

क्रमांक 191: I. 14 i 3
ग्रंथनाम **गोविन्द दासोत्सव**
विषय रोग-निदान
भाषा संस्कृत
कर्त्ता मुकुन्द मिश्र
लिपिकाल सं. 1839
पत्र सं. 9
माप 28·7x15 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – पद्य मय प्रांजल भाषा। अनेक रोगों का निदान ग्रंथ अलभ्य एवं अप्रकाशित। लिपि स्थान श्योपुर तथा लिपिकर्त्ता देवीचन्द्र।

—

क्रमांक 192: I. 14 i 4
ग्रंथनाम **चिकित्सा सागर**
विषय चिकित्सा
भाषा संस्कृत
कर्त्ता श्री वत्सेश्वर
लिपिकाल सं. 1853
पत्र सं. 32
माप 30·5X14·7 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – गरुण पुराण तथा सुश्रुत को आधार मानकर लिखा गया चिकित्सा ग्रंथ। अनेक रोगों की चिकित्सा के साथ गारुड़ी चिकित्सा भी।

क्रमांक 193: I. 14 i 5
ग्रंथनाम **वीरसिंहावलोक**
विषय रोग लक्षण एवं निदान
भाषा संस्कृत
कर्त्ता श्री वीरसिंह देव
लिपिकाल स. 1834
पत्र सं. 137
माप 31X14 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – ज्योतिष कर्म विपाक आयुर्वेद प्रयोगों पर आधारित रोग लक्षण एवं रोग निदान ग्रंथ। प्रामाणिक दुर्लभ्य प्रति। इसका रचनाकाल 1438 है।

—

क्रमांक 194: I. 14 i 6
ग्रंथनाम **सज्जन रंजना**
विषय रोग लक्षण निदान तथा औषध निर्माण
भाषा ब्रज मिश्रित हिन्दी
कर्त्ता शाङ्गधर
लिपिकाल स. 1758
पत्र सं. 241
माप 30X10 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – 'शाङ्गधर संहिता' का भाष्य है, इसकी भाषा तत्कालीन ब्रजभाषा का स्वरूप स्पष्ट करती है, अलभ्य ग्रंथ।

—

क्रमांक 195: I. 14 i 7
ग्रंथनाम **नयन दीपक**
विषय नेत्र चिकित्सा
भाषा
कर्त्ता कृपाराम द्विज
लिपिकाल 17वीं श.
पत्र सं. 73
माप

विशेष ज्ञातव्य – लिपिस्थान उदयपुर, महाराणा संग्राम सिंह के समय उनकी प्रेरणा से लिखा गया। लिपिकार अमृत सागर ब्राह्मण।

क्रमांक 196: I 7 vi 2
ग्रन्थनाम **रेखता- सत प्रकाश ग्रंथ**
विषय सन्त साहित्य
भाषा राज. हिन्दी (सधुक्कड़ी)
कर्त्ता सन्त तारण दास
लिपिकाल सं. 1922
पत्र सं 277
माप —



क्रमांक 197: I. 7 vi 3
ग्रंथनाम **दादूवाणी संग्रह (गुटका)**
विषय संत साहित्य
भाषा हिन्दी, राज. सधुक्कड़ी
कर्त्ता दादू दयाल
लिपिकाल सं. 1842
पत्र सं. 322
माप 23X14½ से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – अंग, साखी, सूहा, बेली-पद वाणी सोरठ आदि का संग्रह। अंत में गरीब दास की वाणी भी है।



क्रमांक 198: I 7 vi 4
ग्रंथनाम **सत साहित्य संग्रह (गुटका)**
विषय संत साहित्य
भाषा हिन्दी राजस्थानी
कर्त्ता शंकराचार्य-दादूदयाल- सुंदरदास रज्जब, जगन्नाथ, भगवान दास निरंजनी-बालक दास आदि
लिपिकाल सं. 1800 से 1804 तक
पत्र सं. —
माप 21X11
विशेष ज्ञातव्य – सचित्र संत साहित्य, अत्यन्त दुष्प्राप्य, लिपिकार जगरामदास, जोधपुर महाराजा अभय सिंह जी के राज्यकाल में लिखित, लिपिस्थान—नागर जी का बाग।

क्रमांक 199: I. 7 vi 5
ग्रंथनाम **चमन चरची तथा चर्चा (गुटका)**
विषय संत साहित्य
भाषा हिन्दी
कर्त्ता नागरीदास, सूरदास, केशवदास आदि
लिपिकाल सं. 1791
पत्र सं. 141
माप 19X13 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – फाग विहार-वृंद सतसई-नसीहत-नामा-कविचन्द कृत बारह मासा-विवेक बावनी-आदि लघु ग्रंथ सम्मिलित हैं।



क्रमाक 200 : I. 7 vi 6
ग्रंथनाम **जगजीवन दास जी की वाणी (दृष्टांतों की साखी)**
विषय संत साहित्य
भाषा हिन्दी
कर्त्ता जगजीवन दास
लिपिकाल 1955 वि.
पत्र सं. 13
माप 20X14 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य–अप्रकाशित संत साहित्य



क्रमांक 201: I. 7 vi 7
ग्रंथनाम **सुन्दर शृंगार**
विषय संत साहित्य
भाषा हिन्दी
कर्त्ता सुन्दर दास
लिपिकाल 18वीं श.
पत्र सं. 47
माप 26X11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – पाँडित्यपूर्ण प्रौढ़ शृंगार परक रचना।

जैन साहित्य

क्रमांक	202: I. 7 i 40
ग्रंथनाम	**उपदेश रत्न माला**
विषय	जैन
भाषा	संस्कृत
कर्ता	सकल भूषण
लिपिकाल	सं. 1916
पत्र सं.	123
माप	27·5x11. से. मी.



क्रमांक	203: I. 7 i 41
ग्रंथनाम	**सुबुद्धि प्रकाश**
विषय	जैन
भाषा	हिन्दी
कर्ता	थानसिंह
लिपिकाल	सं. 1847
पत्र सं.	146
माप	28·5x13 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – पद्यमय



क्रमांक	204: I. 7 i 42
ग्रंथनाम	**त्रैलोक्य सार**
विषय	जैन
भाषा	संस्कृत हिन्दी राजस्थानी
कर्ता	पं. टोडरमल
लिपिकाल	सं. 1847
पत्र सं.	285
माप	28·5x19 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – लिपिस्थान जयपुर चित्र सं. 42

क्रमांक	205: I. 7 ii 7
ग्रंथनाम	**आराधना सारे (कथा कोश)**
विषय	जैन
भाषा	संस्कृत
कर्ता	भट्टारक मल्लिभूषण (शिष्य-ब्रह्मनेमिदत्त)
लिपिकाल	सं. 1864
पत्र सं.	192
माप	26·7x13 से. मी.



क्रमांक	206: I. 7 i 43
ग्रंथनाम	**1. तत्वार्थ सूत्र वचनिका** **2. चरचा शतक**
विषय	जैन
भाषा	संस्कृत राजस्थानी
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	सं. 1992
पत्र सं.	188
माप	28X23 से. मी.



क्रमांक	207: I. 7 i 44
ग्रंथनाम	**गुटका**
विषय	जैन
भाषा	हिन्दी राजस्थानी
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	226
माप	25·5X20·4 से.मी.

क्रमांक 208: I. 7 iv 7
ग्रंथनाम **भवानी गीत**
विषय साहित्य
भाषा संस्कृत
कर्ता कवि काशीराम
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 24
माप 31X12 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – गीति प्रधान



क्रमांक 209: I. 7 iv 8
ग्रंथनाम **गीत एवं गौरीश**
विषय साहित्य
भाषा संस्कृत
कर्ता भानुदत्त मिश्र
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 40
माप 19x11·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – संगीत प्रधान



क्रमांक 210: I. 7 iv 9
ग्रंथनाम **शिवताण्डव टीका (व्याख्या संहित) अनूपाराम संज्ञका**
विषय साहित्य
भाषा संस्कृत
कर्ता नीलकण्ठ
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 38
माप 29·4X12·3 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – महाराज कर्णसिंह (बीकानेर) अनुज अनूपसिंह प्रेरित। यह टीका अप्रकाशित प्रतीत होती है।

क्रमांक 211: I. 7 iv 10
ग्रंथनाम **स्फुट शृंगारिक पद्य**
विषय शृंगार
भाषा संस्कृत
कर्त्ता अज्ञात
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 8
माप 27X12 से. मी.



क्रमांक 212: I. 7 iv 11
ग्रंथनाम **काम संहिता**
विषय राधा कृष्ण विषयक शृंगारिक
भाषा संस्कृत
कर्त्ता वृन्दा शौनक संवाद गत
लिपिकाल 1701
पत्र सं. 42
माप 23x11 से. मी.



क्रमांक 213: I. 8 i 3
ग्रंथनाम **क्रिया कलापः**
विषय व्याकरण
भाषा संस्कृत
कर्त्ता विजयानन्द
लिपिकाल सं. 1887
पत्र सं. 9
माप
विशेष ज्ञातव्य – व्याकरण का अद्यावधि अनुपलब्ध ग्रंथ।

संस्कृत साहित्य

क्रमांक 214: I. 7 iv 12
ग्रंथनाम **शृंगार रस मण्डल**
विषय साहित्य (प्रकीर्ण काव्य)
भाषा संस्कृत
कर्त्ता विठ्ठलेश्वर दीक्षित
लिपिकाल 18वीं श.
पत्र सं. 27
माप 22X9 से. मी.



क्रमांक 215: I. 7 iv 13
ग्रंथनाम **भामिनी विलास**
विषय साहित्य
भाषा संस्कृत
कर्त्ता पंडित राज जगन्नाथ
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 36
माप 22x10 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – स्त्रियों की शृंगारिक चेष्टाओं का विशद विवेचन



क्रमांक 216: I. 7 iv 14
ग्रंथनाम **कृष्ण कर्णामृत**
विषय साहित्य
भाषा संस्कृत
कर्त्ता लीला शुक
लिपिकाल 18वीं श.
पत्र सं. 10
माप 29x10 से. मी.

क्रमांक 217: I. 7 v 6
ग्रंथनाम **रावणवध महाकाव्य**
विषय साहित्य
भाषा संस्कृत
कर्त्ता भट्टी
लिपिकाल सं. 1758
पत्र सं. 62
माप 31·5x10·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – व्याकरण बोध हेतु अत्यन्त उपादेय, व्याकरण के क्लिष्ट प्रयोगों को काव्यमय रूप दिया गया है।



क्रमांक 218: I. 7 iv 15
ग्रंथनाम **गीत गोविन्द सटीक (वनमाली संजीवनी)**
विषय साहित्य
भाषा संस्कृत
कर्त्ता महाकवि जयदेव
लिपिकाल सं. 1676
पत्र सं. 61
माप 36x15·6 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – टीकाकार वनमाली भट्ट



क्रमांक 219 : I. 7 iv 16
ग्रंथनाम **पद्यावलि**
विषय स्फुट पद संग्रह
भाषा संस्कृत
कर्त्ता मुकुन्द
लिपिकाल सं. 1812
पत्र सं. 23
माप 31x15·6 से. मी.

व्याकरण

क्रमांक	220: I. 8 i 4
ग्रंथनाम	**शब्द कौस्तुभ**
विषय	व्याकरण
भाषा	संस्कृत
कर्त्ता	भट्टोजि भट्ट
लिपिकाल	19वीं श.
पत्र सं.	248
माप	26·3x12 से. मी.



क्रमांक	221: I. 8 i 5
ग्रंथनाम	**सारस्वत चन्द्रिका (गणांत)**
विषय	व्याकरण
भाषा	संस्कृत
कर्त्ता	अज्ञात
लिपिकाल	19वीं श.
पत्र सं.	54
माप	22x10 से. मी.



क्रमांक	222: I. 8 i 6
ग्रंथनाम	**शब्देन्दु शेखर टीका (चन्द्रकला)**
विषय	व्याकरण
भाषा	संस्कृत
कर्त्ता	भैरव मिश्र
लिपिकाल	सं. 1879
पत्र सं.	335
माप	24·5x10.6 से. मी.

क्रमांक	223: I. 8 i 7
ग्रंथनाम	**तत्व बोधिनी**
विषय	व्याकरण
भाषा	संस्कृत
कर्त्ता	अज्ञात
लिपिकाल	18वीं श.
पत्र सं.	387
माप	27x12 से. मी.



क्रमांक	224 : I. 8 i 8
ग्रंथनाम	**सिद्धांत कौमुदी**
विषय	व्याकरण
भाषा	संस्कृत
कर्त्ता	भट्टोजि दीक्षित
लिपिकाल	19वीं श.
पत्र सं.	142
माप	27x11 से. मी.



क्रमांक	225: I. 8 i 9
ग्रंथनाम	**सारस्वत प्रक्रिया**
विषय	व्याकरण
भाषा	संस्कृत
कर्त्ता	अनुभूति स्वरूपाचार्य
लिपिकाल	19वीं श.
पत्र सं.	97
माप	27x12 से. मी.

क्रमांक 226: I. 9 i 1
ग्रंथनाम **अमर कोश टीका प्रथम, द्वितीय, तृतीय खण्ड,**
विषय कोश
भाषा संस्कृत
कर्ता अमर सिंह
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 31, 58, 82
माप 28·4x13, 28x12·8, 28x128 से. मी.

□

क्रमांक 227: I. 9 i 2
ग्रंथनाम **शारदा नाम माला कोश**
विषय कोश
भाषा संस्कृत
कर्ता हर्ष कीर्ति
लिपिकाल सं. 1812
पत्र सं. 27
माप 12x26 से. मी.

□

क्रमांक 228: I. 9 i 3
ग्रंथनाम **नानार्थेश्वर माला कोश**
विषय कोश
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1851
पत्र सं. 4
माप 26x12 से. मी.

क्रमांक 229: I. 9 i 4
ग्रंथनाम **नाम माला निर्णय**
विषय कोश
भाषा संस्कृत
कर्ता धनञ्जय
लिपिकाल 15 वीं श.
पत्र सं. 1
माप 30x13 से. मी.



क्रमांक 230: I. 9 i 5
ग्रंथनाम **अनेकार्थ मंजरी**
विषय कोश
भाषा संस्कृत
कर्ता नन्ददास
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 26
माप 15·5x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – 1. रूप दीप पिंगल, 2. 84 सिद्धों के नाम



क्रमांक 231: I. 9 i 6
ग्रंथनाम **बीज कोश**
विषय तंत्र
भाषा संस्कृत
कर्ता शिवोक्त
लिपिकाल सं. 1926
पत्र सं. 7
माप 25x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकर्ता–राम कमार

अप्रकाशित हिन्दी साहित्य

क्रमांक 232: I. 7 iv 17
ग्रंथनाम **सत्य मंगल**
विषय भक्ति रचना
भाषा हिन्दी
कर्ता राघव भट्टाचार्य
लिपिकाल सं. 1920
पत्र सं. 36
माप 20·5x10·8 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकर्ता जगन्नाथ दास



क्रमांक 233: I. 7 vi 8
ग्रंथनाम **भावना रहस्य**
विषय भक्ति परक दोहे संत साहित्य
भाषा हिन्दी
कर्ता रूपलता
लिपिकाल 20 वीं श.
पत्र सं. 8
माप 14·7x10 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – राम सीता विषयक स्फुट काव्य



क्रमांक 234: I. 7 iv 18
ग्रंथनाम **व्यवहार सार**
विषय कथानक के रूप में व्यावहारिक बातें
भाषा हिन्दी
कर्ता नन्दन कवि
लिपिकाल सं. 1793
पत्र सं. 37
माप 15·5x22·4 से. मी.

क्रमांक 235: I. 7 iv 19
ग्रंथनाम **सालव समर**
विषय काव्य
भाषा राज. हिन्दी
कर्ता जोगीदास (मुँहणोत)
लिपिकाल 1854
पत्र सं. 36
माप
विशेष ज्ञातव्य – प्रस्तुत वीर काव्य "सालव समर" हिन्दी राजस्थानी की अप्रकाशित कृति है। ओजस्वी वीर रस पूर्ण युद्ध वर्णन अत्यंत ही सजीव है।



क्रमांक 236: I. 7 iv 20
ग्रंथनाम **नर चरित्र**
विषय
भाषा हिन्दी
कर्ता ग्रेन साहब रसूल साही
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 91
माप
विशेष ज्ञातव्य – प्रस्तुत ग्रंथ में कवि ने "नर" को नारायण से भी उत्कृष्ट स्वीकारा है—"नर ही नारायण का बोधक है" इसी भाव पर इस ग्रंथ की रचना हुई है ।।



क्रमांक 237: I. 7 iv 22
ग्रंथनाम **रसराज**
विषय शृंगार परक
भाषा ब्रज
कर्ता महाकवि मतिराम
लिपिकाल सं. 1924
पत्र सं. 46
माप 30x20 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकर्ता कोटेश्वर दशोरा, लिपि स्थान उदयपुर ।



क्रमांक 238: I. 7 vi 9
ग्रंथनाम **आचार्य वैष्णव वार्ता**
विषय वार्ता
भाषा ब्रज
कर्ता वल्लभाचार्य
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 16–77
माप 18·5x16 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – अपूर्ण प्रति



क्रमांक 239: I. 7 vi 10
ग्रंथनाम **चौरासी वैष्णवों की वार्ता**
विषय वार्ता
भाषा ब्रज
कर्ता वल्लभाचार्य
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. (300) 4–303
माप 30x21 से. मी.

क्रमांक 240: I. 7 vi 11
ग्रंथनाम **चरणदास एवं सहजोबाई के पद**
विषय पद शब्द
भाषा ब्रज
कर्ता चरनदास सहजोबाई
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 247
माप 21x17
विशेष ज्ञातव्य – स्थूलाक्षर



क्रमांक 241: I. 7 iv 23
ग्रंथनाम **ब्रज विलास**
विषय काव्य
भाषा ब्रज
कर्ता ब्रजवासी दास
लिपिकाल सं. 1927
पत्र सं. 507
माप 31x21 से. मी.



क्रमांक 242: I. 7 vi 12
ग्रंथनाम **नागरीदास कृत ग्रंथों का संकलन**
विषय सत साहित्य
भाषा ब्रज
कर्त्ता नागरीदास
लिपिकाल 18वीं श.
पत्र सं. 89
माप 30x21 से. मी.

क्रमांक 243: I. 7 ix 1
ग्रंथनाम **पन्ना वीरमदेरी वारता**
विषय वार्ता
भाषा राजस्थानी
कर्त्ता कुँग्रर शेरसिंह
लिपिकाल 18वीं श.
पत्र सं. 52
माप 21·4x15·6 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – सरस शृंगारिक भाषा, सुन्दर लिपि।



क्रमांक 244: I. 7 ix 2
ग्रंथनाम **सूरज प्रकाश**
विषय काव्य
भाषा राजस्थानी
कर्त्ता कविया करणी दास
लिपिकाल स. 1877
पत्र सं. 421
माप –
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकर्त्ता–जयकृष्ण व्यास, पाली (मारवाड़)



क्रमांक 245: I. 7 ix 3
ग्रंथनाम **1. जगदेव पँवार री वारता 2. नासकेत रणेश्वर जी री कथा**
विषय वार्ता
भाषा राजस्थानी
कर्त्ता ग्रज्ञात
लिपिकाल सं. 1944
पत्र सं. 127
माप 21·5x15·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकर्त्ता बालमुकुन्द ब्राह्मण लिपिस्थान सिवाड़ ग्राम

क्रमांक 246: I. 7 ix 4
ग्रंथनाम **ढोला मरवण**
विषय प्रेमाख्यान
भाषा राजस्थानी
कर्त्ता –
लिपिकाल सं. 1748
पत्र सं. 70
माप 20x13 से. मी.



क्रमांक 247: I. 7 ix 5
ग्रंथनाम **1. भरथरी विलास 2. गाहणी जलाल री बात**
विषय काव्य
भाषा राजस्थानी
कर्ता यौवन राम
लिपिकाल सं. 1862
पत्र सं. 154
माप 29·5x23 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य –लिपिकर्त्ता-रतनचन्द्र जोशी, सिंवाड़ (शिवपुरी)



क्रमांक 248: I. 7 ix 6
ग्रंथनाम **1. चँद कँवर की बात 2. काका बत्तीसी 3 इश्क चमन 4. मस्त राम की बारखड़ी**
विषय बात, बत्तीसी ग्रादि
भाषा राजस्थानी
कर्ता ग्रज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 72
माप 21·2x16 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – काका बत्तीसी कर्ता शिवजी कवि तथा इश्क चमन नागरीदास कृत शेष दोनों के कर्ता ग्रज्ञात

क्रमांक	249: I. 2 i 2
ग्रंथनाम	**विवेक त्रय रत्न**
विषय	दर्शन
भाषा	संस्कृत
कर्ता	रामानुज दास
लिपिकाल	18वी श.
पत्र सं.	18
माप	27x12 से. मी.



क्रमांक	250: I. 2 i 3
ग्रंथनाम	**अष्टावक्र टीका**
विषय	दर्शन
भाषा	संस्कृत
कर्ता	विश्वेश्वर
लिपिकाल	19वीं श.
पत्र सं.	71
माप	25.5x12·5



क्रमांक	251: I. 2 i 4
ग्रंथनाम	**व्युत्पत्ति वाद विवेचन**
विसय	दर्शन (न्याय)
भाषा	संस्कृत
कर्त्ता	गदाधर भट्टाचार्य
लिपिकाल	शक सं. 1780
पत्र स.	86
माप	27·5x17·6 से. मी.

क्रमांक	252: I. 2 i 5
ग्रंथनाम	**पदार्थ तत्त्व निरूपण**
विषय	दर्शन
भाषा	संस्कृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	18 वीं श.
पत्र सां.	4
माप	33x10 से. मी.



क्रमांक	253: I. 2 i 6
ग्रंथनाम	**शक्तिवाद विवरण**
विषय	दर्शन
भाषा	संस्कृत
कर्ता	कृष्ण भट्ट
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सां.	30
माप	28x18·1 से. मी.



क्रमांक	254: I. 2 i 7
ग्रंथनाम	**वेदान्तसार टीका**
विषय	वेदान्त दर्शन
भाषा	सांस्कृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	18 वीं श.
पत्र सां.	61
माप	33x13·3 से. मी.

इतिहास

क्रमांक 255: I. 11 i 1
ग्रंथनाम **पृथ्वी राज रासो**
विषय इतिहास
भाषा हिन्दी
कर्ता चंद बरदाई
लिपिकाल सं. 1821
पत्र सं. 122
माप 27x17 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – 1. ठाकुर सुजाणसिंह जी रा छंद बारहठ मेघराजजी कृत 2. सुंदर सिंगार–विराज कवि 3. मधुमालती की बात–चतुर्भुजदास 4. अनंतराय सांवलरी वार्ता (कवाट सरवहैया री बात) दानव अरिहर समय 1906/5. गोरे बादल की वार्ता जटमल, धर्मसिंह का पुत्र 1906/6. राजनीति का कवित्त-देवीदास 7. पृथ्वीराजरासो वीरवंश अजमेर राजधानी खंड-चदवरदाई 8. पृथ्वी राज रासो दिल्ली सिंहासन प्राप्ति (चदरवरदाई)।



क्रमांक 256: I. 11 i 2
ग्रंथनाम **हमीर रासो**
विषय इतिहास
भाषा हिन्दी
कर्ता महेशकवि
लिपिकाल सं. 1840
पत्र सं. 81
माप 13x17½ से. मी.



क्रमांक 257: I. 11 i 3
ग्रंथनाम **युधिष्ठिर युग से मुगल पर्यन्त के राजा**
विषय इतिहास
भाषा हिन्दी
कर्ता —
लिपिकाल 20 वीं श.
पत्र सं. 57
माप 34x20 से. मी.

क्रमांक 258: I. 11 i 4
ग्रंथनाम **वीरबाण**
विषय इतिहास
भाषा राजस्थानी
कर्ता ढ़ाढी बादर
लिपिकाल 20 वीं श.
पत्र सं. 76
माप 24½x16½ से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लि. कर्ता प्रोहित मंगलराम



क्रमांक 259: I. 11 i 5
ग्रंथनाम **जयपुर का इतिहास [जयपुर, आमेर, रामगढ़, दौसा]**
विषय इतिहास
भाषा हिन्दी
कर्ता चौमू निवासी पं. हनुमान शर्मा
लिपिकाल 20 वीं श.
पत्र सं. 154
माप 21x16 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – 'राजस्थान का इतिहास' में जयपुर आमेर, रामगढ़ तथा दोसा के राजाओं का इतिहास वर्णित है।



क्रमांक 260: I. 11 i 6
ग्रंथनाम **राजसिंहवृत्त मयूख माला**
विषय इतिहास
भाषा संस्कृत
कर्ता यज्ञेश्वर दीक्षित
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 18
माप 18x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – महत्वपूर्ण अप्रकाशित इतिहास ग्रंथ शोभन लिपि से युक्त रंगीन चक्र आदि से अलंकृत।

भूगोल खगोल

क्रमांक 261: I. 12 i 1
ग्रंथनाम **गोल दर्पण (भूगोल खगोल विरोध परिहार)**
विषय भूगोल खगोल
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 10
माप 30·5x13.5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकर्ता-कालूराम, द्वीप, ध्रुव लोकादि का विस्तृत विवेचन



मांक 262: I. 12 i 2
ग्रंथनाम **भूगोल सार**
विषय भूगोल
भाषा हिन्दी
कर्ता ओंकार भट्ट (अष्टाग्राम मालवा निवासी)
लिपिकाल सं. 1840
पत्र सं. 60
माप 25·5x11·5 से. मी·
विशेष ज्ञातव्य – 40 रेखाचित्र सहित।



क्रमांक 263: I. 12 i 3
ग्रंथनाम **भूगोल पुराण**
विषय भूगोल
भाषा हिन्दी
कर्ता शिव–पार्वती संवाद
लिपिकाल सं. 1860
पत्र सं. 13
माप 20x14·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकर्त्ता–जयराम दास।

क्रमांक 264: I. 12 i 4
ग्रंथनाम **ध्रुवान्वेषण**
विषय भूगोल-खगोल
भाषा हिन्दी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 3
माप 22·2x16 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – गोलाँद (ग्रीन लैंड), इसलाँद (आइस लैंड) आदि द्वीपों की खोज तथा ध्रुवादि की खोज का विवरण, विभिन्न प्रदेशों से ध्रुवो की दूरी तथा उनकी खोज का समय।



क्रमांक 265: I. 12 i 5
ग्रंथनाम **अमेरिकियों द्वारा ध्रुव द्वीपादि की खोज**
विषय भूगोल
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 4
माप 23x15·3 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – अमेरिकी मतानुसार ध्रुव स्थिति एवं अनेक द्वीपों की खोज, बन्दरगाहों, द्वीपों वहाँ के निवासियों का विवेचन।



क्रमांक 266: I. 12 i 6
ग्रंथनाम **भूगोल खगोल परिचय**
विषय भूगोल खगोल
भाषा हिन्दी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 11
माप 23·3x11·6 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य चित्र 5, पत्र सं. 1-7, 9-12, 21 अप्राप्य।

क्रमांक 267 : I. 13 i 1
ग्रंथनाम **लीलावती**
विषय रेखा गणित
भाषा संस्कृत
कर्ता भास्कराचार्य
लिपिकाल सं. 1859
पत्र सं. 99
माप 24·5x19·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – रेखाचित्रों से युक्त ।



क्रमांक 268 : I. 13 i 2
ग्रंथनाम **गणित तत्व चिन्तामणि**
विषय गणित
भाषा संस्कृत
कर्ता दिवाकर भट्ट
लिपिकाल स. 1794
पत्र सं. 39
माप 23x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – संभवतः अप्रकाशित प्रति



क्रमांक 269 : I. 13 i 3
ग्रंथनाम **रेखा गणित (फिरंगी मतानुसार)**
विषय रेखा गणित
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 18वीं शती
पत्र सं. 16
माप 16x23 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – यंत्र सहित ।

क्रमांक 270 : I. 13 i 4
ग्रंथनाम **बीज गणित**
विषय बीज गणित
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19वीं श. (उतरार्द्ध)
पत्र सं. 5
माप 30x14 से. मी.



क्रमांक 271 : I. 13 i 5
ग्रंथनाम **लिलावती विवृत्ति (बुद्धिविलासिनी)**
विषय गणित
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 18वीं श.
पत्र सं. 48
माप 24·5x10·1 से. मी.



क्रमांक 272 : I. 13 i 6
ग्रंथनाम **बीज गणित**
विषय बीज गणीत
भाषा संस्कृत
कर्ता भास्कराचार्य
लिपिकाल 18वीं श.
पत्र सं. 40
माप 25x11·1 से. मी.

वास्तु शास्त्र

क्रमांक 273: I. 24 i 1
ग्रंथनाम **1 प्रासाद मण्डन, 2. राज वल्लभ मण्डन, 3. क्षीरार्णव (विश्वकर्मा)**
विषय वास्तु शास्त्र
भाषा संस्कृत
कर्ता सूत्रधार मण्डन
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 48
माप 33·6x19·4 से. मी.



क्रमांक 274: I. 24 i 2
ग्रंथनाम **वास्तु प्रकरण**
विषय वास्तु शास्त्र
भाषा संस्कृत
कर्ता विश्वकर्मा
लिपिकाल सं. 1873
पत्र सं. 15
माप 29x13·6 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – विशिष्ट एवं अप्रकाशित ।



क्रमांक 275: I. 24 i 3
ग्रंथनाम **कुण्ड विधि (नानाविध कुण्ड प्रकार)**
विषय वास्तु शास्त्र
भाषा संस्कृत
कर्ता मल्लशल्पि (नकुलात्मज)
लिपिकाल सं. 1669
पत्र सं. 10
माप 26·5x11·6 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – यज्ञ सम्बन्धी अनेक प्रकार के कुण्ड़ों की निर्माण विधि ।

क्रमांक 276: I. 24 i 4
ग्रंथनाम **1. नर दोष वास्तु 2. महत्पुण्य लक्षण 3. भूमिशोधन 4. गृहप्रवेश मुहूर्त, 5. कलश माप 6. वसन्त राज शाकुन 7. रूप मण्डल 8. क्षीरार्णव (विश्व कर्मा)**
विषय वास्तु शास्त्र
भाषा संस्कृत हिन्दी
कर्ता विश्वकर्मा
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 119
माप 24x17 से. मी.



क्रमांक 277: I. 24 i 5
ग्रंथनाम **राज वल्लभ सटीक**
विषय वास्तु शास्त्र
भाषा सस्कृत-गुजराती
कर्ता सूत्रधार मण्डन
लिपिकाल सं. 1939
पत्र सं. 56
माप 28·3x17 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – टीका गुजराती में, लिपिस्थान मुंबई ।



क्रमांक 278: I. 24 i 6
ग्रंथनाम **वास्तु शास्त्र**
विषय वास्तु शास्त्र
भाषा संस्कृत
कर्ता विश्वकर्मा
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 189
माप 25x17 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – 16 रंगीन रेखा चित्र युक्त, ग्रंथ में 11 प्रकरण टीका सहित-दुर्लभ्य प्रामाणिक ग्रंथ ।

क्रमांक	279: I. 21 ii 1
ग्रंथनाम	**संगीत माधव**
विषय	राग रागिनी
भाषा	हिन्दी ब्रज
कर्ता	
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	23
माप	18x11 से. मी.



क्रमांक	280: I. 21 ii 2
ग्रंथनाम	**रागमाला**
विषय	राग रागिनी
भाषा	हिन्दी
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	18 वीं श.
पत्र सं.	166, (25 से 190 तक)
माप	15·6x12·6 से. मी.



क्रमांक	281: I. 21 ii 3
ग्रंथनाम	**राग रत्नाकर**
विषय	राग रागिनी
भाषा	हिन्दी
कर्ता	राधा कृष्ण कवि
लिपिकाल	सं. 1900
पत्र सं.	32
माप	15·6x10·5 से मी.

विशेष ज्ञातव्य – उणियारा नरेश भीमसिंह राज्ये लिपिकर्ता सेड़मल अगरवाला, लिपिस्थान जयपुर।

क्रमांक	282: I. 21 ii 3
ग्रंथनाम	**राग मालिका**
विषय	राग रागिनी
भाषा	संस्कृत
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	18 वीं श.
पत्र सं.	8
माप	22x13 से. मी.

विशेष ज्ञातव्य – विरलेन समुद्धृत्य सारनर्तम् निर्णयात्।
श्रीमत्कपिल मुन्यर्थं क्रियते रागमालिका ।।



क्रमांक	283: I. 21 ii 5
ग्रंथनाम	**राग प्रकरण (शंकरा भरण)**
विषय	राग रागिनी
भाषा	हिन्दी
कर्ता	भोक्ता शंकर
लिपिकाल	19 वीं श.
पत्र सं.	13
माप	27x12 से. मी.



क्रमांक	284: I. 21 ii 6
ग्रंथनाम	**राग प्रकाश**
विषय	राग रागिनी
भाषा	हिन्दी-ब्रज
कर्ता	अज्ञात
लिपिकाल	29 वीं श. पूर्वार्द्ध
पत्र सं.	76
माप	16·3x25 से. मी.

क्रमांक 285: I. 31 i 1
ग्रंथनाम **कोदण्ड मण्डन**
विषय धनुर्विद्या
भाषा संस्कृत
कर्ता द्रोणाचार्य
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 29
माप 29x14 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – धनुर्विद्या का महत्वपूर्ण ग्रंथ ।

O

क्रमांक 286: I. 31 i 2
ग्रंथनाम **धनुर्धारण विधि**
विषय धनुर्विद्या युद्ध-विधि
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1826
पत्र सं. 6
माप 24·5x11·2 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – ब्राह्मणाय धनुर्देयं, खङ्गं वै क्षत्रियाय च ।
वैश्याय दापयेत् कुन्तं, गदांशूद्रस्य दापयेत् ।।
वर्णव्यवस्थानुसार शस्त्र ग्रहण
धनुश्चक्रं च कुन्तं च खङ्गं च क्षुरिका गदा ।
सदामं बाहु युद्धं च एवं युद्धानि सप्तधा ।।

—

क्रमांक 287: I. 31 i 3
ग्रंथनाम **ब्रह्मास्त्र विद्या (कल्प)**
विषय अस्त्र शस्त्र
भाषा संस्कृत
कर्ता तन्त्रोक्त
लिपिकाल 20 वीं श.
पत्र सं. 23
माप 23·3x17 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – बगलामुखी अनुष्ठान विधि भी ।

क्रमांक 288: I. 31 i 4
ग्रंथनाम **श्यैनिक शास्त्र**
विषय अस्त्र
भाषा हिन्दी ब्रज
कर्ता पृथ्वीसिंह देव
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 21
माप 17x11·4 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – शिकार सम्बन्धी महत्वपूर्ण ग्रंथ ।

—

क्रमांक 289: I. 31 i 5
ग्रंथनाम **शब्द बेधि बाण**
विषय धनुर्विद्या
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 21
माप 21x10 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – दुर्लभ एवं महत्वपूर्ण ग्रंथ बाणों के स्वरूप, लक्ष्य स्खलन, शीघ्र संधान, चित्र गति, शब्द वेधादि का समग्र विवरण ।

—

क्रमांक 290: I 31 i 6
ग्रंथनाम **अस्त्र विधि**
विषय अस्त्र
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 18 वीं श.
पत्र सं. 13
माप 32x15 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – शुद्ध गतयः, वाण भंग, काष्ठ छेदन, शीघ्र संधानम्, दृढ़ भौदिता, हीन गतयः वाणानां लक्ष्य स्खलन गतयः, अनध्याय नाराच नालीक (नावक) फल लक्षणम् आदि ।

क्रमांक 291: I. 17 i 1
ग्रंथनाम **दोलनी बाग विलास**
विषय (वनस्पति संबंधी)
भाषा हिन्दी
कर्ता प्रिया दास
लिपिकाल सं 1890
पत्र सं. 36
माप 11x8 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – सुरेख अक्षरों में लिखित।



क्रमांक 292: I. 17 i 2
ग्रंथनाम **उपवन विनोद**
विषय वनस्पति संबंधी
भाषा संस्कृत
कर्ता —
लिपिकाल —
पत्र सं. 18
माप 26·5x11·6 से. मी.



क्रमांक 293: I. 17 i 3
ग्रंथनाम **वृक्षावली**
विषय वनस्पति
भाषा हिन्दी
कर्ता बाबू प्यारेलाल जमीदार वरौठा
लिपिकाल सं. 1908
पत्र सं. 104
माप 20·10x13 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – देशी विलायती जंगली फल के वृक्ष। सजावटी वृक्षों का परिचय तथा बीज खाद और मौसम में लगाने की विधि। बादशाही मालियों से जानकारी लेकर लिखा गया ग्रंथ।

क्रमांक 294: I. 17 i 4
ग्रंथनाम **रुद्राक्ष त्रिपुण्ड बिल्बमाला**
विषय धार्मिक
भाषा संस्कृत
कर्ता श्री रामनाथ पारीक
लिपिकाल —
पत्र सं. 7
माप 21x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – रुद्राक्ष संबंधी महत्वपूर्ण ग्रंथ।



क्रमांक 295: I. 17 i 5
ग्रंथनाम **प्रसिद्ध वानस्पतिक पटल (कक्षपुटी के अन्तर्गत)**
विषय यंत्र संबंधी (जड़ी बूटी, वानस्पतिक)
भाषा संस्कृत
कर्ता नागार्जुन
लिपिकाल
पत्र सं. 1
माप 21x10 से. मी.
विशष ज्ञातव्य – चांडाली, पुत्रजीवी, सहदेवी, श्वेतार्क, विक्षुकांता, लक्ष्मणा, हस्ताजोड़ी, बंध्याघकों लज्जालु, रूद्रजटा, उदती, मीडाजोगी, मयर शिखा गोस्नां, इंद्रवारूणी, जूंगराज जड़ी बूटियों का यंत्र कक्षपुट के अंतर्गत प्रसिद्ध वानस्पतिक पटल।



क्रमांक 296: I. 17 i 6
ग्रंथनाम **कृषि चंद्रिका**
विषय वनस्पति शास्त्र
भाषा हिन्दी
कर्ता द. ए. मानरो
लिपिकाल 25 फरवरी सन् 1636
पत्र सं. 15
माप $23\frac{1}{2}$x$15\frac{1}{2}$ से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – खेतों का वर्णन, सरल और सामान्य भाषा परिपूर्ण कृषिज्ञान संबंधी अध्ययन।

पशु पक्षी विज्ञान

क्रमांक 297: I. 16 i 1
ग्रंथनाम **अश्व चिकित्सा**
विषय पशु चिकित्सा
भाषा संस्कृत
कर्ता नकुल
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 75
माप 15x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – विभिन्न अश्व रोगों की चिकित्सा।



क्रमांक 298: I. 16 i 2
ग्रंथनाम **हय दर्पण**
विषय अश्व सम्बन्धी
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 158
माप 11x9 से. मी.



क्रमांक 399: I. 16 i 3
ग्रंथनाम **अश्व वर्णन**
विषय अश्व
भाषा हिन्दी ब्रज
कर्ता ब्रजलाल कवि
लिपिकाल 20 वीं श.
पत्र सं. 18
माप 23·5x17 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – ब्रजलाल कवि महाराज माधवेश (जयपुर) के राज्याश्रित थे। राधाकृष्ण नायिका भेद कवित्त भी।

क्रमांक 300: I. 16 i 4
ग्रंथ नाम **घोड़ा री शालीहोत्र**
विषय अश्व चिकित्सा
भाषा राजस्थान-हिन्दी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 18वीं श.
पत्र सं. 8
माप 25·5x11·5 से. मी.



क्रमांक 301: I. 16 i 5
ग्रंथनाम **शला तंत्र (शल्य तंत्र)**
विषय पशु पक्षी द्वारा चिकित्सा
भाषा —
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 15 (7, 8, 9 अप्राप्त)
माप 23x13 से. मी.



क्रमांक 302: I. 16 i 6
ग्रंथनाम **राज चिकित्सा अमर सुबोधिनी**
विषय चिकित्सा
भाषा हिन्दी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 20वीं श.
पत्र सं 109
माप 23x17 से. मी.

पाक शास्त्र

क्रमांक 303: I. 15 i 1
ग्रंथनाम **भोजन विधि (गृहस्थ रत्नाकरान्तर्गत)**
विषय पाक शास्त्र
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 18वीं श.
पत्र सं. 72
माप 27x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– कुछ मनीषियों द्वारा की गई भोजन विषयक परिचर्चाओं का संग्रह ।



क्रमांक 304: I. 15 i 2
ग्रंथ नाम **रसोई विधि (पातशाही)**
विषय पाक शास्त्र
भाषा हिन्दी
कर्ता मनमोहन लाल माथुर
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 60
माप 23x16·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – प्राचीन भारतीय पद्धति से विभिन्न खाद्य पदार्थों की निर्माण विधि ।



क्रमांक 305: I. 15 i 3
ग्रंथनाम **स्थाली पाक**
विषय पाक शास्त्र
भाषा संस्कृत
कर्ता यजुर्वेद
लिपिकर्ता सं. 1792
पत्र सं. 14
माप 22·2x10·7 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– यजुर्वेदान्तर्गत स्थाली-सोम रस तैयार करने का पात्र । विशेष स्थाली पाक होम के लिए गाय के दूध में पकाया हुआ जौ या चावल ।

क्रमांक 306: I. 15 i 4
ग्रंथनाम **रसोई की विधि**
विषय पाकशास्त्र
भाषा हिन्दी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 72
माप 21·5x15 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– विभिन्न प्रकार के भारतीय व्यंजनों की निर्माण विधि फटे हुए दूध को पुनः सही हालत में लाने की विधि



क्रमांक 307: I. 15 i 5
ग्रंथनाम **पाकावली**
विषय पाक शास्त्र
भाषा हिन्दी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 23
माप 21x15 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– आयुर्वेदिक पद्धति से विभिन्न पाकों के निर्माण की विधि यथा शुंठीपाक, जाति पत्री पाक, अश्वगंध पाक हरीतकी पाकादि ।



क्रमांक 308: I. 15 i 6
ग्रंथनाम **भोजन विधि**
विषय पाक शास्त्र
भाषा संस्कृत हिन्दी
कर्ता दिल सुख
लिपिकाल सं. 1957
पत्र सं. 29
माप 21·5x9·5 से. मी.

आलंकरिक शैली मूलक ग्रन्थ

क्रमांक 309: I. 7 iv 24
ग्रंथनाम **राम सवारी**
विषय वर्णन (राम सवारी का)
भाषा अवधी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19 वीं श.
पत्र सं. 4
माप 28x14 से. मी.



क्रमांक 310: I. 7 iv 25
ग्रंथनाम **मथुरा वर्णन**
विषय वर्णन (मथुरा का)
भाषा ब्रज
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19वीं पूर्वार्द्ध
पत्र सं. 6
माप 20x31 से. मी.



क्रमांक 311: I. 7 iv 26
ग्रंथनाम **मोहनी चरित्रम्**
विषय मोहिनी रूप वर्णन
भाषा ब्रज
कर्ता दुर्गा प्रसाद ब्राह्मण
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 3
माप 18·5x27 से. मी.

क्रमांक 312: I. 7 iv 25
ग्रंथनाम **राधा विनोद काव्य**
विषय काव्य
भाषा संस्कृत
कर्ता रामचन्द्र
लिपिकाल सं 1880
पत्र सं. 11
माप 30·5x12·5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – यमक-श्लेष अनुप्रास युक्त, सरस-सालंकार चमत्कारिक-वैविध्यपूर्ण कृति ।



क्रमांक 313: I. 7 iv 28
ग्रंथनाम **मृगांङ्क शतकम्**
विषय काव्य
भाषा संस्कृत
कर्ता कंकण
लिपिकाल सं. 1905
पत्र सं. 10
माप 23·5x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – लिपिकर्ता–राम नारायण, लिपि-स्थान (पतनपुर पाटन) चन्द्रमा के कलंक को आधारित मानकर की गई कल्पनायें ।



क्रमांक 314: I. 7 X 1
ग्रंथनाम **सांकेतिक बात**
विषय प्रकीर्ण
भाषा हिन्दी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 20वीं श.
पत्र सं. 16
माप 11x8 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – यथा-अहि फण कमल चन्द्र टंकारा, तेज पवन यवन संहारा, अंगुलि अक्षर चुटकी मात, राम करे लक्ष्मण से बात ।

लेखन कला परक विचित्र ग्रन्थ

क्रमांक 315: I. 3 i 17
ग्रंथनाम **विष्णु सहस्त्रनाम**
विषय सहस्त्रनाम
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1879
पत्र सं· 36
माप —



क्रमांक 316: I. 3 i 18
ग्रंथनाम **महिम्न स्तोत्र**
विषय स्तोत्र (शिव स्तुति)
भाषा संस्कृत
कर्ता पुष्प दन्त
लिपिकाल —
पत्र सं. 20
माप 25x9 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य – इन्द्रधनुषी रंगसज्जा-स्वर्णलिपि, लिपि कर्ता-दयाराम, लिपिस्थान-कुरुक्षेत्र कपिल स्थल मध्ये ।



क्रमांक 317: I. 7 i 115
ग्रंथनाम **श्रावक नी करणी**
विषय जैन
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 3
माप —
विशेष ज्ञातव्य – रजताक्षर युक्त, रुपहरी बेल

क्रमांक 318: I. 3 i 19
ग्रंथनाम **शिव सहस्त्रनाम**
विषय सहस्त्रनाम
भाषा संस्कृत
कर्ता पुराण
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 79
माप —
विशेष ज्ञातव्य– मुद्रांकित लेखन प्रणाली, कलात्मक सज्जायुक्त ।



क्रमांक 319: I. 3 i 20
ग्रंथनाम **शालिग्राम सुधासार**
विषय शालिग्राम
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 18
माप 7.5x4.5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– हाथी दांत के पत्र पर तथा 18 चित्र सहित ।



क्रमांक 320: I. 5 i 125
ग्रंथनाम **शाबर मंत्र**
विषय मंत्र
भाषा हिन्दी
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 19वीं श.
पत्र सं. 2
माप 25x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– भोज पत्र पर

क्रमांक 321: I. 20 i 8
ग्रंथनाम **नरपतिजयचर्या**
विषय सामुद्रिक ज्योतिष
भाषा संस्कृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1592
पत्र सं. 120
माप 29x12 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– 60 चित्र आकृति मूलक।



क्रमांक 322: I. 20 i 9
ग्रंथनाम **लग्न चन्द्रिका**
विषय ज्योतिष
भाषा संस्कृत
कर्ता हरि नारायण बोड़ा
लिपिकाल सं. 1800
पत्र सं. 71
माप 20x14 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– 12 चित्र सहित।



क्रमांक 323: I. 7 v 7
ग्रंथनाम **जयवंश महाकाव्य (रामाभिधा)**
विषय चरित्र महाकाव्य
भाषा संस्कृत
कर्ता सीताराम
लिपिकाल सं. 1889
पत्र सं. 256
माप 25x12 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– 2 रेखा आकल्पन

क्रमांक 324: I. 7 iv 29
ग्रंथनाम **मधु मालती**
विषय प्रेमाख्यान
भाषा हिन्दी
कर्ता चतुर्भुज दास
लिपिकाल 19वीं श. पूर्वार्द्ध
पत्र सं. 248
माप 16x21 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– 102 चित्र सहित।



क्रमांक 325: I. 7 iv 30
ग्रंथनाम **वैशाली वर्णन**
विषय —
भाषा उडिया
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल 16वीं श.
पत्र सं. 5
माप 32x4 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– उड़िया शैली के 12 चित्र, लिपि उडिया, चित्रित अलंकृत हाथी दांत का आवरण ताड़ पत्रीय ग्रंथ।



क्रमांक 326: I. 5 i 126
ग्रंथनाम **गुटका**
विषय विविध धार्मिक
भाषा संस्कृत–प्राकृत
कर्ता अज्ञात
लिपिकाल सं. 1557
पत्र स. 265
माप 29x11 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– 9 चित्र सहित।

क्रमांक 327: I. 7 vii 4
ग्रंथनाम **छन्द निधि पिंगल**
विषय छन्द
भाषा हिन्दी
कर्ता मन राखन
लिपिकाल 1959 संवत्
पत्र सं. 50
माप 29x19 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– हरिनारायण दास सुत मन सुख राय प्रणाम । तासुत मन राखन प्रथम अमर सिंह लघु भाई । करत सदा तिन पर कृपा पण्डित कवि नर राई । बादा है स्थान शुभ कैन नदी जह वास । तामें नित प्रति देखिपत पण्डित सुकवि प्रकाश ।।



क्रमांक 328: I. 7 vii 5
ग्रंथनाम **वाणी भूषणे वर्ण वृत्त**
विषय छन्द
भाषा संस्कृत
कर्ता दामोदर
लिपिकाल 18वीं पू.
पत्र स. 17
माप 28x15.5 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– आंलकारिक और सुपाठ्य अक्षरों वाला पिंगल शास्त्रीय ग्रंथ ।



क्रमांक 329: I. 1 vii 6
ग्रंथनाम **वृत्त रत्नावली**
विषय छन्द
भाषा संस्कृत
कर्ता शिवनाथ
लिपिकाल 19 वीं
पत्र सं. 33
माप 28x12 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– गौड़ श्री यशवंत सिंह नृपति उल्लेखित ललित पद युक्त, प्रमुख शास्त्रीय ग्रंथ ।

क्रमांक 330: I. 1 vii 7
ग्रंथनाम **छन्द परिचय**
विषय छन्द
भाषा संस्कृत
कर्ता राधाकृष्ण पुत्र युगल किशोर
लिपिकाल 1876 संवत्
पत्र सं. 4
माप 33x12 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– सुपाठ्य, सूत्रात्मक, शैली संयुक्त ।



क्रमांक 331: I. 1 vii 8
ग्रंथनाम **छन्द रत्नावली**
विषय छन्द
भाषा हिन्दी
कर्ता हरिराम दास निरंजनी
लिपिकाल 1795 संवत्
पत्र स. 18
माप 30x12 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– छद ग्रंथ रत्नावली सारथ याको नाम, भूषण भरती तै भयौ कहै दास हरिराम । सवत शरनव मुनिश, नवमी मानि नगर डिंड ढ्ढ़ कूपतहि ग्रंथ जन्म थल जानि ।



क्रमांक 332: I. 1 vii 9
ग्रंथनाम **गुण प्रकार पिंगल प्रकार**
विषय छन्द पिंगल
भाषा हिन्दी
कर्ता हमीर
लिपिकाल 19वीं शती
पत्र सं. 35
माप 25x15 से. मी.
विशेष ज्ञातव्य– सुन्दर लेखन वाला दुष्प्राप्य पिंगल ग्रंथ ।

प्रस्तुत वाङ्मय चयनिका

आचार्य श्री रामचरण शर्मा 'व्याकुल' एक बहु-आयामी, बहुमुखी, सांस्कृतिक, बौद्धिक चेतना से अनुप्राणित, विलक्षण, विराट व्यक्तित्व से ओत-प्रोत हैं। कवि, साहित्यकार, चित्रकार, पराप्राकृत पदार्थों के विशेषज्ञ लोक-कलाविद् होने के साथ, प्राच्य विद्याओं के सतत



अध्येता, कला संग्राहक तथा पुरातत्व वेत्ता है।

आपके द्वारा संग्रहित, चयनित एवं वर्गीकृत प्रमुख हस्तलिखित पाण्डु-लिपियों का यह संकलन निःसंदेह विद्या व्यसनी, लेखकों एवं शोधार्थियों के लिए एक अमूल्य उपहार के रूप में समादृत होगा।



भारत सरकार के वित्तीय सहयोग से प्रकाशित

रजत जयन्ती-वर्ष, 1986